YouTube kanwhizztimes
@kanwhizztimes
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स
सिर्फ सच

❑ वर्ष-14 ❑ अंक-245 ❑ बुधवार, 08 अक्टूबर 2025 ❑ नगर संस्करण ❑ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❑ मूल्य- ₹ 3.00 ❑ पृष्ठ-12

श्री मोदी बिना थके, बिना रुके सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के नए आयाम स्थापित करने के साथ-साथ नए भारत के निर्माण के प्रति समर्पित भाव से काम कर रहे हैं। आज देश के गरीब, किसान, युवा और महिला सभी वर्गों का समग्र विकास हो रहा है। रविशंकर प्रसाद

राधाकृष्णन के साथ पहली सर्वदलीय बैठक 11

राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित हुए देसंविवि के आलोक 12

संक्षेप

उन्नाव दुष्कर्म : मां की सुरक्षा पर रिपोर्ट तलब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता की मां और परिवार को खतरे की आशंका पर दो हफ्ते में एक रिपोर्ट दाखिल करे। न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ दुष्कर्म पीड़िता की मां द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में उन्होंने अपने और अपने परिवार के सदस्यों के जीवन और स्वतंत्रता को गंभीर खतरा होने का आरोप लगाया था।

कैलिफोर्निया विवि के तीन वैज्ञानिकों को भौतिकी में नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम। भौतिक विज्ञान के लिए इस साल का नोबेल पुरस्कार तीन वैज्ञानिकों जॉन क्लार्क, मिशेल देवरे और जॉन एम मार्टिनिस को दिये जाने की घोषणा की गयी है। ये तीनों वैज्ञानिक अमेरिका के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं।

मोदी का जनता को आभार : 25वें वर्ष में नेतृत्व का प्रवेश

प्रधानमंत्री मोदी ने जनता के विश्वास को बताया लोकतंत्र की ताकत

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार के प्रमुख के रूप में अपनी सेवा के 25वें वर्ष में प्रवेश करते हुए देश के लोगों का आभार व्यक्त किया है।

गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में 2001 में आज ही के दिन शपथ लेने के वक्त को याद करते हुए श्री मोदी ने कहा ''मुझे गुजरात के मुख्यमंत्री पद की ज़िम्मेदारी बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सौंपी गई थी। उस वर्ष राज्य भीषण भूकंप से जूझ रहा था और उससे पहले के वर्षों में राज्य को एक महाचक्रवात, लगातार सूखा और राजनीतिक अस्थिरता का भी सामना करना पड़ा था। इन चुनौतियों ने मुझे लोगों की सेवा करने और नए उत्साह और आशा के साथ गुजरात के पुनर्निर्माण के संकल्प को और मज़बूत किया।''

प्रधानमंत्री ने गरीबों के लिए सदैव कार्य करने और कभी रिश्वत न लेने की मां की सलाह को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते समय याद किया। उनकी मां ने कहा था कि सदैव गरीबों के लिए कार्य करना और कभी

रिश्वत नहीं लेनी चाहिए। श्री मोदी ने लोगों को भरोसा दिलाया था कि वह जो भी करेंगे, वह नेक इरादे से और कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति की सेवा करने के भाव से प्रेरित होगा। गुजरात में अपने कार्यकाल पर विचार करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि उस समय लोगों को लग रहा था कि राज्य फिर कभी उन्नति नहीं कर पाएगा। किसान बिजली और पानी की कमी की शिकायत कर रहे थे, कृषि मंदी की चपेट में थी और औद्योगिक विकास ठप था। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से गुजरात सुशासन का केंद्र बन गया। कभी सूखाग्रस्त राज्य, कृषि में शीर्ष प्रदर्शन करने वाला राज्य बन गया, व्यापार का विस्तार विनिर्माण और औद्योगिक क्षमताओं में हुआ और सामाजिक एवं भौतिक बुनियादी ढांचे को बढ़ावा मिला। श्री मोदी ने कहा कि 2013 में, जब देश विश्वास और शासन के संकट से जूझ रहा था, उन्हें 2014 के लोकसभा चुनावों के लिए ● शेष पेज 11 पर

मोदी का सार्वजनिक जीवन राष्ट्र, जनसेवा को समर्पितः शाह

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरकार में रह कर जनसेवा करते हुए 24 साल के जीवन को राष्ट्र और जनसेवा के प्रति समर्पित बताया। श्री शाह ने सोशल मीडिया एक्स के अपने पोस्ट में लिखा, ''प्रधानमंत्री मोदी का 24 वर्षों सार्वजनिक जीवन राष्ट्र और जनसेवा को समर्पित है। यह दिन पूरे देश के बेहद अहम है, जब निःस्वार्थ भाव से जनसेवा को समर्पित एक कर्मयोगी ने संवैधानिक शपथ लेकर लोगों की समस्याओं को अपना मानकर उनका निवारण करना शुरू किया और ये परेशानियां इतिहास बनती चली गईं। गृह मंत्री ने कहा कि इन 24 वर्षों में चाहे गुजरात के किसानों, महिलाओं, उद्योग और शिक्षा में सुधार करना हो या फिर प्रधानमंत्री के रूप में देश की सुरक्षा, गरीबों के कल्याण और पिछड़े, दलित एवं जनजातीय समुदाय सहित सभी वर्गों का उत्थान करना हो। श्री मोदी जी ने यह साबित कर दिया कि जब विजन 'राष्ट्रप्रथम' हो और मिशन 'विकसित भारत' तब एक नेतृत्व कैसे करोड़ों लोगों के जीवन में परिवर्तन ला सकता है।

मोदी के मार्गदर्शन में विकास के नए कीर्तिमान बना रहा है उप्रः योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में नया उत्तर प्रदेश आज विकास के नित नए कीर्तिमान बना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवाकाल के 24 वर्षों की उपलब्धियों का ज़िक्र करते हुए उन्होंने एक्स पर लिखा महिला सुरक्षा, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, एमएसएमई, जनधन, स्वनिधि और अटल पेंशन जैसी योजनाओं में नया उत्तर प्रदेश पूरे देश में नंबर-1 पर है। आज हमारे युवाओं के सामने पहचान का संकट नहीं है। वे आत्मनिर्भर भी हैं और सशक्त भी। प्रदेश में 'युवा सशक्त-उत्तर प्रदेश समर्थ-भारत समृद्ध' की दृष्टि साकार हो रही है। योगी ने कहा कि, भारत के अमृतकाल के सारथी, सृजन के सूत्रधार एवं नवनिर्माण के संवाहक आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' व गरीब कल्याण की संकल्पना साकार हो रही है। राष्ट्र साधना में रत आदरणीय प्रधानमंत्री के गौरवशाली 24 वर्ष गांव, गरीब, महिला, वृद्ध, किसान, नौजवान और वंचितों के जीवन में उत्तरोत्तर उन्नति को समर्पित रहे हैं। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी मार्गदर्शन का ही प्रतिफल है कि देश में आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक उत्थान के साथ ही आमजन की आशाएं, आकांक्षाएं एवं अपेक्षाएं पूर्ण हो रही हैं। आज वंचित को वरीयता और गरीब का कल्याण 'नए भारत' की नई कार्य संस्कृति बनकर उभरी है, जहां सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प से 'अंत्योदय से राष्ट्रोदय' का मंत्र साकार हो रहा है। योगी ने कहा करोड़ भारतीयों के जीवन को सहज, सरल एवं सुगम बनाने में अविराम रत प्रधानमंत्री की 24 वर्षों की इस गौरवशाली यात्रा के लिए 25 करोड़ प्रदेश वासियों की ओर से आपका हार्दिक अभिनंदन।

सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा व सम्मान के लिये सरकार संवेदनशील : योगी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

❑ महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

❑ आपकी सुरक्षा समाज की सुरक्षा, आपका सम्मान भगवान वाल्मीकि की विरासत का सम्मान

❑ महापुरुषों की परंपरा के भाग्य विधाता हैं महर्षि वाल्मीकिः सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सफाई कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी सुरक्षा और सम्मान के प्रति संवेदनशील है।

वाल्मीकि जयंती के मौके पर मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर महासभा ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस समारोह को संबोधित करते हुये उन्होने वाल्मीकि समाज के लोगों से कहा आपकी सुरक्षा समाज की सुरक्षा है। आपका सम्मान भगवान वाल्मीकि की विरासत का सम्मान है।ङ्क मुख्यमंत्री ने कहा ल्ल अभी बड़ा कार्य करने जा रहे हैं। सफाई, संविदा कर्मचारी को अब आउटसोर्सिंग कंपनी नहीं, बल्कि सरकार का कॉरपोरेशन सीधे अकाउंट में पैसा देगा। स्वच्छता कर्मियों को पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा का कवर भी देंगे। जब अकाउंट में कॉरपोरेशन से पैसा आएगा तो यह व्यवस्था करेंगे कि दुर्भाग्य से किसी सफाई कर्मचारी के साथ घटना-दुर्घटना हुई या वह आपदा की चपेट में आ गया तो बैंक से बात करेंगे कि बैंक के माध्यम से 35-40 लाख रुपये देने की व्यवस्था की जानी चाहिए। यूपी के 80 हजार होमगार्ड को यह कवर दे दिया गया है। अब सफाई कर्मचारियों को इस व्यवस्था से जोड़ने जा रहे हैं। योगी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि भारत के महापुरुषों की परंपरा के भाग्य विधाता हैं। तप और साधना से तपे हुए ऋषि को जब लेखनी चलानी थी, तब लोककल्याण व मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने और नई कृति की रचना के लिए उन्होंने हजारों वर्ष पहले देवर्षि नारद से प्रश्न किया कि चरित्र से युक्त कौन ऐसा व्यक्ति है, जिसके बारे में मैं कुछ लिख सकूं, क्योंकि महर्षि वाल्मीकि जानते थे कि चरित्र से युक्त व्यक्ति ही लोककल्याण व राष्ट्र कल्याण का माध्यम बन सकता है। स्वामी विवेकानंद जब शिकागो की धर्मसभा में गए तो उनकी वेशभूषा देख विदेशी हंस रहे थे। तब उन्होंने कहा कि तुम्हारी पहचान पहनावे से बनती है, लेकिन हमारे देश और हमारी पहचान चरित्र से बनती है। हमारे लिए चरित्र महान है। उन्होने कहा कि वाल्मीकि रामायण लिखते समय उन्होंने पूरी कथा को राम पर आधारित किया। उन्होंने यह भी बताया कि राम को क्यों आधार बनाया, क्योंकि राम ही साक्षात धर्म हैं। मानव समाज भगवान वाल्मीकि का कृतज्ञ है। जब भी किसी भारतीय के मन में संदेह पैदा होता है तो महर्षि वाल्मीकि ने हर स्थिति में जो आदर्श रखा, वह मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का था। उन्होंने राम के चरित्र को दिया, जो हर काल, देश, परिस्थिति में प्रासंगिक है। भाई-भाई, पिता-पुत्र, मां-बेटे, राजा-प्रजा में क्या रिश्ते होने चाहिए, उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम कहकर यह भाव भरा। राम ने मर्यादा की लक्ष्मण रेखा का कभी उल्लंघन नहीं किया। योगी ने कहा कि भगवान वाल्मीकि की फोटो लगाकर आज हर देव मंदिर में अखंड ● शेष पेज 11 पर

रक्षा क्षेत्र में मजबूती सबका सामूहिक संकल्प : राजनाथ

एजेंसी

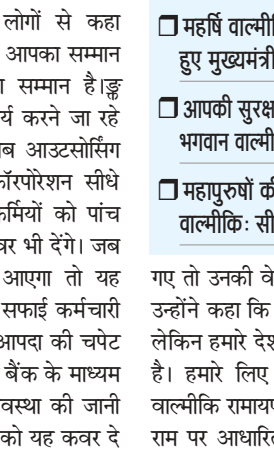

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि रक्षा और सुरक्षा पूरे देश की सामूहिक ज़िम्मेदारी है और रक्षा क्षेत्र को मज़बूत करना केवल किसी संस्था या सरकार का कर्तव्य नहीं बल्कि सभी भारतीयों का साझा संकल्प है। श्री सिंह ने मंगलवार को यहां राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद 'देश में रक्षा विनिर्माण के अवसर' विषय पर बोलते हुए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से मज़बूत और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी रक्षा निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में सक्रिय भागीदार बनने का आह्वान किया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता देश के लिए केवल उत्पादन या अर्थव्यवस्था का मामला नहीं है,

बल्कि यह सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक स्वायत्तता का मामला है जो सीधे संप्रभुता से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब देश को 'मॉक ड्रिल' की आवश्यकता थी तो सभी राज्य सरकारों और उनकी एजेंसियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने कहा, '' यह सब इस बात का प्रमाण है कि जब हम सभी एक लक्ष्य की ओर मिलकर काम करते हैं, तो कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती। रक्षा मंत्री ने पिछले एक दशक में देश में रक्षा विनिर्माण क्षेत्र की अभूतपूर्व वृद्धि का उल्लेख करते हुए ज़ोर देकर कहा कि भारत का रक्षा उत्पादन जो 2014 में 46,000 करोड़ रुपये से अधिक था अब 2025 में 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि इसमें से 33 हजार करोड़ रुपये से अधिक निजी क्षेत्र से आता है जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि उद्योग आत्मनिर्भरता मिशन में समान रूप से भागीदार बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत का रक्षा निर्यात 2014 में एक हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 2025 में रिकॉर्ड 23,500 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा,'' रक्षा साजो-सामान के ● शेष पेज 11 पर

प्रयागराज जंक्शन पर चेकिंग अभियान में 650 किलोग्राम पकड़ा गया अनबुक्ड माल

अभियान के तहत 2,860 रुपए जुर्माना वसूल किया गया। इसके साथ ही लगभग 500 किलो लहसुन पाया गया, जिसे मिर्ज़ापुर में उतरवा कर कार्रवाई की गई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । मंगलवार को चेकिंग अभियान के दौरान प्रयागराज जंक्शन पर 150 किलोग्राम बिना बुक किया हुआ माल पकड़ा गया। जिससे 2,860 रुपए जुर्माना वसूल किया गया। इसके साथ ही लगभग 500 किलो लहसुन पाया गया, जिसे मिर्ज़ापुर में उतरवा कर कार्रवाई की गई।यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को मुख्य वाणिज्य निरीक्षक प्रियरंजन कुमार के नेतृत्व में मुख्य वाणिज्य निरीक्षक, विवेक सिंह; मुख्य टिकट निरीक्षक, शशांक कुमार एवं उप मुख्य टिकट निरीक्षक, अशोक कुशवाहा के द्वारा स्पेशल चेकिंग अभियान चलाया गया।इस अभियान में प्रयागराज जंक्शन पर गाड़ी संख्या 12418 प्रयागराज एक्सप्रेस, 22582 नई दिल्ली-बलिया सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 12802 पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, एवं 12428 रीवा एक्सप्रेस में निरीक्षण किया गया। इस दौरान उक्त गाड़ियों में 150 किलोग्राम बिना बुक किया हुआ माल पकड़ा गया। इस बिना बुक किए माल पर 2,860 रुपए जुर्माना वसूल किया गया।प्रयागराज जंक्शन पर ही बिना बुक किए सामान की जांच के दौरान गाड़ी 20802, नई दिल्ली-इस्लामपुर, मगध एक्सप्रेस के एस-4 कोच में बिना बुक किया हुआ 15 बोरी लहसुन पाया गया। जिसका अनुमानित वजन 500 किलोग्राम था। गाड़ी प्रयागराज जंक्शन से चल चुकी थी अतः सामान उतारा नहीं जा सका।

इस सम्बंध में उचित कार्रवाई के लिए मुख्य वाणिज्य निरीक्षक मिर्ज़ापुर एस के अकेला को सूचित किया गया।पीआरओ ने बताया कि मुख्य वाणिज्य निरीक्षक मिर्ज़ापुर द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुये उक्त सामान को चेक करने पर सामान का मालिक नहीं मिला। अतः 15 बोरी लहसुन मिर्ज़ापुर स्टेशन पर उतार कर एलपीओ को सौंप दिया गया।

एमजीयूजी के 19 विद्यार्थियों का लेंसकार्ट में प्लेसमेंट

गोरखपुर । महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी के डिप्लोमा इन ऑप्टोमेट्री के 19 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट प्रतिष्ठित आईवियर कम्पनी लेंसकार्ट में हुआ है। इन्हें सूरत, राजकोट आदि स्थानों पर नियुक्त किया जाएगा।एमजीयूजी के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल ने नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के सहयोग से डिप्लोमा इन ऑप्टोमेट्री (बैच 2023) के विद्यार्थियों के लिए वर्चुअल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया, जिसे लेंसकार्ट द्वारा संचालित किया गया। इस प्लेसमेंट ड्राइव में सम्मिलित 21 विद्यार्थियों में से 19 विद्यार्थियों का चयन लेंसकार्ट में हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में युवराज, आलमगीर, विवेक विश्वकर्मा, माधुरी गुप्ता, शुभम यादव, अफसाना खातून, श्यामू कुमार, विवेक कनौजिया, अंकित कुमार, इन्द्रासनी गुप्ता, हर्षिता, संगम, मानसी, प्रियांशु सिंह, गुंजन, शालिनी चौबे, शांभवी पाठक, अर्चना गुप्ता और सत्येंद्र मौर्य शामिल हैं।ऑप्टोमेट्री के इन विद्यार्थियों के शानदार प्लेसमेंट पर कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के रोजगारपरक कोर्स और विद्यार्थियों को सेवायोजित कराने की प्रतिबद्धता का प्रतिफल है।

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी दिवस यात्रा का शुभारंभ

शहीदी दिवस यात्रा का प्रयागराज में दिव्य एवं भव्य स्वागत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहादत की स्मृति में निकाली गई जागृति यात्रा का आज प्रयागराज में भावपूर्ण स्वागत किया गया। यह ऐतिहासिक यात्रा तख्त श्री हरमंदिर साहिब पटना साहिब से 17 सितंबर 2025 को आरंभ हुई थी, जो श्री आनंदपुर साहिब तक जाएगी।गुरुद्वारा अलोपीबाग के प्रमुख सेवादार परमजीत सिंह बग्गा ने बताया कि यह यात्रा विभिन्न राज्यों और नगरों से होकर गुजरते हुए गुरु साहिब के त्याग, साहस और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचा रही है।भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य लोगों में गुरु तेग बहादुर जी द्वारा दिखाए गए सत्य, शांति और धार्मिक स्वतंत्रता के आदर्शों के प्रति जागरूकता फैलाना है।यह यात्रा जब आज सायं काल बालसन चौराहा, प्रयागराज पहुंची, तो सिख संगत अलोपीबाग एवं आसपास के श्रद्धालुओं ने ढोल-नगाड़ों और जयघोष के साथ यात्रा का स्वागत किया।इस अवसर पर परमजीत सिंह बग्गा, सरदार पतविंदर सिंह, परमिंदर सिंह बंटी, हरजीत सिंह, मलकीयत सिंह, सुरेंद्र सिंह पुरी, दीप सिंह, लखविंदर सिंह, बलजीत सिंह कोहली सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग उपस्थित रहे।यात्रा का यह पड़ाव श्रद्धा, समर्पण और एकता का संदेश देते हुए आगे अपने अगले पड़ाव की ओर रवाना हुआ।

एग्रीकल्चर चौकी क्षेत्र में सेक्स रैकेट का खुलासा

प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र के एग्रीकल्चर चौकी इलाके में खुलेआम सेक्स रैकेट संचालित होने का मामला सामने आया है। चौकी से मात्र 200 मीटर की दूरी पर चल रहे एक होटल में अनैतिक देह व्यापार और हुक्का बार की सुविधा दी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, थाना प्रभारी को हर महीने नजराना पहुंचाया जाता है, जिससे कार्रवाई नहीं हो रही। इलाके के कई होटल संचालकों को भी पुलिस का संरक्षण प्राप्त बताया जा रहा है। स्थानीय लोग इस अनैतिक गतिविधि को लेकर रोष व्यक्त कर रहे हैं, जबकि पुलिस मौन बनी हुई है।

ट्रांसफर के बाद भी पुलिसकर्मियों को नहीं मिली रिलीफ

प्रयागराज। यमुनानगर [illegible] द्वारा दो दिन पूर्व किए गए पुलिस कर्मियों के स्थानांतरण आदेशों के बावजूद कई कर्मियों को अब तक रिलीफ नहीं किया गया है। जानकारी के अनुसार, कुछ थाना प्रभारियों ने अपने मनचाहे कारखासों को बचाने और हिसाब-किताब निपटाने के लिए जानबूझकर देरी की है। शिकायत पर कई थानों के कारखास पहले ही हटाए जा चुके हैं, लेकिन कुछ पर अब भी कार्रवाई नहीं हुई है। पुलिस विभाग में इस लापरवाही को लेकर सवाल उठ रहे हैं और उच्चाधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की जा रही है।

किशोरी को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म,आरोपियों की तालाश

प्रयागराज। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार रात मानवता को शर्मसार करने वाली वारदात हुई। बुआ के घर आई एक किशोरी जब मूर्ति देखने जा रही थी, तभी गांव के ही युवक ने बाइक से उसका अपहरण कर लिया। आरोप है कि तीन युवकों ने बंधक बनाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। विरोध करने पर चाकू सटाकर जान से मारने की धमकी दी गई। घटना से गांव में सनसनी फैल गई। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है और आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है।

अंडर ट्रांसफर थाना प्रभारी अब भी चार्ज पर

प्रयागराज। औद्योगिक थाना प्रभारी विपिन पाल दो महीने से ट्रांसफर होने के बावजूद अब तक चार्ज पर बने हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, एडीजी स्थापना ने साफ निर्देश दिए थे कि जिन पुलिसकर्मियों का गैर जनपद ट्रांसफर हुआ है, उन्हें तत्काल रवाना किया जाए। इसके बावजूद थाना प्रभारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। विभागीय सूत्रों का कहना है कि ऊंचे संपर्कों और संरक्षण के चलते आदेशों की अनदेखी हो रही है। इस प्रकरण से पुलिस विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं और आलाधिकारी चुप हैं।

फरियादी को थप्पड़ मारने वाला हेड कांस्टेबल लाइन हाजिर

प्रयागराज। पुरामुफ्ती थाने की बमरौली पुलिस चौकी में हेड कांस्टेबल द्वारा फरियादी को थप्पड़ मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में कांस्टेबल अशोक उपाध्याय फरियादी से बहस करते और अभद्र भाषा का प्रयोग करते नजर आ रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। डीसीपी ने तत्काल अशोक उपाध्याय को लाइन हाजिर करते हुए विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। स्थानीय नागरिकों ने इस घटना को पुलिस की अनुशासनहीनता बताया और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मेजा पुलिस ने वारण्टी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना मेजा पुलिस टीम ने मंगलवार को एक वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान रामसूरत पुत्र मुन्नीलाल निवासी ग्राम अखरी शाहपुर, थाना मेजा, जनपद प्रयागराज (उम्र लगभग 48 वर्ष) के रूप में हुई है।यह गिरफ्तारी जिला एवं सत्र न्यायाधीश, फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रयागराज द्वारा निर्गत वारंट मु.नं. 254/2023, धारा 376, 323, 507, 120-बी भादवि के तहत की गई।गिरफ्तारी की कार्रवाई उपनिरीक्षक चन्द्रिका यादव, कांस्टेबल अंशुमान मिश्रा और कांस्टेबल बृजेश कुमार की संयुक्त टीम द्वारा की गई। पुलिस ने अभियुक्त को हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

प्रयागराज में गोतस्करों की संपत्ति होगी कुर्क

प्रयागराज। मुठभेड़ में गोतस्कर तबरेज की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने जिले के अन्य गोतस्करों की संपत्ति की जांच नए सिरे से शुरू कर दी है। कुख्यात गोतस्कर मो. मुजफ्फर और उसके साथियों द्वारा अर्जित चल-अचल संपत्तियों को गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क करने की तैयारी है। पुलिस को कई जिलों—कौशांबी, फतेहपुर, भदोही, जौनपुर—में इनके खिलाफ दर्ज मुकदमों की जानकारी मिली है। अपराध से अर्जित संपत्तियों का ब्योरा जुटाने के लिए राजस्व विभाग की मदद ली जा रही है। अब तक मुजफ्फर की दो संपत्तियाँ कुर्क की जा चुकी हैं और आगे की कार्रवाई जारी है।

महाकुंभ-2025 में फर्जी वेबसाइट बनाकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

प्रयागराज। महाकुंभ-2025 के नाम पर फर्जी वेबसाइट बनाकर कॉटेज, टेंट और होटल की ऑनलाइन बुकिंग के जरिए ठगी करने वाले अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सहायक पुलिस आयुक्त साइबर क्राइम प्रयागराज ने बताया कि अभियुक्त लोगों से अग्रिम राशि लेकर वेबसाइट बंद कर देता था। शिकायतों के बाद साइबर क्राइम टीम ने तकनीकी साक्ष्य जुटाकर आरोपी को ट्रैक किया। उसके पास से ठगी में प्रयुक्त मोबाइल, लैपटॉप और बैंक डिटेल बरामद की गई हैं। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ धोखाधड़ी समेत आईटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

उमापुर टोल कर्मियों पर दुष्कर्म का आरोप

प्रयागराज। उमापुर टोल प्लाजा के संचालकों पर एक महिला ने दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने घटना की तहरीर पुलिस को दी, जिसका शिकायती पत्र सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया है। महिला का कहना है कि टोल प्लाजा पर कार्यरत कुछ कर्मियों ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया और धमकी दी कि शिकायत करने पर अंजाम भुगतना पड़ेगा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारी वायरल पत्र की सत्यता और घटना के तथ्यों की जांच कर रहे हैं। पीड़िता का बयान दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है।

बताशा मंडी में कार में लगी भीषण आग

प्रयागराज। शहर के बताशा मंडी क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक खड़ी कार में अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते वाहन जलकर खाक हो गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पानी और मिट्टी डालकर आग पर काबू पाया। सूचना पर दमकल विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

हंडिया पुलिस ने तीन वारण्टी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

प्रयागराज। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हंडिया पुलिस ने मंगलवार को तीन वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में पप्पू यादव उर्फ गप्पू यादव, बलराज यादव और नागेन्द्र शामिल हैं। ये सभी अलग-अलग मुकदमों में वांछित थे। गिरफ्तारी न्यायालय के आदेश पर की गई।पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक नितेन्द्र कुमार शुक्ल, उपनिरीक्षक दिनेश कुमार सिंह, शिवाकान्त शर्मा सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। अभियुक्तों को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है।

खून से सना मिला मिठाई कारोबारी का शव, पुलिस के लिए बनी पहेली

जंजीर, पर्स और मोबाइल लापता; हादसा या हत्या, अब तक साफ नहीं तस्वीर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र के अरैल मोड़ पर मिठाई व्यवसायी राजकुमार कुशवाहा का शव रविवार की भोर में सड़क किनारे खून से सना मिला। राजकुमार शनिवार रात डांडी का दशहरा मेला देखने गए थे। सुबह उनका शव मिलने से सनसनी फैल गई।पुलिस को घटनास्थल के पास कोई सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला, जिससे जांच मुश्किल हो गई है। मृतक की जंजीर, पर्स और मोबाइल भी गायब हैं। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।राजकुमार के भाई दिलीप कुशवाहा ने बताया कि यह हादसा प्रतीत हो रहा है, लेकिन [illegible] का गायब होना पुलिस के लिए रहस्य बना हुआ है। चौकी प्रभारी शिवजी गुप्ता के अनुसार, मौके से मिले साक्ष्य अब तक दुर्घटना की ही गवाही दे रहे हैं।

बरेली हिंसा मामले पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल

प्रयागराज । बरेली में 26 सितंबर को हुई हिंसा के बाद प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका ([illegible]) दाखिल की गई है। याचिका में हिंसा के बाद हुई ध्वस्तीकरण (Bulldozer Action) पर रोक लगाने की मांग की गई है।याचिकाकर्ता ने कहा है कि प्रशासन की कार्रवाई से कई निर्दोष परिवार प्रभावित हुए हैं, जिन्हें मुआवजा दिए जाने की आवश्यकता है। साथ ही, पूरे मामले की न्यायिक जांच कराने की मांग भी की गई है, ताकि दोषियों और निर्दोषों के बीच स्पष्ट भेद किया जा सके।इसके अतिरिक्त, हिंसा के दौरान और बाद में दर्ज फर्जी [illegible] को रद्द करने तथा निर्दोष व्यक्तियों पर किसी भी प्रकार की दमनात्मक कार्रवाई न किए जाने की भी मांग की गई है।सूत्रों के अनुसार, इस जनहित याचिका पर अगले सप्ताह इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हो सकती है।

नारी शक्ति का नया आयाम, महिला सुरक्षा का नया अध्याय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के उद्देश्य से संचालित महत्वाकांक्षी योजना [illegible]मिशन शक्ति 5.0 के तहत मंगलवार को कमिश्नरेट प्रयागराज के गंगानगर जोन में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया।

पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त प्रयागराज के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त गंगानगर एवं अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति टीमों ने सभी थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर जाकर महिलाओं व बालिकाओं को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया।टीम ने साइबर सुरक्षा, सोशल मीडिया पर सावधानी तथा किसी भी उत्पीड़न की स्थिति में डायल-112 या मिशन शक्ति टीम से तुरंत संपर्क करने की जानकारी दी।साथ ही महिला सुरक्षा से जुड़ी हेल्पलाइन सेवाएँ – 1090, 181, 1076, 1930 और 112 – के बारे में जानकारी देकर पम्पलेट वितरित किए गए।यह अभियान नारी सशक्तिकरण की दिशा में प्रयागराज पुलिस का एक सशक्त कदम साबित हो रहा है।

म्योहाल हॉस्टल ने जीती मानसून वॉलीबाल प्रतियोगिता की ट्रॉफी

देव स्पोर्ट्स एकेडमी नैनी की टीम बनी उपविजेता

प्रधान डाकघर में दो दिवसीय मानसून वॉलीबाल प्रतियोगिता सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । डाक मनोरंजन क्लब द्वारा डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए), प्रयागराज के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय एम.पी.सिंह मेमोरियल [illegible]जिला स्तरीय मानसून वॉलीबाल प्रतियोगिता[illegible] का मंगलवार को प्रधान डाकघर के ग्राउंड पर समापन हुआ। प्रतियोगिता में म्योहाल स्पोर्ट्स हॉस्टल ने देव स्पोर्ट् एकेडमी नैनी को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया।प्रतियोगिता में कुल 24 टीमों ने प्रतिभाग कर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबला म्योहाल स्पोर्ट्स हॉस्टल प्रयागराज और देव स्पोर्ट्स एकेडमी नैनी के बीच खेला गया। जिसमें म्योहाल स्पोर्ट्स हॉस्टल ने देव स्पोर्ट्स एकेडमी नैनी को 25-22, 25-20 व 25-19 अंकों से हराकर एम.पी.सिंह मेमोरियल जिला स्तरीय मानसून वॉलीबाल प्रतियोगिता की ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया।इसके पूर्व खेले गए प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल मैच में देव स्पोर्ट्स एकेडमी नैनी ने प्रधान डाकघर पोस्टल प्रयागराज की टीम को 25-21 व 25-23 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल मैच में म्योहाल स्पोर्ट्स हॉस्टल की टीम ने पुलिस लाइंस क्लब प्रयागराज की टीम को 25-19 व 25-17 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश की थी। प्रतियोगिता के दौरान अल्ताफ अली, फूलचंद गुप्ता, मुकेश शुक्ला, धनंजय राय, असफाक अहमद व संतोष कुमार ने निर्णायक की भूमिका अदा की।वहीं प्रतियोगिता के खेले गए अन्य मैचों में पुलिस लाइंस क्लब प्रयागराज ने 13 आर्मी प्रयागराज को, प्रधान डाकघर पोस्टल ने टीए बटालियन आर्मी को तथा म्योहाल स्पोर्ट्स हॉस्टल ने देव पब्लिक स्कूल नैनी को हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया था। मुख्य अतिथि पोस्ट मास्टर जनरल राजीव उमराव व प्रवर अधीक्षक डाकघर सुशील तिवारी ने विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया।

पति से विवाद के बाद पत्नी ने खुद को लगाई आग, मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र के पुरैनी गांव में एक विवाहिता ने खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली। पति के दिल्ली जाने को लेकर हुए विवाद के बाद महिला ने यह कदम उठाया। पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम भेजकर मामले की जांच में जुट गई है।पुरैनी निवासी बबलू पत्नी राम जानकी (30) दो बच्चे एक बेटा बाबू और बेटी काव्या हैं। परिजनों ने बताया कि रोजगार के सिलसिले में वह सोमवार को दिल्ली जाने की बात पत्नी को बतायी। इस पर पत्नी ने उसे जाने से मना कर दिया, जिसको लेकर दोनों में झगड़ा हुआ। बबलू शाम की गाड़ी से दिल्ली चला गया। पति के जाने के बाद नाराज राम जानकी ने कमरे में आग लगा ली। आग की लपटें इतनी तेज़ थीं कि जब तक परिवार के लोग मौके पर पहुंचते, तब तक राम जानकी पूरी तरह झुलस चुकी थी। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के वक्त घर में कोई मौजूद नहीं था।थाना प्रभारी निरीक्षक पवन पटेल ने मंगलवार को बताया कि शुरुआती जांच में यह मामला पारिवारिक विवाद का प्रतीत होता है। मृतका के मायके पक्ष को सूचित करते हुए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

मिट्टी के दिए पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति की परम्परा को जीवित रखते हैं : डीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कानपुर । तात्या टोपे नगर की माटीकला अत्यंत प्रभावशाली है और यहां के उत्पाद आईआईटी सहित देश-विदेश तक पहुंचते हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री के जनपद आगमन पर यहीं निर्मित एक उत्पाद भेंट किया गया था। मिट्टी के दीये पर्यावरण अनुकूल होते हैं और भारतीय संस्कृति की परम्परा को जीवित रखते हैं। हमें इन्हें अपनाकर न केवल कारीगरों का सहयोग करना है बल्कि इस विरासत को भी बचाना है। जनपद को माटीकला के एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यह बातें मंगलवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कही।दीपावली की आहट के साथ बिठूर स्थित तात्या टोपे नगर की गलियों में इस समय मिट्टी की महक बसी हुई है। जहां दीपावली के अवसर पर कुम्हार परिवार दिन-रात मेहनत कर पारंपरिक और सजावटी दीये तैयार कर रहे हैं। कहीं पारम्परिक चाक पर बुज़ुर्ग अपनी कला को साध रहे हैं, तो कहीं युवाओं के हाथों में माटीकला बोर्ड द्वारा प्रदत्त इलेक्ट्रिक चाक तेजी से घूम रहे हैं। पकती हुई मिट्टी से उठती सौंधी खुशबू, कतारों में सूखते दीये, भगवान गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियां, सिरवा-गरिया और बच्चों के लिए खास खिलौने इस पूरी बस्ती को दीपावली के उत्सव का जीवंत दृश्य बना रहे हैं। जिसे देखने और कुम्हारों से मिलने जिलाधिकारी पहुंचे। इस दौरान 65 वर्षीय रामआसरे, जो अपने पारम्परिक चाक पर दीये गढ़ रहे थे।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर जिलाधिकारी ने बिठूर स्थित वाल्मीकि आश्रम में की पूजा-अर्चना

कानपुर । महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह बिठूर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम पहुँचे, यहां उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की। साथ ही आश्रम परिसर में आयोजित अखण्ड रामायण पाठ में प्रतिभाग किया।इस अवसर पर लवकुश आश्रम के गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त कर रहे बालकों द्वारा महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित 'रामायण' का भावपूर्ण पाठ किया गया। जिलाधिकारी ने बालकों के अनुशासन, वाचन-कौशल एवं धार्मिक ज्ञान की सराहना करते हुए उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया।जिलाधिकारी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी न केवल आदिकवि के रूप में विख्यात हैं, बल्कि उन्होंने अपने अमर ग्रंथ रामायण के माध्यम से समाज को आदर्श जीवन, सत्य, धर्म और मर्यादा का संदेश दिया है। उनके जीवन और उपदेश आज भी जनमानस के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस दौरान तहसीलदार सदर, जिला पर्यटन अधिकारी, अधिशाषी अधिकारी बिठूर तथा संबंधित अधिकारीगण, आश्रम के महंतगण, गुरुकुल के विद्यार्थी एवं अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मेजा के बधवा गांव में चोरों की अफवाह से दहशत

प्रयागराज। मेजा थाना क्षेत्र के बधवा गांव में सोमवार रात चोरों की अफवाह से दहशत फैल गई। ग्रामीण पूरी रात जागकर अपने घरों और गलियों की निगरानी करते रहे। क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाओं की चर्चाओं के बीच गांव में अज्ञात व्यक्तियों की गतिविधियों को लेकर डर का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान न दे।

सूचना

श्री विपिन कुमार ने अपनी मूल पीजी डिग्री खो दी है, जो वर्ष 2021 की है, रोल नंबर 1920203101179 और एनरोलमेंट नंबर [illegible]192020063 है। अगर किसी के पास इस बारे में कोई जानकारी है, तो कृपया संपर्क करें: 9653081476

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु **ई-ऑक्शन** आमंत्रित किया जाता है।

एडमिन यूनिट/ जोन	Lucknow-NR-Division-Commercial/ Northern Railway
नीलामी सूची सं.	**Catering SMU2S**
कार्य का विवरण	Allotment of catering Stall at AY Station of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years.
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	26.09.2025
नीलामी प्रारंभ तिथि (समस्त लाट)	13.10.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बंद करने की तिथि व समय	13.10.2025 at 12:30 hrs.
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलिदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E- Auction Module of **www.ireps.gov.in**

Details of catering stalls to be auctioned are as under:

Station	Lot No	Stall ID	Close Date/Time	Quota	Sub Quota
Ayodhya Dham	Catg-LKO- AY-SMU-195-25-1	AY/PF-2&3/168	13.10.2025 at 12:30 hrs.	SMU	Minority

3085/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अस्पताल को दान किए तीन स्ट्रेचर

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय जन सेवा समिति संस्था कि ओर से राजाजीपुरम स्थित रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल में मरीजों की सुविधाओं के लिए तीन स्ट्रेचर दान किए गए। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के प्रतिनिधि अमित द्विवेदी ने कहा कि संस्था की ओर से किया गया बेहद सराहनीय कार्य है जो भी समाज में आर्थिक रुप से संपन्न है उन्हें अस्पतालों में स्ट्रेचर, व्हील चेयर और अन्य जरूरत के समान दान स्वरुप देना चाहिए। वहीं संस्था के अध्यक्ष व राजाजीपुरम व्यापार मंडल के अध्यक्ष शैलेश बाजपेयी शीलू ने अतिथि को अंग वस्त्र पहनाकर सम्मान किया। अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नीलिमा सोनकर ने कहा कि इस तरह के सामाजिक योगदान से अस्पतालों में मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। इस मौके पर संस्था के तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

अंतरराज्यीय सॉल्वर गैंग के 10 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सरोजनीनगर। बिजनौर पुलिस व डीसीपी दक्षिणी की संयुक्त टीम ने अंतरराज्यीय सॉल्वर गैंग का खुलासा करते हुए गिरोह के सरगना सहित 9 सदस्यों को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया।बताते हैं कि आरोपी चैट-जीपीटी और एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से अभ्यर्थी के फोटो को सॉल्वर की फोटो से मिक्स कर नया फोटो बना लेते थे। नए फोटो से फर्जी आईडी और आधार कार्ड बनाते थे। इसके बाद डील कर पेपर देते थे। लेकिन, आईबीपीएस के एक ई-मेल ने सॉल्वर गैंग का पूरा खेल बिगाड़ दिया। ई-मेल की मदद से बिजनौर पुलिस ने गैंग के एक सॉल्वर को दूसरे अभ्यर्थी की जगह पकड़ कर सोमवार को जेल भेज दिया था। इसके बाद बैंक मैनेजर सरगना समेत गैंग के 9 सदस्यों को मंगलवार शाम सरोजनीनगर तहसील के पास किसान पथ के अन्डर पास से गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया - आईबीपीएस के क्लर्क ग्रेड की बीते रविवार को परीक्षा थी। एजेंसी की ओर से बिजनौर स्थित भौनवाल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एक्जाम सेंटर पर ई-मेल आया। इसमें बताया गया कि बिहार के गौरव आदित्य की जगह पर बिहार के गया जिले के गया बौद्ध निवासी अभिषेक कुमार नाम का व्यक्ति पेपर दे रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की, तो यह बात सही पाई गई। इसके बाद अभिषेक को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर पूरे गैंग का खुलासा हुआ। इसमें 9 अन्य लोगों को पकड़ा गया। डीसीपी ने बताया आरोपियों की पहचान जहानाबाद बिहार के रहन वाले आनंद कुमार, पटना निवासी गौरव आदित्य, चंपावत उत्तराखंड निवासी हर्ष जोशी, गया बिहार निवासी भागीरथ शर्मा, लखीसराय बिहार निवासी सुधांशु कुमार, जहानाबाद निवासी धनंजय कुमार सौरभ, राजीव नारायण पांडे, मुकेश कुमार और आशीष रंजन के रूप में हुई। गैंग का सरगना आनंद कुमार यूपी ग्रामीण बैंक में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत है। इस समय उसकी पोस्टिंग खबपुरा (संभल - यूपी) में है। गैंग का सरगना आनंद कुमार अपने साथी मुकेश, आशीष रंजन, धनंजय और भगीरथ के साथ गैंग चलाता था। एक अभ्यर्थी को पास कराने के लिए 5 लाख 20 हजार रुपए में सौदा होता था।

इनमें 2 लाख आनंद के होते थे। पहली परीक्षा में बैठने वाले को 20 हजार देते थे। उसको पास करने के बाद मेन एग्जाम में बैठने वाले को एक लाख रुपए मिलते थे। बाकी बचे रुपए अन्य लोगों में बंट जाते थे।

डीसीपी ने बताया आरोपी फ़ेस मिक्सिंग ऐप मिक्स ग्राइंडर, जैमिनी एआई, चैट जीपीटी, फोटोर जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल से दो चेहरों को एक में मिला देते थे। ये अमूमन एक जैसा दिखने लगता था। इससे परीक्षा में बैठने वाले व्यक्ति पर संदेह नहीं होता था। वहीं जिसका एग्जाम होता था, उसका फर्जी आधार कार्ड बनाकर उसकी जगह एग्जाम देने वाले प्रॉक्सी को भेजते थे। जितने भी दूसरे की जगह पर पेपर देने आते थे, उन्हें लखनऊ के अलग-अलग सेंटर पर एग्जाम देना था। पुलिस जांच में सामने आया है कि गौरव आदित्य की जगह पर अभिषेक कुमार पेपर देने आया था। योगेंद्र कुमार की जगह पर हर्ष जोशी, आकाशदीप की जगह पर राजीव नयन पेपर में बैठने वाला था।

सुधांशु किसकी जगह पर एग्जाम में बैठने वाला था, इसकी जांच की जा रही है। आरोपी सुधांशु यूको बैंक में स्केल-1 का ऑफिसर है। इसकी वजह से उसे पूरे पेपर पैटर्न की अच्छे से जानकारी थी। वहीं 2 आरोपी बैंकिंग और अन्य एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं। कई बार एग्जाम दे चुके हैं। इसलिए उन्हें भी पूरे पैटर्न की जानकारी थी। दो असली अभ्यर्थी योगेंद्र कुमार और आकाशदीप फरार हैं। इफको में क्लर्क मुकेश कुमार भी किसी अभ्यर्थी का पेपर देने के लिए आया था। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश के साथ पूरे मामले की गहनता से जांच पड़ताल कर रही है।

राम कथा के दिव्य आयोजन में डॉ. राजेश्वर सिंह ने दिया संदेश

धर्म सर्वोपरि, समरसता ही सनातन की आत्मा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सोमवार को शेखपुर तरेहा स्थित मातोश्री लॉन में वरिष्ठ समाजसेविका रंजना मिश्रा द्वारा आयोजित सप्तदिवसीय श्रीराम कथा के आयोजन में सहभागिता कर कथा व्यास स्वामी सुधीरानंद जी महाराज का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम समरसता, समानता और सामाजिक एकता के साकार स्वरूप हैं, जिन्होंने शबरी के जूठे बेर खाकर भक्ति का सम्मान किया, निषादराज को मित्र बनाकर समानता का आदर्श दिया और सुग्रीव के संग सहयोग का मार्ग प्रशस्त किया।

विधायक ने कहा आज जब समाज जाति, भाषा और मतों में बाँटने की कोशिशों से जूझ रहा है, तब श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि धर्म सर्वोपरि, और समरसता ही सनातन की आत्मा है। इन्हीं आदर्शों से प्रेरित होकर सरोजनीनगर में गत तीन वर्षों से रामरथ अयोध्या यात्रा अनवरत संचालित है, अब तक करीब 160 से अधिक मंदिरों का सौंदर्यी करण कराया गया तथा ?1.5 करोड़ झाडेश्वर महादेव, ?5.3 करोड़ से रेतेश्वर महादेव और ?1 करोड़ जल साईंनाथ मंदिर का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है।

इस अवसर पर भाजपा नेता राजेश सिंह चौहान, मंडल अध्यक्ष शिव बक्स सिंह, विवेक राजपूत, रमाशंकर त्रिपाठी, के. एन. सिंह, तेज नारायण सिंह, सुनील रावत, लवकुश रावत, सोनू माली, योगेश तिवारी, कृपाशंकर शुक्ला, विश्वजीत, लाल जी अवस्थी, उत्तम मिश्रा, मानस मिश्रा, प्रफुल्ल अवस्थी, बबलू , ममता मिश्रा जी, तृप्ति तिवारी, आशा सिंह, बबली वर्मा एवं अन्य मौजूद रहे।

काकोरी ब्लॉक स्थित घुरघुरी तालाब का शीघ्र ही सौंदर्यीकरण, सफाई एवं जीर्णोद्धार कराया जाएगा। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने क्षेत्रीय कार्यक्रमों में सहभागिता के दौरान तालाब का स्थल निरीक्षण कर तालाब की सफाई, बेंचों की स्थापना तथा समग्र विकास कार्य कराने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।विधायक ने कहा कि ह्लतालाब केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि जीवन, संस्कृति और पर्यावरण संतुलन का आधार हैं; इन्हें सहेजना हमारा सामूहिक दायित्व है। इस दौरान बॉक्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे एक उदीयमान युवा खिलाड़ी को सम्मानित किया गया। साथ ही विधायक ने स्थानीय नागरिकों के साथ आत्मीय संवाद किया और श्री सुरेन्द्र यादव जी की दुकान पर कड़क चाय का आनंद लेते हुए क्षेत्र के विकास संबंधी सुझाव भी सुने। इस अवसर पर भाजपा नेता राजेश सिंह चौहान, ब्लॉक प्रमुख सुनील कुमार, पार्षद के. एन. सिंह,पूर्व प्रधान तेज नारायण सिंह, रामशंकर त्रिपाठी , सोनू माली एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महर्षि वाल्मीकि के आदर्श आज भी समाज के लिए पथ प्रदर्शक: जयवीर सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ महर्षि वाल्मीकि जयंती पर मंत्री जयवीर सिंह ने किया अखंड रामायण पाठ का शुभारम्भ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मंगलवार को अलीगंज स्थित नया हनुमान मंदिर में आयोजित महर्षि वाल्मीकि कृत रामायण के अखंड पाठ का शुभारम्भ किया। इसके बाद प्रदेश भर के मंदिरों में अखंड रामायण पाठ की शुरुआत हुई। कार्यक्रम के उपरांत मंत्री जयवीर सिंह जानकीपुरम स्थित गौतम बुद्ध विहार कॉलोनी पहुंचे और लोगों को वाल्मीकि सम्मान दिया। इस दौरान राज्यसभा सांसद बृजलाल भी मंत्री संग मौजूद रहे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से महर्षि वाल्मीकि के जयंती पर प्रदेश के सभी 75 जिलों के देव मंदिरों और महर्षि वाल्मीकि से सम्बंधित स्थलों पर रामचरित मानस पाठ, अखण्ड रामायण पाठ, वाल्मीकि रामायण पाठ, सुन्दर काण्ड, भजन-कीर्तन, दीप प्रज्ज्वलन और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ऐसे आयोजन प्रदेश की संस्कृति और आस्था से जुड़ी हमारी परम्परा और लोक आस्था को सशक्त बनाते हैं। उन्होंने कहा, राज्य में महर्षि वाल्मीकि के सम्मान के लिए भगवान राम की नगरी अयोध्या में उनके नाम पर अन्तरराष्ट्रीय एयरपोर्ट एवं भव्य प्रतिमा स्थापित की गयी है। संगीत नाटक अकादमी में वाल्मीकि प्रेक्षागृह, स्मारक, पुस्तकालय एवं छात्रावास के साथ अन्य कई योजनाएं संचालित हैं, जिससे वाल्मीकि समाज का गौरव एवं सम्मान बढ़ता है।

मंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली लालापुर चित्रकूट में पर्यटन विकास कार्य एवं वाल्मीकि की भव्य प्रतिमा की स्थापना के साथ ही अखंड रामायण पाठ किया जा रहा है। वृहद सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, महर्षि वाल्मीकि से संबंधित स्थलों के विकास और प्रचार-प्रसार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

वाल्मीकि जयंती पर सफाई कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर निगम के ज़ोन-6 में रविवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस मौके पर स्वच्छता व्यवस्था में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सफाई कर्मचारियों, महिला कर्मियों और अन्य कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ज़ोनल अधिकारी मनोज यादव ने स्वच्छता का संदेश देते हुए एक सुंदर गीत प्रस्तुत किया। उन्होंने सफाई कर्मियों और महिला कर्मचारियों को फूलमाला, शॉल और मिठाई देकर सम्मानित किया। मनोज यादव ने कहा कि सफाई कर्मचारी शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज सेवा में योगदान दें।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हुई मां गोमती की आरती

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर मां गोमती की आरती महंत देव्यागिरी महाराज के सानिध्य में 11वेदियों आरती से की गई। वहीं महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण व उनकी रचि रामायण की आज के जीवन में प्रासंगिकता बताई। साध्वी गौरजा गिरी ने मंदिर के सामने उपवन घाट पर मंत्रोच्चारण के साथ आरती करवाई। आरती से पहले घाट पर दीपक की रंगोली सजाई गई। आरती के समय घाट दीपकों से जगमगा उठा। महंत देव्यागिरी ने बताया कि 05 नवम्बर को घाट पर भव्य रूप से देव दीवाली मनाई जाएगी।

बिजनौर में घर का ताला तोड़कर नगदी जेवरात व घरेलू सामान चोरी

सरोजनीनगरलखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बिजनौर इलाके में चन्द्रावल के मजरा लक्ष्मण खेड़ा में मकान के मुख्य गेट का ताला तोड़कर लाखों रुपए कीमत के जेवरात व 40 हजार रुपए की नगदी समेत घरेलू समान चोरी हो गया। स्थानीय निवासी पेशे से मजदूर बाबू, पत्नी स्मृति व अपने दो बच्चों के साथ रहते हैं। वह बीते 3 अक्टूबर को परिवार सहित अपनी पुत्री सोनाक्षी की तबीयत ख़राब होने पर बिजनौर के गढ़ी मोहल्ला स्थित उसकी ससुराल गए थे। बीते मंगलवार सुबह करीब 6:00 बजे मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को अपने फोन में चेक किया तो कुछ दिख नहीं रहा था। जिसके बाद मौके पर पहुंचकर देखा कि घर के मेन गेट का ताला कटा पड़ा था।.अंदर कमरे के ताला तोड़कर अलमारी व बडे बक्सा का ताला भी टूटा पड़ा था, साथ में सामान बिखरा हुआ पड़ा है। यह देखकर बाबू ने पुलिस को सुचना दी। सूचना पाकर घटना स्थल पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल कर वापस लौट गई। इसके बाद परिजनों ने गांव वालों के साथ जंगल झंडियों में गहनता से की तालाश की जहां सड़क किनारे झाडियों में एक बोरा दिखाई पड़ा मिला।यह देख पुलिस को सूचना दी पुलिस अपने सामने सामान निकलवाया जिसमे दो साउंड, दो बटुआ, दो बैटरा, सौर ऊर्जा इन्वर्टर, बड़ी ड्रिल मशीन, गैस सिलेंडर और हेलमेट, मिक्सी मशीन, इनवर्टर के यूपीएस (डी वीआर) बरामद हुआ। जबकि घर से 40000 रुपये की नगदी, दो तोले का हार , एक तोले की झुमकी, सोने की चेन, सोने की अंगुठी,चांदी के पाजेब , करधनी , 1जोडी पायल, चांदी के दो ब्रेसलेट जिसकी कीमत करीब पांच लाख रुपए थी गायब हुए। वहीं घरेलू सामान में चार बैटरा , एक इनवर्टर, गैस चूल्हा, दो बटुआ, दो साउंड भी चोरी हो गए।

कांशीराम के प्रति सपा-कांग्रेस का रवैया हमेशा द्वेषपूर्ण रहा : मायावती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सपा और कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बसपा के संस्थापक कांशीराम के प्रति इन दोनों दलों का रवैया हमेशा घोर जातिवादी एवं द्वेषपूर्ण रहा है। मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के मिशनरी को नई गति देने वाले बसपा के संस्थापक कांशीराम को लेकर सपा और कांग्रेस का रवैया शुरू से ही जातिवादी एवं द्वेषपूर्ण रहा है। 09 अक्टूबर को कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर सपा की ओर से संगोष्ठी और कार्यक्रम करने की घोषणा मात्र घोर छलावा है। लोगों को स्पष्टतः इनके मुंह में राम बगल में छुरी की कहावत को चरितार्थ करने वाला ज्यादा लगता है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सपा ने ना केवल कांशीराम के जीते-जी उनके पार्टी के साथ दगा करके उनके मूवमेन्ट को उत्तर प्रदेश में कमजोर करने की लगातार कोशिशें कीं हैं। बसपा सरकार में 17 अप्रैल 2008 में कासगंज को जिला मुख्यालय का दर्जा देकर कांशीराम नगर के नाम से बनाये गये नये जिला के नाम को भी जातिवादी सोच व राजनीतिक द्वेष के कारण बदल दिया। इसके अलावा बसपा सरकार में कांशीराम के नाम से जो विश्वविद्यालय, कॉलेज, अस्पताल व अन्य संस्थाए बनाये गये थे, उनके नाम भी सपा सरकार में बदल दिए गए। ऐसा करना सपा की घोर दलित विरोधी चाल, चरित्र व चेहरा नहीं तो और क्या है? मायावती ने आगे कहा कि कांशीराम के देहांत पर सपा सरकार ने यूपी में एक दिन का भी राजकीय शोक घोषित नहीं किया। इसी प्रकार कांग्रेस की तब केन्द्र में रही सरकार ने भी उनके देहान्त पर एक दिन का भी राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया था। लेकिन संकीर्ण राजनीति व वोटों के स्वार्थ की खातिर सपा व कांग्रेस समय-समय पर बाबा साहेब और कांशीराम का नाम लेती है। इस प्रकार की गलत जातिवादी व संकीर्ण सोच वाली सपा, कांग्रेस आदि पार्टियों से लोगों को जरूर सजग और सावधान रहना होगा। उल्लेखनीय है कि बसपा 09 अक्टूबर को भव्य रैली निकालने जा रही है। पार्टी की ओर से पूरी रुपरेखा तैयार कर इसकी तैयारियां तेज कर दी गयी है।

अव्यवस्थाओं के बीच मारा गया रावण

इस बार पिछले वर्षों की तुलना में कफी कम रहा दैत्यराज का कद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज में राम की सेना ओर से छोड़े गए अग्नि बाण के लगते ही विशाल रावण का पुतला जल उठा।मौके पर बड़ी संख्या में लोग इस दृश्य का आनंद लेते रहे।यह सारा आयोजन बड़ी ही अव्यवस्थाओं के बीच संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि गोसाईगंज कस्बे की राम लीला 30 सितम्बर को आरंभ हुई थी। पूर्णिमा के दिन (7 अक्टूबर 2025) रावण का दहन किया गया। इस बार मारे गए रावण कद पिछले वर्षों की तुलना में काफी छोटा रहा।यह बात भी लोगों की जुबान पर चर्चा का विषय बनी। लोगों के मुंह से सुना गया कि इससे पहले गोसाईगंज में मारे जाने वाले रावण का कद 80 - 90 फुटि हुआ करता था।इस बार वह आधा भी नहीं रह गया।इसका कारण कमेटी के पास धनाभाव रहा यह कुछ और यह तो कमेटी के लोग ही समझ सकते हैं।

फिलहाल इस बार रावण वध की व्यवस्था विगत वर्षों से काफी भिन्न दिखाई पड़ी।रावण का कद भी विगत वर्षों की तुलना में बेहद कम रहा।इसी बात पर देखने वाले को आश्चर्य हुआ।

इस बार खास बात यह भी देखने को मिली कि जहां पर रावण वध होना था उस ग्राउंड में बड़ी बड़ी घास लगी हुई मिली।राम लीला कमेटी ने घास कटवाने की भी आवश्यकता नहीं समझी। ऐसा समझा जा रहा है कि सामने आई अवस्था से लगता है कि कमेटी के लोगों में ताल मेल नही बैठ रहा हो।

डी.पी. बोरा की 85वीं जयंती के पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए योगी, मातृ शक्तियों को किया सम्मानित

15 सेवा शक्ति केंद्रों का किया शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पूर्व विधायक स्वर्गीय डी.पी. बोरा की 85वीं जयंती के अवसर पर मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत मातृशक्ति वंदन और 15 सेवा शक्ति केंद्रों (सिलाई प्रशिक्षण केंद्र) का शुभारंभ किया। इसी दौरान उन्होंने स्व. डी.पी. बोरा की प्रतिमा का वर्चुअल अनावरण किया और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाली मातृशक्तियों का सम्मान भी किया। सीएम योगी ने नारी सशक्तीकरण और सामाजिक समरसता पर जोर देते हुए स्वर्गीय डी.पी. बोरा के संघर्षों और समाज सेवा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महर्षि वाल्मीकि और परम कृष्ण भक्त मीराबाई की जयंती का दिन भी है। उन्होंने कहा कि आज का दिन उत्तर प्रदेश के लिए विशेष महत्व रखता है। यह शरद पूर्णिमा का पावन पर्व है, जो महर्षि वाल्मीकि की जयंती और मीराबाई के जन्मदिन के साथ-साथ

स्वर्गीय डी.पी. बोरा की जयंती के रूप में भी मनाया जा रहा है। वहीं समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली मातृ शक्तियों को सम्मानित किया गया। इनमें पद्मश्री हिन्दी साहित्यकार प्रो. विद्या बिन्दु सिंह, शास्त्रीय संगीतज्ञ सुनीता झींगरन, शीला मिश्रा, शालू सिंह और डॉ. चंद्रावती जैसी विभूतियां शामिल रहीं। इन महिलाओं ने शिक्षा, साहित्य, संगीत, स्वास्थ्य और समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी मेहनत और समर्पण से समाज को नई दिशा दी है। सीएम ने सम्मानित महिलाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन मातृ शक्तियों ने अपने कार्यों से समाज को प्रेरित किया है। इनका सम्मान हम सभी के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय डी.पी. बोरा को एक प्रेरणादायी व्यक्तित्व बताते हुए उनके

योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि डी.पी. बोरा जी ने लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप में और बाद में विधायक के रूप में समाज के वंचित, दलित और शोषित वर्गों की आवाज को बुलंद किया। उस समय लखनऊ में गैंगवार और अराजकता का माहौल था, लेकिन डी.पी. बोरा जी ने अपने संघर्षों से न केवल गरीबों और व्यापारियों के हितों की रक्षा की, बल्कि समाज को एक नई दिशा भी प्रदान की। उनकी मूर्ति का अनावरण और सेवा शक्ति केंद्रों का शुभारंभ उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम में प्रख्यात कवि सर्वेश अस्थाना ने अपनी कविता के माध्यम से सामाजिक संवेदनाओं को जागृत किया। उनकी कविता में नारी गरिमा, सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के साथ-साथ दहेज जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ जागरूकता का संदेश था।

रामायण एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि सामाजिक मूल्यों और पर्यावरण संरक्षण का भी प्रतीक है : सीएम योगी

सीएम योगी ने महर्षि वाल्मीकि की रामायण को सामाजिक, धार्मिक और भौगोलिक दृष्टिकोण से अद्वितीय बताते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि सामाजिक मूल्यों और पर्यावरण संरक्षण का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि रामायण में भगवान राम का चरित्र धर्म का मूर्त रूप है। महर्षि वाल्मीकि ने समाज को एक आदर्श चरित्र प्रदान किया, जो आज भी प्रासंगिक है। सीएम योगी ने श्री राम जन्मभूमि आंदोलन और अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल एक मंदिर का निर्माण नहीं, बल्कि रामराज्य की स्थापना की दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि रामायण काल की वनस्पतियों और पर्यावरण को पुनर्जनन करने का कार्य भी चल रहा है। यह हमारी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को संरक्षित करने का प्रयास है। इसी तरह, मीराबाई की भक्ति और सामाजिक समरसता को याद करते हुए उन्होंने कहा कि मीराबाई ने अपने गुरु रविदास जी के सान्निध्य में कृष्ण भक्ति के माध्यम से समाज में आस्था और समरसता का संदेश दिया।

दहेज की मांग और घरेलू हिंसा का भय, पीड़िता ने लगाई पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार

पीड़िता ने पति पर लगाया मारपीट और दहेज की मांग का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पलिया कलां, खीरी। प्रेम विवाह के बाद पत्नी के साथ बार-बार मारपीट, दहेज की मांग और जान से मारने की धमकियों का आरोप लगाते हुए साबी गुप्ता (पुत्री रमाकांत गुप्ता) ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक लखीमपुर (खीरी) से न्याय की गुहार लगाई है।

प्रार्थिनी ने कहा है कि उसके पति सतवीर (पुत्र मगन सिंह निवासी ग्राम बड़ागांव तहसील व कोतवाली पलिया कलां) व उसके परिजन लगातार उसे प्रताड़ित कर रहे हैं और मायके वालों से दहेज की मांग कर रहे हैं। प्रार्थिनी ने अपनी शिकायत में बताया कि उनका विवाह जनजाग्रति समिति (गायत्री परिवार) में सतवीर से हुआ था। शादी के बाद प्रार्थिनी ससुराल में रह रही थी जहाँ सतवीर आए दिन उससे मारपीट करता है और मायके से पैसे व जेवर मांगता है। जब मायके वाले सहयोग करने में असमर्थता जताते हैं तो सतवीर तलाक की धमकी देता है।

प्रार्थिनी के अनुसार 18 मई 2025 को हुए एक झगड़े में सतवीर उनकी माता-पिता तथा बहनोई-बहन ने मिलकर उसकी बुरी तरह पिटाई की जिसके बाद प्रार्थिनी ने 19/05/2025 को पलिया कोतवाली में भी शिकायत दर्ज कराई थी। साबी गुप्ता ने कहा ल्लमैं डरी-सहमी अपने मायके में रह रही हूँ। जब घर पर कोई नहीं होता तो सतवीर बार-बार घर आकर गाली-गलौच और मारपीट करता है। वह कहता है कि मैं जहर खा लूँगा और तुम्हारे पूरे परिवार को जेल भिजवा दूंगा, यदि तुम मेरे साथ रहना चाहती हो तो पैसे और जेवर लेकर आओ।ङ्क प्रार्थिनी ने यह भी बताया कि सतवीर बार-बार झूठी शिकायतें दायर कर पुलिस को परेशान करता है परंतु पलिया कोतवाली में अब तक कोई प्रभावी कानूनी कार्रवाई नहीं की गई।

प्रार्थिनी ने यह भी आरोप लगाया कि 20 सितंबर 2025 को सतवीर ने उनके पिता के साथ गाली-गलौच और मारपीट की तथा खुलकर जान से मारने की धमकी दी। प्रार्थिनी की माता पिछले छह वर्षों से लकवाग्रस्त हैं और भाई काम से बाहर रहते हैं, जिस कारण अवस्था और गंभीर हो रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें आशंका है कि सतवीर कभी भी उनके या उनके परिवार के साथ कोई गंभीर घटना कर सकता है। प्रार्थिनी ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि सतवीर व उसके परिजनों के विरुद्ध क्क्रट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने लिखा है कि यदि उनके साथ या उनके परिवार के साथ कोई अनहोनी हुई तो उसके जिम्मेदार सतवीर और उसके परिवार होंगे।पलिया कोतवाली में दर्ज शिकायत और जनसुनवाई पोर्टल पर कई बार शिकायतों के रिकार्ड होने के बावजूद प्रार्थिनी का आरोप है कि उचित कार्यवाही न होने से आरोपी और अधिक हठीले हो गए हैं। प्रार्थिनी ने यह भी अनुरोध किया है कि पुलिस तत्काल उनके संरक्षण तथा आरोपियों के विरुद्ध कानूनन कार्रवाई सुनिश्चित करे। इस मामले पर पलिया कोतवाली व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कोई आधिकारिक बयान अभी प्राप्त नहीं हुआ है।

यूडीआईडी कार्ड बनाने में जनपद को प्रथम स्थान मिलने पर अधिकारी हुए सम्मानित

कानपुर । विकलांग एसोसिएशन द्वारा यूनिक डिसेबिलिटी आईडी कार्ड (यूडीआईडी कार्ड) बनाने में कानपुर नगर को प्रथम स्थान मिलने पर अधिकारियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक सुरेन्द्र मैथानी रहे व अध्यक्षता विकलांग एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने किया।इस दौरान विधायक मैथानी ने अंग वस्त्र, मोमेंन्टो देकर जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विनय उत्तम, मानसिक रोग विशेषज्ञ डाक्टर चिरंजीवी प्रसाद, सुधांशु प्रकाश मिश्रा, वरिष्ठ सहायक विपिन कुमार को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों के लिए काम करने वाले अधिकारियों का सम्मान हमारी सरकार में हो रहा है। उन्होंने कहा कि यूडीआईडी कार्ड बनाने में कानपुर को प्रथम स्थान प्राप्त होना गौरव की बात है।एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि विकलांग एसोसिएशन कानपुर में दिव्यांग व्यक्तियों को सरकार कि सुविधाएं दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है। काम करने वाले अधिकारियों का सम्मान होना चाहिए। ये काम विकलांग एसोसिएशन कर रहा है।

सिधौली में अवैध शराब बिक्री का खुला खेल, महिला पार्षद ने उठाई आवाज, विभागों में मचा हड़कंप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

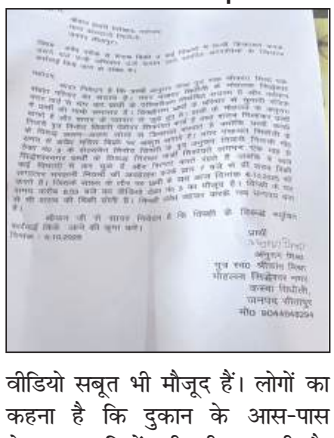

सिधौली, सीतापुर । नगर क्षेत्र के सिद्धेश्वर नगर मोहल्ले में संचालित देसी शराब दुकान सिधौली नंबर-3 पर नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाए जाने का मामला गरमाता जा रहा है। नगर की महिला पार्षद अनुरागा मिश्रा ने आबकारी विभाग और पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि दुकान पर रात 7 बजे के बाद भी शराब की बिक्री जारी रहती है, जबकि अनुमति केवल रात 10 बजे तक की है।पार्षद ने बताया कि दुकान संचालक शराब बिक्री के साथ-साथ अवैध गतिविधियों में भी लिप्त हैं। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो उनके खिलाफ फर्जी शिकायतें दर्ज करवाकर दबाव बनाने की साजिश की गई।

उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि दुकान के संचालन की जांच कर संबंधित लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए।शिकायती पत्र के अनुसार, पार्षद के पास दुकान पर देर रात की बिक्री के वीडियो सबूत भी मौजूद हैं। लोगों का कहना है कि दुकान के आस-पास रोज़ाना शराबियों की भीड़ लगती है, जिससे माहौल बिगड़ रहा है और स्थानीय परिवार परेशान हैं।स्थानीय नागरिकों ने भी प्रशासन से मांग की है कि शराब ठेके की गतिविधियों पर तुरंत रोक लगाई जाए और दोषियों पर कार्रवाई हो।अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या पुलिस और आबकारी विभाग इस मामले में सख्त कदम उठाएंगे या फिर सिधौली में अवैध शराब बिक्री का यह कारोबार यूं ही चलता रहेगा।

आईआईटी कानपुर और बैंक ऑफ बड़ौदा ने हैकाथॉन 2025 का किया समापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कानपुर । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (आईआईटी) और बैंक ऑफ बड़ौदा के सहयोग से आयोजित बैंक ऑफ बड़ौदा हैकाथॉन 2025 का समापन आईआईटी कानपुर में हुआ। यह आयोजन वित्तीय सेवा विभाग (डीएसएफ) और इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) के मार्गदर्शन में किया गया था। इस हैकाथॉन का उद्देश्य डिजिटल बैंकिंग में ज़ीरो ट्रस्ट सिक्योरिटी विषय पर नए और व्यावहारिक समाधान तैयार करना रहा।प्रतियोगिता में देश भर के युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कुल 420 से अधिक प्रतिभागी, 200 टीमें और 50 से अधिक नवाचारी समाधान इसमें शामिल हुए। कई चरणों के मूल्यांकन के बाद शीर्ष 10 टीमों का चयन किया गया, जिन्होंने अपने अभिनव विचार ग्रैंड फिनाले में प्रस्तुत किए। इन टीमों ने बैंकिंग सुरक्षा को सशक्त बनाने के लिए विविध समाधान पेश किए। जिनमें यूज़र और एंटिटी बिहेवियर एनालिटिक्स (यूईबीए) आधारित फ्रॉड प्रिवेंशन, एआई संचालित धोखाधड़ी रोकथाम प्लेटफ़ॉर्म, वॉइस और पहचान सुरक्षा समाधान, उन्नत रीयल-टाइम थ्रेट डिटेक्शन मॉडल, और बैंकों के लिए विशेष साइबर सुरक्षा ढाँचे शामिल थे। प्रत्येक प्रस्तुति के बाद जूरी द्वारा प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, जिसमें विचारों की व्यवहारिकता, विस्तार क्षमता और दीर्घकालिक प्रभाव का मूल्यांकन किया गया।इस अवसर पर प्रो. अंकुश शर्मा ने कहा कि ऐसे हैकाथॉन अकादमिक अनुसंधान और उद्योग जगत के बीच की दूरी को कम करने का काम करते हैं। यहाँ प्रस्तुत विचार भारत की बढ़ती क्षमता को दर्शाते हैं, जो डिजिटल सुरक्षा, फिनटेक और स्मार्ट बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में देश को अग्रणी बना रहे हैं।प्रो. दीपु फिलिप प्रोफ़ेसर-इन-चार्ज, एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर ने कहा कि एसआईआईसी का उद्देश्य सदैव नए विचारों को बाजार में उपयोगी और प्रभावशाली समाधान में बदलना रहा है। बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ आयोजित यह हैकाथॉन उसी मिशन को और मजबूत करता है।

ड्यूटी के दौरान हृदय गति रुकने मुख्य आरक्षी का निधन

जौनपुर । बदलापुर कोतवाली थाना में तैनात मुख्य आरक्षी लल्लन प्रसाद का ड्यूटी के दौरान हृदय गति रुकने से असामयिक निधन हो गया। अचानक हुई घटना से पूरे पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। इस हृदय विदारक घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने मौके पर पहुंच कर जानकारी लिया।सिपाही का शव पुलिस लाइन परिसर में लाया गया। जहां मृतक पुलिस को गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वहीं पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह क्षेत्राधिकारी शुभम वर्मा एवं पुलिस परिवार द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में मुख्य आरक्षी लल्लन प्रसाद के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी एवं मौन धारण कर सलामी देकर शोक संवेदना व्यक्त की गयी। पुलिस अधीक्षक ने दिवंगत मुख्य आरक्षी लल्लन प्रसाद को सद्गति व उनके परिजनों/प्रियजनों के सम्बल हेतु हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

कोतवाली प्रभारी शिवाजी दुबे ने दिखाई इंसानियत घायल युवक को निजी वाहन से पहुंचाया अस्पताल

गश्त के दौरान युवक सड़क पर तड़पता देखा तो उसे स्वयं उठा कर अपने निजी वाहन से उसे सीएचसी लेकर पहुंचे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

धौरहरा खीरी। सख्त पुलिसिंग और ईमानदार छवि के लिए पूरे उत्तर प्रदेश में पहचाने जाने वाले एसपी खीरी संकल्प शर्मा के निर्देशन में खीरी पुलिस लगातार जनसेवा में नए आयाम छू रही है। इसी कड़ी में कोतवाली धौरहरा प्रभारी निरीक्षक शिवाजी दुबे ने बीते सोमवार देर रात मानवता की मिसाल पेश की।

गश्त के दौरान जब वह निघासन-ढखेरवा रोड स्थित टॉपर पुरवा के पास पहुंचे, तो उन्होंने एक युवक को सड़क किनारे गंभीर हालत में तड़पते देखा। बिना देर किए अपनी निजी गाड़ी रोकी और घायल युवक को खुद उठाकर सीएचसी धौरहरा लेकर पहुंचे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एंबुलेंस का इंतजार नहीं किया और अस्पताल में डॉक्टरों से बेहतर इलाज का निवेदन किया। यही नहीं, युवक के परिजनों के आने तक वह अस्पताल में ही मौजूद रहे।घायल युवक की पहचान टाऊ पुत्र बिरजा निवासी ग्राम लाला पुरवा के रूप में हुई है, जिसे एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी।शिवाजी दुबे अपने कर्तव्यनिष्ठ रवैये, मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक कार्यों में विशेष रुचि के लिए पहले भी चर्चित रह चुके हैं। जनपद के विभिन्न थानों में तैनाती के दौरान उन्होंने कई बार ब्लरियल पुलिसिंगङ्क की मिसालें पेश की हैं। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों और सोशल मीडिया पर उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा हो रही है।

खीरी में धूमधाम से मनी महर्षि वाल्मीकि जयंती

मंदिरों में दीपदान के साथ हुआ रामायण का पाठ

सीडीओ ने किया महर्षि वाल्मीकी जी की चित्र का माल्यार्पण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी । मंगलवार को गत वर्षो की भांति खीरी में महर्षि वाल्मीकि जयंती हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाई गई। मंदिरों में दीप प्रज्वलन, दीपदान के साथ-साथ वाल्मीकि रामायण का अखंड पाठ शुरू किया गया।इस अवसर पर शासन के निर्देश पर जिले की सभी तहसील, विकासखंड एवं नगरीय निकाय स्तर पर विभिन्न मंदिरों में संस्कृति विभाग में पंजीकृत सांस्कृतिक भजन मंडलियों ने रामायण का अखंड पाठ शुरू किया। फॉरेस्ट कॉलोनी मंदिर में पूजा-प्रतिष्ठा का आयोजन हुआ, जिसमें सीडीओ अभिषेक कुमार ने महार्षि वाल्मीकी जी की चित्र पर माल्यार्पण किया तथा अखंड रामायण पाठ शुरू कराया। साथ ही महर्षि वाल्मीकी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को महर्षि वाल्मीकी जी के पद चिन्हों पर चलने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही जनपद के विभिन्न वाल्मीकी मंदिरों में प्रतिमा का माल्यापर्ण, भजन-कीर्तन तथा प्रसाद वितरण किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार ने कहा कि महर्षि बाल्मीकि वैदिक काल में महान ऋषियों में आते हैं। महर्षि वाल्मीकि को आदि कवि के नाम से भी जाना जाता है, उनके द्वारा रचित विश्व प्रसिद्ध कालजयी कृति रामायण महाकाव्य सामाजिक मूल्यों, मानव मूल्यों एवं राष्ट्र मूल्यों की स्थापना का आदर्श है। कहा कि वाल्मीकि रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्य एवं राष्ट्रीय मूल्यों से जन सामान्य को जोड़ना है। इस अवसर पर डीडीओ गजेंद्र प्रताप सिंह, सीवीओ डॉ. दिनेश सचान, पर्यटन सूचना अधिकारी संजय भंडारी सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी और श्रद्धालु मौजूद रहे। पूरे जिले में दिनभर श्रद्धा और आस्था का माहौल बना रहा। शहर में भुफोरवानाथ मंदिर, मुड़िया महंत मंदिर, राम नवमी मंदिर धौरहरा और मंगला देवी मंदिर गोला गोकर्णनाथ सहित जिलेभर में बड़ी संख्या में प्रमुख मंदिरों में रामायण पाठ शुरू हुआ।

नव दुर्गा जागरण समिति के तत्वावधान में अमरनगर में हुआ भव्य जवाबी कीर्तन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसवा, सीतापुर । नव दुर्गा जागरण समिति के तत्वावधान में अमरनगर मे स्थित दुर्गा माता मंदिर के प्रांगण में भव्य जवाबी कीर्तन रणजीत राज प्रयागराज व सचदेवा शरारती कानपुर के मध्य देर रात तक जोरदार जवाबी कीर्तन हुया जो बराबरी पर छुटा।जवाबी कीर्तन का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व अध्यक्ष बिसवा लायर्स एसोसिएशन अश्वनी कुमार त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी डॉ बंकिम चंद्र,व सांसद प्रतिनिधि रिजवान अहमद ने आरती करके किया।अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संस्थापक विजय बाजपेयी ने अतिथियों को माल्यर्पण व शाल भेंटकर किया।मुख्य अतिथि अश्वनी कुमार त्रिपाठी ने कहा कि ऐसे आयोजन संस्कृति का बोध करवाने मे लाभकारी साबित होते हैं।उन्होंने ऐसे आयोजन को अनवरत करवाये जाने को लेकर युवाओ का आह्वाहन किया।कार्यक्रम का सफल संचालन अध्यापक पवन द्विवेदी ने किया।इस दौरान गजेंद्र शुक्ल,सुशील मिश्रा, पवन मिश्रा, सुरेंद्र मिश्रा, मूल बाबू,प्रदीप शुक्ल,मुकुट बिहारी वाजपेयी, राजा बाजपेयी, दिलीप मिश्रा, गौरव बाजपेयी, संदीप वर्मा,राजा शर्मा, सहित काफी संख्या में कीर्तन प्रेमी मौजूद रहे।

ईसानगर पुलिस ने दो शातिर अपराधियों को किया गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। ईसानगर की पुलिस के हाथ लगी बड़ी कामयाबी, दो शातिर अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार। गिरफ्तार आरोपी कंतऊ निवासी निवासी दामू बेहड़ व इतवारी निवासी सुरजनपुर थाना खमरिया को चोरी के माल नकदी व देशी तमंचे के साथ किया गिरफ्तारदोनो थाना क्षेत्र की कई चोरियों मे पुलिस कर रही थी दोनो की तलाश आज मिली कामयाबीथानाध्यक्ष निर्मल तिवारी ने गिरफ्तार करने वाली अपनी टीम को बधाई देते हुए बताया, कि कई महीनों से दोनों क्षेत्र मे सक्रिय होकर कर रहे थे अपराधथानाध्यक्ष ने बताया कि कंतऊ पर गैर जनपद व जिले के कई थानों पर चोरी, रहजनी, लूट के 27 मुकदमें व इतवारी पर दस मुकदमें दर्ज है । कई मामलों मे दोनो वांछित भी थे ।

गंगाबेहड़ के मुख्य सड़क पर भरा पानी, लोग परेशान

लखीमपुर खीरी। तहसील निघासन के ग्राम पंचायत गंगाबेहड़ के द्वारिका पुरवा गाँव में मुख्य सड़क पर भरा पानी निघासन खीरी द्वारिका पुरवा से रामपुर के तरफ मंदिर को जाने वाली मोड़ पर लोग पैदल नही निकल सकते हैं (वाहिद के घर के पास) द्वारिका पुरवा की जनता वोट दे कर अपने आप को ठगी महसूश कर रही है। प्रधान प्रितिनिध अरुण कुमार उर्फ गुड्डू ने अपने घर की सड़क पर पूरा डमरू लगवा लिया है और बाकी द्वारिका पुरवा की इस सड़क से उनको कोई मतलब नही है। प्रधान प्रतिनिधि अरूण कुमार उर्फ गुड्डू से जनता जवाब माँग रही है कि, क्यो नही ये सड़के 5 साल में बन पाई । जितने भी जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी है सबसे जानता जवाब मांगा रही है।

पुलिस ने शांति भंग में 9 आरोपियों के विरूद्ध की कार्रवाई

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के निर्देशन में संपूर्ण जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के सह निकट परीक्षण व क्षेत्राधिकारी द्वारा महोदय के दर्शन तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली धौरहरा शिवाजी दुबे के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा शांति भंग करने वाले 9 नंबर को अंतर्गत धारा 170, 126, 135, बीएस में गिरफ्तार कर विधि कार्रवाई कर न्यायालय के समक्ष भेजा गया गिरफ्तार अभियुक्त काशीराम पुत्र जुगनू निवासी ग्राम फरवरी कोतवाली धौरहरा जनपद खीरी व अनु लाल पुत्र मंगरु निवासी कफारा कोतवाली द्वारा जनपद खीरी व गार्गी पुत्र गिरजा दयाल निवासी भकुरहिया व अवधेश पुत्र नागेश्वर निवासी सिसैया कला व रमेश पुत्र रामधार निवासी ग्राम लालजी पुरवा व असगर पुत्र रमजानी निवासी लालजी पुरवा व जमाल पुत्र अब्दुल्ला निवासी कलुआ पुर व राम लखन पुत्र लल्लू निवासी ग्राम पचघरा व लालू पुत्र बीरबल निवासी ग्राम पचघरा को गिरफ्तार कर विवेक कार्रवाई हेतु न्यायालय भेजा गया गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक विलियम कौशिक उप निरीक्षक बृजलाल कांस्टेबल शोभित कुमार कोतवाली धौरहरा जिला खीरी शामिल है।

शरद पूर्णिमा आस्था और विज्ञान की अनूठी त्रिवेणी : कृष्ण मनोहर

प्रयागराज । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से शरद पूर्णिमा उत्सव और वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाया गया। प्रयागराज विभाग में नगर सह कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसी प्रकार रज्जू भैय्या नगर, प्रयाग दक्षिण की ओर से साठ फीट रोड स्थित सरस्वती शिशु मंदिर राजरूपपुर में शरद पूर्णिमा उत्सव और वाल्मीकि जयंती मनाई गई।कार्यक्रम में एकल गीत प्रवीण पांडेय, अमृत वचन नक्षत्र द्वारा कराया गया। बौद्धिक भाग प्रचार प्रमुख कृष्ण मनोहर का रहा। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने चंद्रमा की रोशनी में रखे खीर का भोग लगाते हुए प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर प्रयाग दक्षिण भाग के भाग प्रचार प्रमुख और अपर शासकीय अधिवक्ता कृष्ण मनोहर ने कहा कि शरद पूर्णिमा का संबंध सिर्फ आस्था आध्यात्म से ही नहीं है, बल्कि पुरातन समय से इसका संबंध विज्ञान से रहा है।

मिशन शक्ति के तहत कार्यक्रम का किया गया आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर, खीरी। क्षेत्र में महिलाओं को सशक्तीकरण अभियान जागरूकता में,आत्मनिर्भर व उनके सुरक्षा व सम्मान के लिए चलाए जा रहें मिशन शक्ति फ़ेज -5.अभियान के अंतर्गत मोहम्मदी थाना क्षेत्र के ग्राम साहबगंज में स्थित शिवपुरी में ग्राम पंचायत सचिवालय,छेड़ीपुर में मंगलवार को कार्यक्रम आयोजित हुआ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मोहम्मदी सीओ अरुण कुमार सिंह व विशिष्ट अतिथि के रूप में उमेश चंद्र चौरसिया व महिला उप निरीक्षक अंजना जायसवाल ने कहा कि मुश्किल की घडीं में छात्राएं 112, 1090, 181, 108,101,1098,1076,102,आदि हेल्पलाइन नंबर डायल करें,किसी भी व्यक्ति द्वारा छींटाकशी,छेड़खानी,सोशल मीडिया से परेशान करना या अनजान व्यक्ति पर किसी प्रकार का संदेह होने पर पुलिस की हेल्पलाइन नम्बरों पर पुलिस को सूचना दें।वहीं मोहम्मदी क्षेत्राधिकार द्वारा कहा गया कि महिलाओं को आत्मरक्षा के लिए स्वंय आगे बढ़ाना चाहिए जिससे अपराधियों में डर पैदा होंगे।इस मौके पर रेहरिया पुलिस चौकी इंचार्ज हिमांशु आनंद सिंह व कांस्टेबल संदीप कुमार,का.शिशु कपूर,का.अभिषेक कुमार का. करनवीर सिंह,ग्राम प्रधान सुदेश कुमार, लेखपाल अमरीक राज,विनोद कुमार कुशवाहा,धर्मेंद्र राज व समस्त ग्रामीण मौके पर मौजूद रहें।

एसएसबी महानिरीक्षक अमित कुमार ने गौरीफंटा बॉर्डर का किया निरीक्षण

इस मौके पर उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था और सीमा गतिविधियों की समीक्षा भी की

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पलिया कलां (खीरी)। भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से सशस्त्र सीमा बल (ट्टट्ठउ) के सीमान्त मुख्यालय रानीखेत के महानिरीक्षक अमित कुमार ने मंगलवार को गौरीफंटा चेक पोस्ट का निरीक्षण किया। तीन दिवसीय आधिकारिक भ्रमण के दौरान उन्होंने 39वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल पलिया की सीमा चौकी गौरीफंटा पहुंचकर सीमा सुरक्षा,गश्त व्यवस्था और सीमा पार गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान महानिरीक्षक अमित कुमार ने सीमा पर तैनात अधिकारियों एवं जवानों से बातचीत कर उनकी ड्यूटी, निगरानी व्यवस्था और सुरक्षा तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने सीमा क्षेत्र में सक्रिय गश्त, तलाशी कार्यवाही और अंतरराष्ट्रीय आवागमन पर नियंत्रण के लिए अपनाई जा रही रणनीतियों की भी समीक्षा की। महानिरीक्षक ने चेक पोस्ट पर सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, यात्री पंजीकरण की प्रक्रिया और सीमा पार आने-जाने वाले लोगों की जांच व्यवस्था का भी बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई की जाए और सीमा क्षेत्र में शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर समय सतर्कता बरती जाए। अमित कुमार ने कहा कि सशस्त्र सीमा बल का मुख्य उद्देश्य भारत-नेपाल सीमा पर शांति, सद्भाव और सुरक्षा बनाए रखना है। उन्होंने जवानों के मनोबल और कार्यक्षमता की सराहना करते हुए कहा कि सीमा सुरक्षा में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इस अवसर पर क्षेत्रक मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल, पीलीभीत के उप-महानिरीक्षक अनिल कुमार शर्मा, 39वीं वाहिनी के कमांडेंट रवीन्द्र कुमार राजेश्वरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं सुरक्षाकर्मी मौजूद रहे।इस निरीक्षण को सीमा की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बहजोई में सर्वहितकारी श्री अन्न स्टोर का हुआ भव्य शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों सहित कमिश्नर, जिलाधिकारी, एसपी सम्भल की मुख्य रूप से उपस्थिति रही

संभल, बहजोई। उत्तर प्रदेश सरकार के मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि विभाग के मार्गदर्शन में सर्वहितकारी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा संचालित मिलेट्स (श्री अन्न) स्टोर का सोमवार की देर रात बहजोई कलेक्ट्रेट परिसर में भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि धर्मवीर प्रजापति राज्यमंत्री , स्वतंत्र प्रभार, होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा एवं गुलाब देवी जी राज्यमंत्री , स्वतंत्र प्रभार, माध्यमिक शिक्षा, उ.प्र. द्वारा फीता खोलकर एवं नारियल फोड़कर धार्मिक विधि से किया गया।

इस अवसर पर दोनों अतिथियों ने माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'श्री अन्न अभियान' के तहत मिलेट्स जैसे पोषक अनाजों का प्रसार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा। यह स्टोर किसानों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए सेहत व स्वावलंबन का माध्यम बनेगा।वहीं राज्यमंत्री श्रीमती गुलाब देवी ने कहा कि मिलेट्स हमारे पारंपरिक अनाज हैं जो न केवल सेहत के लिए अमृत समान हैं बल्कि किसानों की आय दोगुनी करने का भी सशक्त माध्यम हैं। ऐसी पहलें समाज को स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रेरक हैं। मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने कहा कि सर्वहितकारी जैसी संस्थाएँ यदि इस प्रकार पोषण और आजीविका को जोड़कर कार्य करें तो यह मॉडल पूरे प्रदेश के लिए अनुकरणीय बन सकता है। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने कहा कि यह स्टोर न केवल बहजोई के लिए गर्व का विषय है, बल्कि सम्भल जनपद के ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के अंत में कंपनी निदेशक सम्भव जैन ने सभी अतिथियों एवं आगंतुकों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा संकल्प 'अच्छा स्वाद, बेहतर सेहत – मिलेट्स के साथ' के नारे को हर घर तक पहुँचाया जाए। स्थानीय किसानों के उत्पाद को सम्मानजनक मूल्य दिलाना और जन-जन तक श्री अन्न पहुँचाना ही हमारा ध्येय है।कार्यक्रम का संचालन गरिमामय वातावरण में हुआ। शुभारंभ के पश्चात अतिथियों ने स्टोर का अवलोकन किया एवं विभिन्न मिलेट उत्पादों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर आंजनेय कुमार सिंह मंडलायुक्त मुरादाबाद मंडल ,डॉ राजेंद्र पैंसिया जिलाधिकारी,कृष्ण कुमार विश्नोई पुलिस अधीक्षक गोरखनाथ भट्ट मुख्य विकास अधिकारी, चौधरी हरेन्द्र सिंह जिलाध्यक्ष-भाजपा, परमेश्वर लाल सैनी पूर्व एमएलसी, मंजू दिलेर चौहान भाजपा नेत्री,अरुण कुमार त्रिपाठी उप कृषि निदेशक, अंकित जैन, विकास वार्ष्णेय, राजेश शंकर राजू पालिकाध्यक्ष, नकुल प्रताप सिंह चितौरा, लव कुमार आर्य, चैतन्य कुमार सिंह जिले के प्रमुख प्रशासनिक अधिकारीगण सहित क्षेत्र के गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कल्कि महोत्सव में सम्मानित हुए एकांश गुप्ता

बहजोई। बहजोई एथलेटिक्स क्लब एवं एस.बी.एम. जूडो एकेडमी बहजोई के मैनेजमेंट कोऑर्डिनेटर श्री एकांश गुप्ता जी को आज कलेक्ट्रेट सभागार, संभल में आयोजित कल्कि महोत्सव ऽ 2025-26 के अवसर पर जिलाधिकारी संभल डॉ. राजेन्द्र सिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें विकसित उत्तर प्रदेश अ2047 के विजन के तहत स्वास्थ्य जागरूकता, खेल प्रोत्साहन और समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मंच पर एस.बी.एम. जूडो एकेडमी के सभी विद्यार्थी तथा बहजोई एथलेटिक्स क्लब से जय प्रकाश गुप्ता , संभव जैन और अनुराग वर्श्नेय भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत जनपद संभल में कुल 7687 के सीसी कृषक बीमित

संभल। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के जनपद संभल में अंतर्गत कुल 7687 के सीसी कृषक बीमित है 49 ग़ैर ऋणी कृषक बीमित हैं। जैसा कि आप अवगत है जनपद में गत दिनों से बारिश हो रही है इसमें धान , उर्द एवम बाजरा के नुक़सान होने की संभावना है । जिन कृषकों के द्वारा बीमा करायी गई है और उनका फसल का नुकसान हुआ है तो वो अपना कंप्लेन टोल फ्री नंबर 14447 पर करना सुनिश्चित करे उकत नंबर काम ना करे तो कृषक अपना प्रार्थना पत्र 8052970563 पर भेजना सुनिश्चित करे द्य उक्त शिकायत स्थान के अतिरिक्त कृषक बन्धु कृषि पोर्टल और हेल्पलाइन पर जाकर भी अपना कंप्लेन स्वयं पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं । कृषक बंधुओं से यह विशेष अपील है की फ़सल नुक़सान होने के 72 घंटे के अंदर - अंदर अपना प्रार्थना पत्र बीमा कंपनी /कृषि विभाग/ बैंक साखा को प्रेषित कर दें अन्यथा कि इस स्थिति में बीमा दिया जाना संभव नहीं हो पाता है ।जीन कृषकों का फ़सल नुक़सान कटाई उपरांत हुआ है और बेमौसमी बारिश के कारण क्षति हुई है साथ ही अगर वो कृषक बीमित हैं तो वह अपना कंप्लेन कर सकते हैं।

समाज कल्याण अधिकारी के बिगड़े बोल, विधायक पर अभद्र टिप्पणी पर दिखाया गया बाहर का रास्ता

मुरादाबाद। जनपद में बीजेपी विधायक रितेश गुप्ता से विवाद के बाद जिला समाज कल्याण अधिकारी हर्ष मंवार को पद से हटाया गया. वृद्धा आश्रम कार्यक्रम में की गई टिप्पणी ने पूरे जिले में बवाल मचा दिया.विधायक की नाराजगी और कार्रवाई की मांग विधायक रितेश गुप्ता ने अपने पत्र में लिखा कि उन्हें 1 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वृद्धा आश्रम में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया गया था. कार्यक्रम के बाद उन्हें जानकारी मिली कि जिला समाज कल्याण अधिकारी ने कर्मचारियों से कहा था, तुम लोगों को मुख्य अतिथि बनाने के लिए विधायक ही मिले थे. शिकायत के बाद शासन ने तुरंत संज्ञान लेते हुए हर्ष मंवार को पद से हटाकर लखनऊ मुख्यालय से संबद्ध कर दिया. यह कार्रवाई समाज कल्याण मंत्री को विधायक द्वारा भेजे गए पत्र के बाद की गई।

शरद पूर्णिमा पर हजारों श्रद्धालुओं ने किया गंगा स्नान

अनूपशहर। क्वार माह की शरद पूर्णिमा पर हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। श्रद्धालुओं ने भगवान सत्यनारायण की कथा भी सुनी।मंगलवार को शरद पूर्णिमा पर दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने बरसात के चलते गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। पूर्णिमा की पूर्व संध्या से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया। मंगलवार को श्रद्धालुओं ने मस्तराम, जाह्नवी द्वार, परशुराम घाट, दिनेश घाट पर गंगा में गोते लगाए। श्रद्धालुओं ने गंगा तट पर ही बच्चों का मुंडन, यज्ञोपवीत, हवन आदि संस्कार कराकर भगवान सत्य नारायण की कथा का श्रवण किया। सुबह के समय बरसात हो जाने के कारण श्रद्धालुओं की संख्या अपेक्षाकृत कम रही नगर के शिव चौक से जाह्नवी प्लेटफार्म तक सड़क पर प्रसाद बच्चों के खिलौने आदि बेचने की दुकान लगी हुई थी। दोपहर तक श्रद्धालुओं का आवागमन लगा रहा।

अवैध निजी अस्पताल स्वास्थ्य विभाग ने किया सील, संचालक फरार

बदायूं। स्वास्थ्य विभाग ने शहर में दूसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए एआरटीओ ऑफिस के पास सोमवार को एक और अस्पताल सील कर दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के आदेशों के अनुपालन में बिल्सी रोड स्थित बदायूं हॉस्पिटल एवं मेटरनिटी सेंटर पर छापा मारा जहां अस्पताल अवैध रूप से संचालित पाया गया जिसमें दो प्रसव की महिलाएं भर्ती पाई गई। संचालक संजय प्रजापति ओटी टेक्नीशियन चोरी चुपके अवैध रूप से अस्पताल संचालित कर रहा था। संजय प्रजापति अस्पताल में मौजूद नहीं था। अस्पताल में ओटी संचालित पाई गई जिसको स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर ही सील कर दिया बताया जा रहा है कि अस्पताल अवैध रूप संचालित किया जा रहा था। शिकायत पर सीएमओ ने संज्ञान लेते हुए अस्पताल पर कार्रवाई कर सील कर दिया। टीम में नोडल उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पवन कुमार जायसी बाबू पारस सिंह शामिल थे। अस्पताल में न तो पंजीकरण डॉक्टर मिला और न ही पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद था। मरीजों की भी कोई व्यवस्था नहीं पाई गई। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद कागजात की जांच की तो वे संदिग्ध और अप्रमाणिक पाए गए। इसके बाद टीम ने तत्काल प्रभाव से अस्पताल को सील कर दिया। भर्ती दो प्रसूताओं को सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया।

सेवानिवृत्त विनोद कुमार को प्रतीक चिन्ह और शॉल भेंट कर किया विदाई समारोह

बदायूं। नलकूप खंड प्रथम, उपखंड प्रथम से सेवानिवृत्त हुए सिंचाई संघ के खंडीय उपाध्यक्ष विनोद कुमार का विदाई एवं सम्मान समारोह गरिमामयी ढंग से संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता सेवानिवृत्त कर्मचारी नेता मोहन स्वरूप गुप्ता ने की।सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के वरिष्ठ पदाधिकारियों रविन्द्र मोहन सक्सेना, उपेन्द्र उपाध्याय, बृजेश कुमार चौहान, एवं प्रमोद कुमार शर्मा (मीडिया प्रभारी) सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।गुप्ता ने कहा कि कर्मचारियों की सेवा निवृत्ति नियत तिथि पर होनी चाहिए और शासनादेश के अनुसार देयों का समय से भुगतान होना चाहिए। विनोद कुमार को प्रतीक चिन्ह और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। उपाध्यक्ष रविन्द्र मोहन सक्सेना ने विभागीय अधिकारियों पर कर्मचारियों के शोषण और कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक सेवा देने वाले कर्मचारियों के साथ विभाग को संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए।जिलामंत्री उपेन्द्र उपाध्याय ने आरोप लगाया कि विनोद कुमार को अभी तक सेवानिवृत्त देयक की कोई राशि प्राप्त नहीं हुई है, जो शासनादेश का उल्लंघन है। उन्होंने धर्मग्रंथों के संदर्भों के माध्यम से सेवा और सम्मान का महत्व बताया। इं. प्रमोद कुमार शर्मा ने आरोप लगाया कि विभागीय अधिकारियों में नैतिकता का अभाव है और कर्मचारी शोषण की घटनाएं आम हो गई हैं। उन्होंने अधिकारियों द्वारा राजस्व दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए। सिंचाई संघ के अध्यक्ष सतेन्द्र शाक्य ने कहा कि अधिशासी अभियंता द्वारा नामित एई प्रथम को कार्यक्रम में उपस्थित न होने का मौखिक आदेश देकर एक सुनियोजित विरोध किया गया। उन्होंने भविष्य में विरोध का सामना करने की चेतावनी दी।अंत में, विनोद कुमार को उनके परिवार व सहयोगियों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। प्रमुख उपस्थितजन अजय पाल, धर्मवीर, सौरभ शर्मा, मनोज कुमार, अरविंद राठौर, करन सिंह, रामकिशोर, मनीष कुमार, छोटे लाल सगर, राहुल गौतम, रामौतार आदि।

नाले में नहाने गया मासूम डूबा, मौत

मीरजापुर । जमालपुर थाना क्षेत्र के घरवाह गांव में मंगलवार को उस समय कोहराम मच गया जब 11 वर्षीय बालक प्रेमचंद यादव की नाले में डूबने से मौत हो गई। बालक अपने दो दोस्तों के साथ गांव के सिवान स्थित सामुदायिक शौचालय के पीछे बने नाले में स्नान कर रहा था, तभी हादसा हो गया।जानकारी के अनुसार, स्नान के दौरान प्रेमचंद करीब छह फीट गहरे पानी में फिसलकर डूबने लगा। उसके साथियों ने शोर मचाया तो पास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उसे बाहर निकाला। बालक को तुरंत गंभीर अवस्था में सीएचसी जमालपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताई और बीएचयू वाराणसी रेफर कर दिया। लेकिन रास्ते में ही मासूम ने दम तोड़ दिया।मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। प्रेमचंद अपने पिता गुड्डू उर्फ विजय यादव और मां सरिता यादव का इकलौता बेटा था, उससे बड़ी पांच बहनें हैं। दादा छन्नूलाल यादव और दादी हीरावती देवी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। ग्रामीणों के अनुसार, परिवार दूध बेचकर जीवन यापन करता है।थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि प्रारम्भिक जांच में स्पष्ट हुआ है कि बालक की मौत नाले के गहरे पानी में डूबने से हुई है। शव का पंचनामा कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सपा ने मनाई वाल्मीकी जी की जयंती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली असारी संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महषि बलमीकि जी के चित्र पर माल अर्पण किया

संभल। आज जिला सभल समाजवादी पार्टी की बैठक पावर हाउस नई कॉलोनी चंदौसी मैं संपन्न हुई। बैठक में महषि वाल्मीकी जी की जयंती मनाई गई बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली असारी सचलन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शखधार सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महषि बलमीकि जी के चित्र पर माल अर्पण किया बैठक मे जिला अध्यक्ष असगर अली असारी ने कहा महर्षि वाल्मीकि जी ने समाज को समानता, न्याय और मानवता का मार्ग दिखाया।उनके विचार समाजवादी सोच की जड़ों में बसते हैं – जहाँ हर व्यक्ति को सम्मान और समान अवसर मिले।उनकी प्रेरणा से हम सामाजिक न्याय और बराबरी वाले समाज के निर्माण का संकल्प दोहराते हैं।जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शखधार ने कहा महषि बालमिक जी रामायण के रचियता थे एवं समाज को मार्गदर्शन देने का कम किया बैठक को संबोधित विमलेश कुमारी राजेश कुमारी सगीता पाल ताहिर उल्ला उमेश यादव सुभाष वालमिक ओमप्रकाश प्रजापति शोभित कुमार काका हरवीर यादव शारदा यादव सुनीता देवी सुशीला देवी पूरन लाल मौय राजेश चौहान कामरेड रेवाराम बाहिद साहब हरिओम उपाध्याय मलखन सिंह मा आकिल साहब दाता राम भारती जुनेद रत्नेश भारती सलीम राइन राजीव रस्तोगी सभासद अन्ना रिकु सिंह चौहन जयवीर सिह अमरीश यादव रजत यादव सुभाष पाल मनोज शमाअसीम अगवाल विपिन सकसेना हो राम सिंह जाटव नेता जी लाइक सिह वीरन यादव शकर लाल अशोक कुमार मुकेश कुमार वालमिक दिलीप कुमार वालमिक विजय वालमिक अलोक वालमिक रातिराम जी कमल वालमिक सजय सिंह बृजेश वालमिक राजीव वालमिक विपिन कुमार सचिन वालमिक जीतू वालमिक आसिफ इकवाल चौधरी मनवीर सिंह आसिफ सिदद्की साबिर खान वी पी सिंह असीम भाई पकज वालमिक साजिद कुरेशी वीरपाल यादव इनदजीत यादव सुमित के.पी यादव आदि उपस्थित रहे

दहेज के लिए पत्नी की निर्मम पिटाई, परिवार ने किया जानलेवा हमला

उरई । उरई थाना कोतवाली क्षेत्र के नया पटेल नगर निवासी एक युवती रिहाना ने अपने पति और ससुराल वालों पर दहेज के लिए उसके साथ मारपीट और जानलेवा हमला करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार, शादी के बाद से ही उसे लगातार अतिरिक्त दहेज और नकद राशि की मांग के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। अब जब उसके पिता ने और दहेज देने से इनकार किया तो ससुराल वालों ने उसकी सामूहिक पिटाई करके गंभीर चोटें पहुँचाई हैं। पीड़िता ने इसको लेकर कोतवाली में तहरीर दी है।

मिशन शक्ति फ़ेस 5.0 के अंतर्गत थाना सिविल लाइन पर एक दिन की थाना प्रभारी बनी शिखा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ डॉ0 बृजेश कुमार सिंह के निर्देशन एवं मिशन शक्ति फ़ेस 5.0 के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने हेतु आज दिनांक 07 अक्टूबर 2025 को थाना सिविल लाइन, जनपद बदायूँ पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत शिखा पटेल पुत्री स्व0 जगवीर पटेल निवासी नगला शर्की बदायूँ, जो कि बीआरबी इण्टर कॉलेज बदायूँ कक्षा 12वी की छात्रा हैं, को एक दिवसीय थाना प्रभारी सिविल लाइन के रूप में नियुक्त किया गया। कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियाँ छात्रा शिखा पटेल द्वारा महिला थाना के दैनिक कार्यों का संपादन कराया गया। महिला संबंधित शिकायतों की सुनवाई की गई तथा शिकायत निवारण की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। मिशन शक्ति फ़ेस 5.0 की उद्देश्यमूलक गतिविधियों एवं महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षा हेतु चलाए जा रहे कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। थाना क्षेत्र का भ्रमण कर कानून-व्यवस्था की समीक्षा कराई गई तथा महिला सुरक्षा उपायों के प्रति आमजन को जागरूक किया गया। छात्रा को पुलिस कार्यप्रणाली, थाने में पंजीकृत प्रकरणों की सुनवाई व निस्तारण की प्रक्रिया तथा जनसहभागिता की भूमिका से अवगत कराया गया। ल्लमिशन शक्ति फ़ेस 5.0 का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। इस प्रकार के नवाचारपूर्ण कार्यक्रमों से छात्राओं को पुलिस कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होता है और उनमें आत्मविश्वास का संचार होता है। समाज में महिलाओं की भागीदारी और सुरक्षा सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है तथा बदायूँ पुलिस इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

महाकवि सेनापति की स्मृति में विराट कवि सम्मेलन आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अनूपशहर। महाकवि सेनापति की स्मृति में हिन्दी साहित्य परिषद द्वारा आयोजित विराट कवि सम्मेलन में देश के नामचीन कवियों ने विभिन्न मुददों पर तंज कसते हुए दर्शकों को लोटपोट कर दिया।सोमवार की देर शाम गणेश फार्म हाउस में महाकवि सेनापति की स्मृति में विराट कवि सम्मेलन का शुभारम्भ मां सरस्वती जी की मूर्ति के समक्ष चेयरमैन बृजेश गोयल, तहसीलदार संजय सिंह, कौशल अग्रवाल तथा कमेटी के पदाधिकारियों ने फीता काटकर तथा दीप जलाकर किया। मां सरस्वती की वंदना आगरा से पधारी कवियित्री डा. रुचि चतुर्वेदी ने प्रस्तुत कर काव्य पाठ करते हुए कहा कि-पायल ने आसावरि गाई, बिछुए ने मल्हार सुनाई,चूड़ी यामिनि के स्वर बांधे, झुमके ज्यों बाजे शहनाई।दिल्ली से आए वीर रस कवि मनवीर मधुर ने महाकवि सेनापति पर कहा-सौ गलती तक क्षमा करेंगे, ये मन में प्रण धारा है,उसके बाद सदा हमने, गर्दन से शीश उतारा है।औरैया से आए वीर रस के कवि अजय अंजाम ने कहा-टप टप टपाक, टप टप टपाक पदचाप सुनाई देती थी।चेतन दिखता थोड़ी न थाबस टाप सुनाई देती थी।।सिकंदराराऊ से आए श्रृंगार रस, गीतकार सुप्रसिद्ध कवि डा. विष्णु सक्सेना ने कविताओं से सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया।हरा-भरा ये बगीचा ना बियावान बना, जिंदगी हो रही जटिल इसे आसान बना।दिया जल रहा लड़ रहा, है लड़ रहा अंधेरों से,प्यार की नरम हवाओं को ना तूफान बना।मध्य प्रदेश से आए कवि पंकज प्रसून मांडव ने कहा-पाप की नाभि में लगे रामबाण के लिए। हम लड़ेंगे युद्ध अपने स्वाभिमान के लिए।।कवि सम्मेलन में अलीगढ़ के हास्य कवि मणि मधुर, बाराबंकी के प्रमोद पंकज ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेंद्र गौड़ तथा संचालन मनवीर मधुर ने किया। इस मौके पर डा. आलोक गोविल, अभय गर्ग समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान: बीएल वर्मा बोले, दीपावली पर दिखेगा स्वदेशी का रंग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को लेकर भाजपा कार्यालय बदायूं पर केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने पत्रकारों से वार्ता की। उन्होंने कहा देश भर में चलाए जा रहे आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत अटल जयंती तक कार्यक्रमों की श्रृंखला चलाई जाएगी। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में दीपावली पर स्वदेशी उत्पाद खरीदने और दुकानदारों को स्वदेशी उत्पाद बेचने के लिए प्रोत्साहित करेगी। केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के सपने को पूरा करने की दिशा में यह अभियान एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अभियान का उद्देश्य हर भारतीय को सक्षम और स्वावलंबी बनाना है। अभियान के दौरान स्वदेशी उत्पाद खरीदने और दुकानदारों को स्वदेशी उत्पाद बेचने के लिए विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा।केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलाया जा रहा आत्मनिर्भर भारत अभियान सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह एक जनांदोलन है। इसका उद्देश्य हर भारतीय को सक्षम बनाना है, ताकि वह स्वावलंबी बने और देश के विकास में भागीदारी निभाए उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता का पहला कदम है, स्थानीय को प्राथमिकता देना। दीपावली के समय आम व्यक्ति स्वदेशी उत्पाद खरीदे और दुकानदार स्वदेशी ही उत्पाद बेचें, इसके लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को नवाचार, स्टार्टअप्स और डिजिटल मंच के जरिए आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके साथ ही 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाने और स्थानीय उत्पादों व सेवाओं का अधिक से अधिक उपयोग करने का आह्वान करता हूँ।लोकल फॉर वोकल को देश भर में तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत में आज चिप से लेकर शिप तक बन रहे हैं। लखपति दीदी योजना के माध्यम से एक करोड़ से अधिक बहनें लखपति दीदी बन चुकी है। स्वयं सहायता समूह लोकल फॉर वोकल अभियान में मील का पत्थर साबित होगी। आत्मनिर्भर भारत अभियान का सार आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान केवल एक नीति नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय भावना है। यह अभियान देशवासियों को संदेश देता है कि ''एक विदेशी उत्पाद छोड़िए, एक स्वदेशी विकल्प अपनाइए- यही सच्चा राष्ट्र प्रेम है''। हर घर स्वदेशी- हर मन आत्मनिर्भर।वोकल फॉर लोकल- लोकल से ग्लोबल। अटल बिहारी वाजपेयी जयंती तक चलेगा विशेष अभियान भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि आत्मनिर्भर अभियान के तहत पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसंबर तक प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. इसके तहत व्यापारी सम्मेलन, उद्योग सम्मेलन, कॉलेज स्तरीय स्वदेशी संकल्प सेमिनार, स्वदेशी मेला, नुक्कड़ नाटक, महिला एवं युवा सम्मेलन, हस्ताक्षर अभियान, आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ और पदयात्रा, कॉलेज में स्वदेशी चित्रकला, कविता, भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने पत्रकारों का धन्यवाद व आभार जताया।

कल्कि महोत्सव में आत्म निर्भर भारत आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सम्भल, बहजोई। बडा़ मैदान बहजोई में 6 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले सम्भल कल्कि महोत्सव/ विकासोत्सव 2025 में आज द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश आत्म निर्भर भारत आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश शताब्दी संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ अनामिका यादव जी एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार राजू यादव एवं नगर पालिका अध्यक्ष बहजोई लता वार्ष्णेय जी रहीं। कार्यक्रम के अन्तर्गत सर्व प्रथम मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया तथा मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सम्मान की नयी परम्परा पंचोपचार (एक पुष्प,एक पुस्तक,एक परिधान एक नारियल एवं एक पीतल का पात्र लोटा) द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि एवं जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना की गयी। कार्यक्रम के अन्तर्गत जिलाधिकारी ने मिशन शक्ति 5.0 अभियान के विषय में बताया उन्होंने कहा कि इस अभियान का शुभारंभ नवरात्रि के प्रथम दिवस मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा की गयी तथा थीम नारी सुरक्षा, सम्मान, एवं स्वावलंबन है तथा उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत जनपद में शक्ति पुंज एवं शक्ति सम्मान पुंज बनाए गये हैं। उन्होंने कहा कि परिवार में बच्चों को सही शिक्षा एवं संस्कार देने चाहिए तथा भाई एवं बहन का पालन पोषण भी एक समान होना चाहिए।बच्चों को आउटडोर गेम खेलने के लिए भी प्रोत्साहन करना चाहिए।जिलाधिकारी ने विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश शताब्दी संकल्प अ2047 (समृद्धि का शताब्दी पर्व) के विषय में भी बताया उन्होंने कहा कि इसके अंतर्गत 12 क्षेत्रों जिनमें कृषि एवं संबद्ध सेक्टर, पशुधन संरक्षण, औद्योगिक विकास, आईटी, पर्यटन, नगर एवं ग्राम्य विकास अवस्थापना, संतुलित विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य शिक्षा, सुरक्षा एवं सुशासन में कोई भी नागरिक 31 अक्टूबर तक सुझाव दे सकता है। क्यूआर को कोड़ स्कैन कर एक सिम से तीन सुझाव दिये जा सकते हैं।जिलाधिकारी द्वारा सम्भल संवाद एप एवं आत्म निर्भर भारत आत्म निर्भर उत्तर प्रदेश एवं आत्म निर्भर सम्भल पर भी चर्चा की तथा उन्होंने कहा कि लोकल फार वोकल कार्यक्रम के अन्तर्गत स्थानीय उत्पादों को विदेश के बाजारों में उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आकांक्षा उत्पाद के अन्तर्गत स्थानीय क्षेत्र के स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता के आधार पर प्रोत्साहित किया जाए। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई , एक पुष्प एक पुस्तक अभियान तथा घर घर पुस्तक घर घर वाचन, ग्राम चौपाल तथा प्लास्टिक फ्री सम्भल को लेकर भी चर्चा की।

सहायक निदेशक सूचना आशुतोष चंदोला का आईरा ने किया सम्मान

बदायूं। जिला सूचना अधिकारी आशुतोष चंदोला के सहायक निदेशक सूचना पद पर पदोन्नति होने के उपलक्ष्य में ऑल इंडिया रिपोर्ट्स एसोसिएशन (आईरा), बदायूं द्वारा सोमवार को एक शुभकामना एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।आईरा के प्रदेश महासचिव अबरार अहमद के नेतृत्व में सूचना कार्यालय बदायूं पहुँचे प्रतिनिधि मंडल ने आशुतोष चंदोला को अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का माहौल सौहार्द और सम्मान से परिपूर्ण रहा।अपने संबोधन में सहायक निदेशक सूचना आशुतोष चंदोला ने कहा कि यह पदोन्नति मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ एक नई जिम्मेदारी भी है। मैं जनहित, पारदर्शिता और सशक्त सूचना व्यवस्था के लिए सदैव समर्पित रहूंगा। लोकतांत्रिक देश में पत्रकारिता की अहम भूमिका है। कलम की ताकत को कभी नकारा नहीं जा सकता, पत्रकारिता समाज को आइना दिखाने का कार्य करती है, इसलिए पत्रकारों को निडरता, निष्पक्षता और सच्चाई के साथ समाज के प्रति अपना दायित्व निभाना चाहिए।

पूर्व मंत्री आबिद रजा औऱ चेयरमैन फात्मा रजा ने बाल्मीकि जयंती शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाल्मीकि समाज ने पूर्व मंत्री और पालिका चेयरमैन का पगड़ी औऱ फूलमाला पहना कर स्वागत किया

बदायूँ। पूर्व मंत्री आबिद रजा औऱ पालिका चेयरमैन फात्मा रजा ने आज शहर में आकर्षक झांकियों के साथ निकाली गई बाल्मीकि जयंती शोभायात्रा को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। साथ ही पूर्व मंत्री आबिद रजा के आग्रह पर पालिका चेयरमैन फात्मा रजा ने कर्मचारियों को बोनस की घोषणा की। इससे कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

पूर्व मंत्री आबिद रजा औऱ नगर पालिका चेयरमैन फात्मा रजा ने आरिफपुर नवादा स्थित बाल्मीकि मन्दिर से हरी झंडी दिखा कर बाल्मीकि शोभायात्रा को रवाना किया। बाल्मीकि समाज ने पूर्व मंत्री और पालिका चेयरमैन का पगड़ी औऱ फूलमाला पहना कर स्वागत किया। सभासदों का भी स्वागत किया गया। पूर्व मंत्री आबिद रजा ने महर्षि बाल्मीकि के जीवन के बारे में विस्तार से बताते हुए सभी को मुबारकबाद दी औऱ कहा बाल्मीकि समाज के लोग बहादुर औऱ बफादार होते है। बाल्मीकि समाज और अन्य सभी लोगो को भी महर्षि बाल्मीकि के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उनके बताए रास्ते पर चलना चाहिए। इस मौके पर पूर्व मंत्री आबिद रजा ने चेयरमैन फात्मा रजा से दीपावली के मौके पर सफाई कर्मचारियों को बोनस देने का आग्रह किया। जिसे चेयरमैन फात्मा रजा ने स्वीकार कर लिया। चेयरमैन फात्मा रजा ने कहा मेरा हमेशा बाल्मीकि समाज ने साथ दिया है। मेरे चेयरमैन रहते बाल्मीकि समाज ने कोई परेशानी नही होने दी। नगर पालिका चेयरमैन फात्मा रज़ा द्वारा शोभायात्रा के मार्गो पर रेड कार्पेट डलवाई गई जो शहर में चर्चा का विषय रहा। साथ ही नेहरू चौक पर नगर पालिका परिषद द्वारा कैम्प का आयोजन भी किया गया। जिसमें पुष्प वर्षा कर शोभा यात्रा का ज़ोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष राजकुमार रोहिल, महामंत्री अरुण, संरक्षक अनिल विराट, कुक्कू लाल, शशिकांत, रमेश डी लाल, सुभाष, पूर्व सभसाद नवीन विद्यार्थी, कालीचरन, रमेश बाबू, रविकांत, देव रिधम, महेश, बिपाशा सिंह, शिवम्, सचिन, मोनू, प्रशांत, गौरव, शशांक, अनिकेत, रोहित मेकलीन, अवनीश, सुजीत बाल्मीकि, नगर पालिका के सभासद अनवर खां, अबरार, नवेद और गडमान्य लोग मौजूद रहे।

गोंडा पुलिस की अनूठी पहल: रन फॉर एम्पावरमेंट' के जरिए दिया स्वावलंबन का संदेश

पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने हरी झंडी दिखाकर खिलाड़ियों को रवाना किया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले में मिशन शक्ति के पांचवें चरण के तहत 'रन फॉर एंपावरमेंट' का आयोजन किया गया था यह दौड़ रिजर्व पुलिस लाइन से अंबेडकर चौराहा तक हुई,जिसमें महिला अधिकारि यों और पुलिसकर्मियों ने भाग लिया है।

पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौड़ का मुख्य उद्देश्य समाज में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जन जागरूकता फैलाना था।यह दौड़ गोंडा पुलिस लाइन से शुरू होकर कचहरी, अंबेडकर चौराहा और एनसीसी कार्यालय होते हुए यातायात कार्यालय पर समाप्त हुई।क्षेत्राधिकारी लाइन शिल्पा वर्मा और महिला थाना अध्यक्ष अनीता यादव ने इस प्रतियोगिता का नेतृत्व किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 22 सितंबर को शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण का शुभारंभ किया था।इसके तहत गोंडा पुलिस महिलाओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है।एंटी रोमियो टीमें सार्वजनिक स्थलों, विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों और बाजारों में लगातार निगरानी रख रही हैं। चिन्हित असामाजिक तत्वों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही भी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है।उन्होंने जनभागीदारी पर बल देते हुए कहा कि समाज के सभी वर्गों को महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण में सहयोग देना चाहिए। गोंडा पुलिस आने वाले दिनों में भी मिशन शक्ति अभियान के तहत जनसंवाद, साइबर सुरक्षा जागरूकता शिविर, वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा अन्य कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। इसका लक्ष्य मिशन शक्ति अभियान 5.0 के उद्देश्यों को पूरी तरह साकार करना है। यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

महराजगंज कोतवाली की एंटी रोमियो पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं से किया संवाद

महराजगंज, रायबरेली। उत्तर प्रदेश सरकार के 'मिशन शक्ति फ़ेज-5' अभियान के क्रम में महराजगंज कोतवाली की एंटी रोमियो पुलिस टीम ने मंगलवार को क्षेत्र के पाली गांव में पहुंचकर महिलाओं और बालिकाओं से संवाद स्थापित किया। इस दौरान टीम ने महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें सक्षम और सशक्त बनाने पर जोर दिया, साथ ही उनके साथ होने वाली हिंसाओं और उत्पीड़न के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया।एंटी रोमियो टीम ने महिलाओं को बताया कि वे किसी भी प्रकार की परेशानी या हिंसा की स्थिति में तत्काल पुलिस की मदद ले सकती हैं। टीम ने महिलाओं को कानूनी प्रावधानों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी, जो उनके हितों की रक्षा के लिए बनाई गई हैं। हल्का दरोग़ा दिनेश गोस्वामी ने बताया जागरूकता कार्यक्रम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें समाज में सुरक्षित महसूस कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। इस संवाद कार्यक्रम में एंटी रोमियो पुलिस टीम से हेड कांस्टेबल गीता सिंह, दीपा वर्मा समेत कई ग्रामीण भी मौजूद रहे।

वाल्मीकि जयंती पर निकाली भव्य शोभा यात्रा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। नगर में मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर वाल्मीकि समाज द्वारा भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जो वाल्मीकि मंदिर से प्रारंभ होकर कायस्थ टोला और नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पुनः मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई। शोभा यात्रा में आकर्षक झांकियाँ प्रस्तुत की गईं, जिनमें महर्षि वाल्मीकि, भगवान राम, लक्ष्मण, सीता और लव-कुश के रूप में सजे बच्चों ने सबका मन मोह लिया। बच्चों के पारंपरिक परिधान और धार्मिक झांकियों ने यात्रा की शोभा को और बढ़ा दिया। पुष्प सजावट, भगवा ध्वज और भक्ति गीतों से पूरे नगर का वातावरण भक्तिमय हो गया। इस भव्य आयोजन की अगुवाई वाल्मीकि समाज के अध्यक्ष सुनील वाल्मीकि ने की। इस दौरान विशाल वाल्मीकि, पंकज कुमार, अभिषेक वाल्मीकि, सुरेश, रवि, रंजीत वाल्मीकि, राजू वाल्मीकि और आकाश सहित अन्य लोगों का विशेष योगदान रहा ।

सिपाही मोबाइल चलाने में व्यस्त, उधर मेले में दो युवकों की जमकर होती रही पिटाई

पुलिस के मुताबिक पूरे मामले की जांच की जा रही है, सख्त कार्रवाई की जायेगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले में महर्षि च्यवनमुनि आश्रम पर लगे मेले में मंगलवार देर शाम 6 बजे दो युवकों के बीच मारपीट हो गई।यह घटना एक युवक द्वारा कथित तौर पर हुई। अश्लील हरकत करने से रोकने पर हुई। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

यह घटना आज शाम करीब 6 बजे उस समय हुई जब मेला समापन की ओर था। कोतवाली देहात क्षेत्र के सुभागपुर बाजार स्थित महर्षि च्यवनमुनि के आश्रम पर मेले में एक युवक कथित तौर पर नशे की हालत में अश्लील हरकतें कर रहा था। दूसरे युवक ने उसे ऐसा करने से रोका, जिसके बाद दोनों के बीच कहासुनी हुई और फिर मार पीट शुरू हो गई। मारपीट की इस घटना ने मेले में मौजूद हजारों लोगों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मोबाइल चलाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हों कि सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी एक किनारे बैठकर अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थे। इस घटना से मेला देखने आए श्रद्धालुओं में दहशत फैल गई वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए देहात कोत वाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। देहात कोतवाल संजय कुमार सिंह ने बताया कि पूरे प्रकरण की गहनता से जांच की जा रही है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर संकट मोचन धाम में भव्य अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन

रायबरेली। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर नगर क्षेत्र स्थित संकट मोचन धाम मंदिर में भव्य अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मंडली द्वारा मधुर स्वर में अखण्ड रामायण पाठ का वादन किया गया। जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्ति रस में सराबोर हो गया। मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भगवान श्रीराम, माता सीता एवं महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमाओं का पूजन-अर्चन कर धर्म लाभ प्राप्त किया। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से रामायण पाठ में सहभागिता की। कार्यक्रम में नगर मजिस्ट्रेट रामावतार वर्मा, ईओ नगर पालिका स्वर्ण सिंह, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं नगरवासी उपस्थित रहे। सभी ने महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को आत्मसात करने और समाज में सद्भाव एवं ज्ञान के प्रसार का संकल्प लिया।

नगर पालिका नानपारा ने किया डस्टबिन वितरित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। नगर पालिका परिषद नानपारा द्वारा मंगलवार को एक विशेष अभियान के तहत नगरवासियों में डस्टबिन वितरित किए गए। अभियान का उद्देश्य नगर को स्वच्छ बनाए रखना और लोगों में सफाई के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस दौरान नगर पालिका परिषद के चेयरमैन अब्दुल वहीद ने स्वयं कई लोगों को अपने हाथों से डस्टबिन वितरित किए। उनके साथ पालिका ईओ रंग बहादुर सिंह, जेई नगर पालिका, गंगा प्रताप सिंह, विद्या प्रसाद, सईद अहमद, विशाल, आलोक, सैफी खान, राज खान व अन्य सफाई कर्मचारी भी मौजूद रहे। डस्टबिन वितरण नगर के प्रमुख इलाकों जैसे चौक बाजार, स्टेशन रोड, राजा बाजार आदि स्थानों पर किया गया। इसके अलावा योजना के तहत समस्त वार्डों में घर-घर जाकर डस्टबिन वितरित किए जाएंगे। जहां-जहां डस्टबिन वितरण हुआ, उस वार्ड के वार्ड सभासद भी उपस्थित रहे और लोगों को सफाई का महत्व समझाने में मदद की। इस दौरान चेयरमैन नगर पालिका अब्दुल वहीद ने कहा कि हमारा लक्ष्य नानपारा को साफ-सुथरा और स्वच्छ बनाए रखना है। प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह अपने आसपास सफाई बनाए रखे और कचरा डस्टबिन में ही डाले। यह हमारी साझा जिम्मेदारी है कि हम नगर को सुंदर और स्वच्छ बनाएं। नगर पालिका ईओ ने बताया कि यह स्वच्छता अभियान लगातार जारी रहेगा और सभी वार्डों में घर-घर जाकर डस्टबिन वितरित किए जाएंगे। इसके साथ ही लोग नगर पालिका द्वारा शुरू किए जा रहे स्वच्छता अभियानों में सहयोग करें, ताकि नानपारा एक आदर्श स्वच्छ नगर बन सके।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वाला आरोपी गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट अपमान जनक पोस्ट डालने वाला आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बताते है किकर्नलगंज क्षेत्रान्तर्गत रहने वाली एक लड़की के द्वारा कोतवाली कर्नलगंज में लिखित तहरीर दी कि अलखराम वर्मा पुत्र दीक्षाराम वर्मा निवा सी हडहवा,थाना मोतीगंज द्वारा पिछले लगभग 1.5 से 2 वर्षों से सोशल मीडिया (इंस्टाग्राम, फ़ेसबुक आदि) पर उसकी एवं उसके भाई राहुल तिवारी की फोटो अपलोड कर अभद्र भाषा का प्रयोग, जान से मारने की धमकी, तथा झूठी व अपमानजनक बातें फैलाकर बदनाम किया जा रहा है।उक्त कृत्य से प्रार्थिनी की निजता का हनन व मानहानि हुई है तथा परिवार मानसिक रूप से परेशान है। वादिनी की लिखित तहरीर के आधार पर कोतवाली कर्नलगंज में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजी कृत किया गया था। सात अक्टूबर को कोतवा ली कर्नलगंज पुलिस द्वारा प्राप्त साक्ष्य संकलन के आधार पर आरोपी अभियुक्त-अलखराम व र्मा पुत्र दीक्षाराम वर्मा निवासी हडहवा थाना मोतीगंज को रेलवे स्टेशन गोण्डा से गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध कोतवाली कर्नलगंज पुलिस के द्वारा अग्रिम वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय रवाना किया गया है।

अज्ञात वाहन के चपेट में आने से गई महिला की जान,पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पुष्टि

पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रामप्यारी का अंतिम संस्कार करवा दिया है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले के करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र अंत र्गत गोसाई नाचनी बजरंग नगर मोहल्ले की 65 वर्षीय रामप्यारी की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनकी मौत दुर्घटना से होने की पुष्टि हुई है।इससे पहले परिजनों ने लूट के बाद हत्या करने का आरोप लगाया था, जिसके बाद अज्ञात लोगों के खिला फ मुकदमा भी दर्ज किया गया था।

पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रामप्यारी का अंतिम संस्कार करवा दिया है। रामप्यारी का शव कर नैलगंज-परसपुर मार्ग पर बजरंग नगर गांव के सामने कल सुबह करीब सात बजे पड़ा मिला था।परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करनैलगंज ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।परिजनों ने आरोप लगा या था कि अज्ञात बदमाशों ने उनके सोने और चांदी के आभूषण लूटने के बाद विरोध करने पर उनकी हत्या कर दी है।पुलिस जांच में साम ने आया कि रामप्यारी की नाक से खून नहीं निकल रहा था, जिससे लूट के बाद हत्या का आरोप संदिग्ध लगा।सीसीटीवी फुटेज और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट की जांच के बाद प्रथम दृष्टया यह पुष्टि हुई कि उनकी मौत ट्रक की चपेट में आने से हुई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से ट्रक की पहचान करने का प्रयास कर रही है।पुलिस के अनुसार, महिला की मौत ट्रक की चपेट में आने से हुई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि परिजनों के आरोप के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया था, लेकिन अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में एक्सीडेंट से मौत की पुष्टि हुई है।पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने किया गौ-आश्रय स्थल का निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। एसडीएम नानपारा मोनालिसा जौहरी ने मंगलवार दोपहर विकास खंड नबाबगंज की ग्राम पंचायत सुरहिया स्थित गौशाला का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां उपलब्ध हरे चारे, भूसा, चोकर आदि के स्टॉक का जायजा लिया और गौ आश्रय स्थल पर तैनात कर्मचारियों की उपस्थिति पंजिका की समीक्षा की। गोवंश को वर्षा से सुरक्षित रखने हेतु एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने केयरटेकर को निर्देश दिए कि गौशाला को तीनों तरफ से ढककर रखें ताकि पानी अंदर न घुसे और नियमित रूप से भूसा, चोकर एवं हरा चारा उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, गौशाला की सफाई बनाए रखने के भी स्पष्ट निर्देश दिए गए। एसडीएम ने उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को समय-समय पर गोवंश का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए आदेशित किया। केयरटेकर को गौ-आश्रय स्थल पर उपस्थित सभी गोवंश की उचित देखभाल और स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने स्वयं गायों को हरा चारा और गुड़ खिलाकर उनकी सेवा की।

वाल्मीकि जी के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज के उत्थान में लगें कार्यकर्ता : सर्वेश बाबू गौतम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया में समाजवादी पार्टी कार्यालय ककोर में महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सर्वेश बाबू गौतम ने की। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका मूल नाम रत्नाकर था, जो प्रारंभ में एक डाकू के रूप में जीवन व्यतीत करते थे। नारद मुनि के उपदेश से उन्हें अपने कर्मों का बोध हुआ और उन्होंने कठोर तपस्या की। दीमकों की बांबी में ढक जाने के कारण उन्हें वाल्मीकि कहा गया। बाद में वे आदि कवि बने और रामायण की रचना की।सपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन इस बात का प्रतीक है कि पश्चाताप और सत्य मार्ग पर चलने से व्यक्ति अपने जीवन को महान बना सकता है। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाजवादी कार्यकर्ताओं को समाज में समानता और न्याय की भावना को मजबूत करना चाहिए।इस अवसर पर उन्होंने आगामी स्नातक चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक वोट बनवाकर सपा प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में सपा कार्यकर्ता एकजुट होकर भारी बहुमत से सरकार बनाएं और आदरणीय अखिलेश यादव जी को प्रदेश की बागडोर सौंपें, जिससे प्रदेश खुशहाली और तरक्की के रास्ते पर अग्रसर हो सके।कार्यक्रम में पूर्व मंत्री विनोद यादव कक्का, विधायक रेखा वर्मा, पूर्व विधायक मदन सिंह गौतम, वरिष्ठ नेता बाबा रामनरेश यादव, राजेश सिंह कुशवाह, महेंद्र त्रिपाठी, पल्लवी पाल, मधु यादव, स्नेहलता दोहरे, मीना कठेरिया, अनुज पाल, धीरेंद्र दोहरे, ओ.के. चौधरी, राजकुमार गौतम, वीरेंद्र शास्त्री, अरविंद वर्मा, तेहराज सिंह, ध्यान सिंह, गुड्डू सेंगर, जयपाल ठाकुर, मुकेश यादव, प्रदीप सविता, दिनेश मिश्रा, नृपेंद्र यादव, सुभाष कठेरिया, रमेश दिवाकर, लालता प्रसाद शंखवार, नन्द किशोर बंगाली, ध्रुव यादव, हरिशंकर निषाद समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

टेबल फैन लगाते समय करंट की चपेट में आई वृद्धा, मौत

मीरजापुर । जमालपुर थाना क्षेत्र के सहिजनी-हरदी गांव में मंगलवार दोपहर 64 वर्षीय वृद्धा कृष्णावती पटेल की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और स्वजन रो-रोकर बेहाल हो उठे।जानकारी के अनुसार, दोपहर में बिजली आने पर कृष्णावती पटेल टेबल फैन लगा रही थीं। इस दौरान फैन का तार कटा हुआ होने के कारण अचानक करंट प्रवाहित हो गया और वह उसकी चपेट में आ गईं। करंट लगने से वृद्धा गंभीर रूप से झुलस गईं। स्वजनों ने आनन-फानन में उन्हें नजदीकी निजी चिकित्सक के पास पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मृतका के पति मन्नू पटेल की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। परिजनों ने पुलिस को बिना सूचना दिए ही कृष्णावती पटेल का अंतिम संस्कार कर दिया।

मां विंध्यवासिनी के दरबार में लाखों श्रद्धालु हुए नतमस्तक

दोपहर की तल्ख धूप भी श्रद्धालुओं की आस्था को डिगा नहीं सकी-हर कोई मां विंध्यवासिनी के दरबार में हाजिरी लगाने को उत्साहित दिखा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मीरजापुर । शारदीय नवरात्र की पूर्णिमा तिथि पर मंगलवार को विंध्याचल धाम पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में डूब गया। सुबह से ही ह्लजय माता दीङ्क के गगनभेदी जयकारों से गलियां, घाट और मंदिर परिसर गुंजायमान रहे। दोपहर की तल्ख धूप भी श्रद्धालुओं की आस्था को डिगा नहीं सकी-हर कोई मां विंध्यवासिनी के दरबार में हाजिरी लगाने को उत्साहित दिखा।भोर में मां की भव्य मंगला आरती से पहले ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर परिसर और आसपास की गलियों में लग गई थीं। आरती के उपरांत मंदिर के कपाट खुलते ही दर्शन के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। न्यू वीआईपी रोड, जयपुरिया गली, सदर बाजार और पक्का घाट गली में भक्तों की भीड़ जयघोष करते हुए आगे बढ़ती रही।मां के दिव्य श्रृंगार और मंदिर परिसर में सजे देवी-देवताओं के पुष्पमालाओं से अलंकृत स्वरूप ने भक्तों को अभिभूत कर दिया। दर्शन-पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने अष्टभुजा पहाड़ी स्थित मां महाकाली और अष्टभुजी देवी के दरबार में भी माथा टेका और परिवार के मंगल की कामना की। गंगा तट पर स्नान और पूजा-अर्चना के लिए दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दर्शन के बाद भक्तों ने विंध्य की गलियों में सजी माला, फूल, चुनरी, प्रसाद और नारियल की दुकानों से खरीदारी की, जिससे बाजार गुलजार रहा।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की थी। वहीं, श्री विंध्य पंडा समाज के पदाधिकारी व सदस्य भक्तों की सेवा में तत्पर नजर आए। पूरा विंध्य क्षेत्र ह्लजय मां विंध्यवासिनीङ्क के जयघोष से देर रात तक गूंजता रहा।

धूमधाम से मनाई गई वाल्मीकि जयंती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार नकटादाना स्थित केजीएन 2 कॉलोनी लोकसभा चुनाव कार्यालय में महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने कहा महर्षि वाल्मीकि केवल एक महाकवि नहीं थे। बल्कि एक सांस्कृतिक मार्गदर्शक और धर्मिक प्रेरणा के श्रोत थे। उनका जीवन इस बात का प्रतीक है। कि कोई भी व्यक्ति अपने जीवन को बदल सकता है।और ज्ञान तपस्या तथा भक्ति के माध्यम से महानता प्राप्त कर सकता है।महर्षि वाल्मीकि प्राचीन भारत के एक महान ऋषि, कवि और रामायण के रचयिता थे।उन्हें संस्कृत साहित्य का पहला महाकवि आदिकवि माना जाता है। उनके जीवन और व्यक्तित्व से जुड़ी कई धार्मिक सांस्कृतिक और ऐतिहासिक मान्यताएं हैं।इस दौरान सपा जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी ने कहा महर्षि वाल्मीकि का जीवन हमे सिखाता है। कि कोई भी व्यक्ति चाहे कितना पतित क्यों ना हो, तप और भक्ति से महान बन सकता है, महर्षि वाल्मीकि जी प्रकृति प्रेमी थे, तपस्या के माध्यम से मानव

जीवन के परिवर्तन का प्रतीक हैं।इस दौरान सपा जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा कट्टर ने कहा रामायण का रचयिता महाकाव्य महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की, जो श्रीराम के जीवन पर आधारित है। यह संस्कृत साहित्य का प्रथम महाकाव्य माना जाता है।काव्य शैली का जनक संस्कृत काव्य में श्लेषालंकार विरोधाभास का पहला उपयोग किया,जब उन्होंने एक क्रौंच पक्षी के वध पर शोक से पहला श्लोक रचा।संतान और आश्रम

उनके आश्रम में सीता ने वनवास के दौरान लव-कुश को जन्म दिया और पाला। वे लव-कुश के गुरु भी थे। जिन्होंने रामायण का गायन सिखाया। विधानसभा बरखेड़ा अध्यक्ष धनपति वर्मा एडवोकेट ने अपने संबोधन में कहा महर्षि वाल्मीकि का वास्तविक नाम रत्नाकर बताया जाता है, उन्होंने वर्षों तक कठिन तप किया, जिससे चींटियों ने उनके शरीर पर बॉबी वाल्मीकि बना ली, इसी कारण उन्हें वाल्मीकि कहा गया, तपस्या के पश्चात उन्हें आत्मज्ञान प्राप्त हुआ और वे महान ऋषि बन गए।कार्यक्रम का संचालन सदर विधानसभा पीलीभीत अध्यक्ष इम्तियाज अल्वी ने किया इस दौरान मुख्य रूप सपा जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी,सपा जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा कट्टर,सपा जिला उपाध्यक्ष मखदूम खान, सदर विधानसभा पीलीभीत अध्यक्ष इम्तियाज अल्वी, सपा जिला उपाध्यक्ष बालकराम सागर,सपा जिला उपाध्यक्ष काशीराम सरोज, सपा जिला उपाध्यक्ष अकबर अहमद अंसारी,सतेन्द्र मौर्य, ओमप्रकाश यादव एडवोकेट,अमित पाठक एडवोकेट,धनपति वर्मा एडवोकेट,विधानसभा पूरनपुर अध्यक्ष संजय सिंह यादव, सपा अधिवक्ता सभा जिलाध्यक्ष ज्योति प्रकाश शुक्ला एडवोकेट,सपा मजदूर सभा जिलाध्यक्ष मो.तुफैल अहमद,नरेश कुमार सागर,रामौतार वर्मा,ऋषिपाल वर्मा,कामता प्रसाद वर्मा,वेद प्रकाश दीक्षित,प्रशांत अवस्थी, अता हुसैन मियां,अफरोज खान, प्रशांत शर्मा,संजय शर्मा,सद्दाम हुसैन, प्रेमपाल, हरीश कुमार शर्मा,विशाल कुमार, छत्रपाल,सपा जिला सचिव आदर्श पाण्डे एडवोकेट,पवन शर्मा,श्याम सिंह यादव, राजीव कुमार, रोहित, रामगोपाल, तोताराम, नवीउद्दीन खान,रिजवान खान आदि तमाम सम्मानित नेतागण पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे हैं।

भड़काऊ ब्यानबाजी करते हुए मौलाना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। सेहरा मऊ थाना क्षेत्र के गांव नजीरगंज में एक मौलाना पर भड़काऊ बयान देते हुए और समुदाय विशेष को उकसाते हुऐ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है वहीं क्षेत्र वासियों और हिंदू संगठन ने पूरे प्रकरण में एक समुदाय के खिलाफ भाषण बाजी पर कार्यवाही की मांग की है संगठन का आरोप है उक्त व्यक्ति ने कथित रूप से अपने संबोधन में आपत्तिजनक बातें कही हैं, जिससे इलाके का सामाजिक माहौल प्रभावित हो सकता है ग्रामीणों और कुछ सामाजिक संगठनों ने इसे गंभीर मामला बताते हुए सेहरामऊ थाना पहुंचकर मौलाना के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है पुलिस अधीक्षक पीलीभीत से तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की है आरोप है कि मौलवी के बयानों से युवाओं में गलत संदेश जा रहा है और क्षेत्र में सौहार्द बिगड़ने की आशंका है। इस पर उन्होंने पुलिस से शिकायत कर विधिक कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पीलीभीत जनपद की पहचान हमेशा भाईचारे और शांति के लिए रही है। ऐसे में किसी भी प्रकार का भड़काऊ भाषण या अफवाह क्षेत्र की सौहार्दपूर्ण फिज़ा को नुकसान पहुंचा सकता है ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाए ताकि अफवाहों पर रोक लग सके और शांति बनी रहे सौहार्द बिगाड़ने के उद्देश्य से 80 करोड़ को जूते की नोक पर रखने की बात कर रहा है स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठनों और धार्मिक नेताओं ने संयुक्त रूप से लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर भ्रामक संदेश न फैलाएं। क्षेत्र की गंगा-जमुनी तहज़ीब को बनाए रखना सभी का दायित्व है

सरकारी स्कूल में दिलाई गई संचारी रोग के रोकथाम की शपथ

पूरनपुर। कंपोजिट स्कूल गढ़ा कला में शासन आदेश के अनुसार संचारी रोग की बच्चों को जानकारी दी गई और उसे रोकने हेतु शपथ भी दिलायी गई इस मौके पर अध्यापक सोहन, शिक्षा मित्र ममता देवी ,पंचायत सहायक लता देवी और प्रभारी इंचार्ज एवं नोडल संकुल शिक्षक श्री हुकुम सिंह उपस्थित रहे नोडल संकुल शिक्षक श्री हुकुम सिंह ने शपथ दिलाकर बताया किस तरह संचारी रोग से लड़कर उसे हराया जा सकता है जिसमें संचारी रोगों के बारे मे जानकारी और साफ़ सफाई रखना है।

बेमौसम बरसात अन्नदाता परेशान किसान नेता मुआवजे की करी मांग

पूरनपुर। बेमौसम बरसात ने किसानों की धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। धान की फसल पक कर तैयार हो गई थी, लेकिन देर रात हुई बारिश ने फसलों को खराब कर दिया। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान होने की संभावना है। बारिश के कारण धान की फसल खेतों में बिछ गई है, जिससे उत्पादन में कमी आ सकती है। किसानों की परेशानी बढ़ गई है, क्योंकि उन्हें अब अपनी फसल को सहेजने में अतिरिक्त प्रयास करना होगा। इस बारिश से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान होने की संभावना है, क्योंकि फसलों की गुणवत्ता और मात्रा दोनों प्रभावित हुई हैं। उत्तर प्रदेश अन्नदाता किसान यूनियन के प्रदेश सचिव बलजिंदर सिंह ने किसानों को मुआवजा देने की मांग की है ।ताकि उन्हें अपनी फसलों के नुकसान की भरपाई करने में मदद मिल सके।

धार्मिक स्थल की जमीन के कब्जे को लेकर दो पक्षों में संघर्ष

पूरनपुर। घुंघचाई थाना क्षेत्र के गांव भगौतीपुर में स्थित प्राचीन देवी स्थल की संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद में दो पक्ष आमने सामने आ गये मामले की सूचना पर बड़ी संख्या में पुलिस बल पहुंच गया जिससे वहां अफरातफरी का माहौल बन गया मंदिर के नाम 32 एकड़ जमीन और बाग है दो पक्ष उन्हें अपना बता रहे हैं इसको लेकर न्यायालय में मुकदमा बिचाराधीन हैएक पक्ष मंदिर की देखरेख कर रहा है। मामला न्यायालय में होने से जमीन खाली पड़ी हुई है। मंगलवार को दूसरे पक्ष से कई कुछ साधुओं को लेकर जबरन कब्जा करने पहुंच गए इस पर वहां बवाल हो गया पुलिस प्रशासन ने वहां पहुंचकर स्तिथि पर काबू पाया है।

नवनिर्मित डेढ़ सौ मीटर के इंटरलॉकिंग नाली निर्माण का हुआ लोकार्पण

सुलतानपुर। क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की गति देते हुए विकासखंड दूबेपुर के ग्राम पंचायत गोराबारिक आजाद नगर में 15 वे केंद्रीय वित्त टाइड ग्रांट योजना अंतर्गत डेढ़ सौ मीटर नव निर्मित इंटरलॉकिंग, नाली निर्माण का लोकार्पण हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह ने विधि विधान से पूजन अर्चन कर लोकार्पण किया। इंटरलॉकिंग नाली निर्माण के लोकार्पण के अवसर पर शैलेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि बिकास खण्ड दूबेपुर के ब्लॉक प्रमुख शिल्पा सिह द्वारा लगातार क्षेत्र में विकास का कार्य तेजी से चल रहा है इस निर्माण से तकरीबन सैकडो घरो का आवागमन का रास्ता सुलभ होगा। इस अवसर पर गोराबारिक प्रधान जामिल रजा बब्लू सिंह प्रधान, मसूद अहमद बीडीसी, राजेश यादव, दयाशंकर गुप्ता, इशियाक मास्टर, चंदन मास्टर, राम शंकर मौर्य सहित सैकडो लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक आजाद समाज सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक सिंह ने उपस्थित लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

895 कर्मियों व 2400 आशा कार्यकर्ताओं को दो माह से नहीं मिला वेतन, गहराया आर्थिक संकट

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश कृ जिले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत कार्यरत 895 संविदा कर्मचारी एवं 2400 से अधिक आशा कार्यकर्ता बीते दो महीनों से वेतन से वंचित हैं। निरंतर सेवाएं देने के बावजूद आर्थिक संकट से जूझ रहे इन कर्मियों को न तो भुगतान मिला है और न ही राज्य स्तर से कोई संतोषजनक उत्तर। बिना वेतन, सेवा जारी स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ माने जाने वाले ये कर्मचारी जिला अस्पतालों, सीएचसी, पीएचसी और उपकेंद्रों में विभिन्न जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। वहीं, आशा कार्यकर्ता गांवों में गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बीमार व्यक्तियों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में जुटी हैं। दो माह से वेतन न मिलने के बावजूद काम जारी है, लेकिन अब धैर्य जवाब दे रहा है।राज्य की चुप्पी बनी चिंता का विषय स्थानीय अधिकारियों द्वारा कई बार राज्य मुख्यालय को अवगत कराने के बाद भी अब तक वेतन निर्गत नहीं हुआ है। कोई स्पष्ट समय-सीमा या दिशा-निर्देश भी प्राप्त नहीं हुए हैं, जिससे कर्मियों में गहरी नाराजगी है। कर्मियों की पीड़ा एक संविदा कर्मचारी ने बताया, ल्घर का किराया, बच्चों की फीस और दवाइयों के लिए पैसे नहीं बचे। हम सेवा कर रहे हैं, लेकिन सरकार से जवाब नहीं मिल रहा।

चिकित्सा शिविर के उद्घाटन में मेलार्थियों का उमड़ा हुजूम, सैकड़ो मरीजों का हुआ इलाज

सुल्तानपुर। जनपद की ऐतिहासिक दुर्गापूजा और आस्था का सैलाब उस समय और बढ़ जाता है, जब गंगा-जमुनी तहजीब और सभी धर्म संप्रदाय के लोग विश्व प्रसिद्ध दुर्गापूजा में अनेकता में एकता की मिसाल कायम कर दिया है, जिले की अग्रणी समाजसेवी संस्था प्रताप सेवा समिति के द्वारा डाकखाना चैराहा स्थित चिकित्सा शिविर लगाकर मेले में आने वाले भक्तगणों के स्वास्थ्य का ख्याल रखा जाता है, शनिवार को मुख्य चिकित्साधिक्षक डां.आरके मिश्र ने शिविर का उद्घाटन करते हुए कहाकि जनपद की ऐतिहासिक दुर्गा पूजा विश्व में अपना एक अलग स्थान रखती है, उन्होंने कहाकि चहुंओर माता रानी की कृपा बरस रही है इस दिन का मां के भक्तों को साल भर इतजार रहता है, चिकित्सा शिविर के उद्घाटन पर भक्तगणों का हुजूम उमड़ पड़ा। सैकड़ो की संख्या में मरीजों के स्वास्थ्य की जांच पड़ताल के पश्चात डाक्टरों ने दवा के साथ परामर्श भी दिया, वही सोमवार को मुख्य चिकित्साधिक्षक 'महिला' डां.आरके यादव ने चिकित्सा शिविर का उद्घाटन करते हुए कहाकि जिले की दुर्गापूजा आस्था और अनेकता में एकता का मजबूत संगम है, उन्होंने कहाकि मांता रानी के दर्शनार्थियों को मेले में खुले खान-पान व कटे फल साथ ही तैलीय खाद्य पदार्थ के सेवन से बचना चाहिए, स्वास्थ्य शिविर में बी-फार्मा व डी-फार्मा के प्रशिक्षु आकाश मिश्रा,आफताब अहमद, मो.आकिब, अभिषेक,अन्नू श्रीवास्तव लगातार सेवा दे रहे है,वही प्रताप सेवा समिति के सचिव विजय विद्रोही, अध्यक्ष अखिलेश मिश्र, मुकुल श्रीवास्तव, जीतेंद्र श्रीवास्तव, अर्चना मिश्र, रेहाना बेगम, अर्चना सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता प्रतिदिन मौजूद रहकर माता रानी के भक्तगणों की सेवा में लगे रहते है।

गोष्ठी में शिक्षिका को एसपी ने किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने शिक्षिका सुगंध अग्रवाल को महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में किए गए महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सम्मानित किया। यह सम्मान मिशन शक्ति फ़ेज 5 के अंतर्गत आयोजित महिला सुरक्षा जनपदीय गोष्ठी में दिया गया। शिक्षिका सुगंध अग्रवाल के कार्यों ने महिलाओं की सुरक्षा के गरिमा और सम्मान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके कार्य न केवल सराहनीय हैं, बल्कि समाज की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं। इस मिशन का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित और सशक्त बनाना है।इस गोष्ठी में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई।पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने शिक्षिका सुगंध अग्रवाल की भूरि भूरि प्रशंसा की और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस तरह के सम्मान से महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए काम करने वाले लोगों को प्रोत्साहन मिलता है।

श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर । महर्षि वाल्मीकि जयंती पर मंगलवार को नगर में विशाल शोभायात्रा निकाली गई पूरे शहर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल दिखाई दिया शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने जयघोष और भक्ति गीतों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया शोभायात्रा की शुरुआत मोहल्ला कायस्थान के महर्षि वाल्मीकि मंदिर से गाजे-बाजे और ढोल-नगाड़ों की धुन के साथ हुई बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं, बच्चे और युवा इसमें शामिल हुए। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः वाल्मीकि मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां सभी के आकर्षण का केंद्र रहीं वीर हनुमान, माता सीता, भगवान राम, भारत माता, शिव-पार्वती, महर्षि वाल्मीकि और केवट समेत अनेक सजीव झांकियां लोगों को पौराणिक काल की झलक दिखा रही थीं सबसे आगे लव और कुश घोड़ा थामे चलते हुए नजर आए सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा यातायात और सुरक्षा की व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रही महर्षि वाल्मीकि को भगवान श्रीराम के पुत्र लव और कुश के गुरु के रूप में भी जाना जाता है भगवान राम ने जब मां सीता का परित्याग किया तब उन्होंने ऋषि वाल्मीकि के आश्रम में शरण ली उनके आश्रम में ही लव-कुश का पालन-पोषण हुआ और वहीं से उन्होंने रामायण का गायन किया. वाल्मीकि जी ने मानवता, अहिंसा और समानता का जो संदेश दिया, वह आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है महान ऋषि, आदि कवि महर्षि वाल्मीकि के जीवन, दर्शन और काव्य प्रतिभा को स्मरण करते हुए विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया इस अवसर पर अंकित बाल्मीकि ने अपने संदेश में कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने अपने अमर ग्रंथ रामायण के माध्यम से मानवता, सत्य, धर्म और मर्यादा के आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाया। उनका जीवन सदैव हमें सत्य के मार्ग पर चलने, समाज सेवा और राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि मानव जाति के लिए प्रेरणास्रोत और उनके उपदेश श्रेष्ठ समाज सुधारक हैं। उनके आदर्शों को जीवन में धारण कर जीवन में केवल सुख-शांति की प्राप्ति ही नहीं होगी, बल्कि मोक्ष को भी पाया जा सकता है भारतीय जनता पार्टी की सरकार उनके दिखाए मार्ग पर चलकर सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प को साकार करते हुए जनकल्याण कर रही है। शोभायात्रा मे नगर पालिका परिषद अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता,एसडीएम अजीत प्रताप सिंह,विद्यायक पुत्र ऋतुराज पासवान, रिक्की पासवान, सोनू आर्य,हर्ष प्रधान,मानस शुक्ला , दिनेश, मनोज पासवान,अमन वाल्मीकि, अंकित वाल्मीकि, हरिओम वाल्मीकि , विवेक त्रिवेदी सहित क्षेत्र के विभिन्न लोग उपस्थित रहे है।

जिले में पहुंची गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहीदी शताब्दी जागृति यात्रा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहीदी शताब्दी के अवसर पर उनके अमर बलिदान और प्रेरणादायक संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निकली जागृति यात्रा मंगलवार को भगवान कुश की नगरी सुलतानपुर पहुंची। यह यात्रा पटना साहिब गुरुद्वारा से प्रारंभ होकर विभिन्न राज्यों और नगरों से होते हुए आनंदपुर साहिब में संपन्न होगी।

यात्रा के सुलतानपुर आगमन पर नगर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। नगर के प्रमुख मार्गों पर जगह-जगह श्रद्धालुओं रुमाला पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इसी क्रम में शाहगंज चैराहे पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण सहित सैकड़ों समर्थकों ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को रुमाला पुष्प अर्पित कर नमन किया तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने कहा ल्गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान मानवता,

सत्य और धर्म की रक्षा का प्रतीक है। यह यात्रा देश में शांति, आपसी सौहार्द और एकता का संदेश लेकर आगे बढ़ रही है। हमें गर्व है कि यह पवित्र यात्रा आज सुलतानपुर पहुंची। वहीं, पूर्व सभासद आत्मजीत सिंह ने कहा कि ल्इन यात्राओं के माध्यम से गुरु तेग बहादुर जी और उनके शूरवीरों के जीवन से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों का दर्शन कराया जा रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके त्याग और इतिहास से प्रेरणा ले सकें। इस अवसर पर गुरु ग्रंथ साहिब, शहीदों के शस्त्रों और उनके जीवन से जुड़ी वस्तुओं की प्रदर्शनी भी यात्रियों के साथ लाई गई, जिसने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

माता रानी के भंडारे में उमड़ी भक्तों की भीड़

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी महिला थाने के सामने मकरंद तिवारी काम्प्लेक्स करौंदिया में पत्रकार मनोज तिवारी के द्वारा माता रानी के भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। सोमवार को शाम 7बजे श्री तिवारी के काम्प्लेक्स स्थित पूरे विधि-विधान से माता रानी का भंडारा प्रारंभ हुआ,भंडारे में माता रानी के भक्तों की भीड़ ना होकर जैसे आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा, आयोजक मनोज तिवारी नें भंडारे में आने वाले श्रद्धालुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए माता रानी के चरणों मे शीश झुकाते हुए सभी पर कृपादृष्टि बनाए रखने का आशीर्वाद मांगा। भंडारे में मुख्य रूप से सक्रिय भूमिका निभाने वालों में माता रानी के सेवकों में महेश तिवारी, जीतेंद्र तिवारी, सूरज तिवारी, अमन तिवारी, रिशी तिवारी, शलोक तिवारी, बलराम तिवारी समेत सभी भक्तों की सेवा में लगे रहे, माता रानी का भंडारा देर रात तक चलता रहा।

आत्मनिर्भर अमेठी का प्रतीक बनेगा स्वदेशी मेला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 के अंतर्गत पूरे प्रदेश में स्वदेशी मेले आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जनपद अमेठी में भी स्वदेशी मेला का आयोजन पीएम श्री नवोदय विद्यालय, गौरीगंज में आगामी नौ अक्टूबर से अठारह अक्टूबर तक किया जायेगा। उपायुक्त उद्योग दिनेश कुमार चौरसिया ने बताया कि इस स्वदेशी मेले का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प वस्तुओं और परंपरागत कला को प्रोत्साहन देना है ताकि जिले के उद्यमियों, कारीगरों और स्व-रोजगार से जुड़े लोगों को विपणन का अवसर प्राप्त हो सके। उन्होंने बताया कि मेले में स्थानीय कारीगरों व उद्यमियों के उत्पादों की बिक्री हेतु विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाये जाएंगे, जिनमें स्वदेशी वस्त्र, मिट्टी के बर्तन, हैंडलूम, हस्तनिर्मित आभूषण, लकड़ी की कलाकृतियाँ, जूट उत्पाद, और अन्य घरेलू हस्तशिल्प वस्तुएँ प्रदर्शित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, मेले में सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने हेतु उद्योग विभाग, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, माटी कला बोर्ड, ग्रामीण आजीविका मिशन, कौशल विकास मिशन, समाज कल्याण विभाग आदि के स्टॉल भी लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों के माध्यम से जनता को रोजगार, प्रशिक्षण, उद्यमिता और कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। उपायुक्त उद्योग ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुंचकर दीपावली से पूर्व स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी करें और स्थानीय कारीगरों व उद्यमियों को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि यह मेला ल्वोकल फॉर लोकलङ्क अभियान को गति देने का एक सशक्त माध्यम बनेगा।

हर्षोल्लास व भक्तिमय वातावरण में मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। शासन के निर्देश के क्रम में एवं जिलाधिकारी संजय चौहान व मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल के मार्गदर्शन में आदि काव्य रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकी जी की जयन्ती जनपद में हर्षोल्लास व भक्तिमय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर जनपद में कई आयोजन किये गये। श्रीराम जानकी, हनुमान जी के मंदिरों में दीप प्रज्ज्वलन, दीपदान तथा माल्यार्पण के साथ ही अखंड रामायण का पाठ हुआ। बताते चलें कि महर्षि बाल्मीकि विश्व के आदि कवि हैं जिन्होंने प्रभु श्री राम के जीवन काल में ही कालजयी कृत रामायण की रचना कर मानवता को धर्म, नीति और आदर्श जीवन का मार्ग दिखाया। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं बल्कि मानव जीवन, समाज और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों की दिशा तय करने वाला आदर्श ग्रंथ है। इस ग्रंथ में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध का व्यापक प्रचार प्रसार आज के समय में भी समाज को मार्गदर्शन प्रदान करता है। जन सामान्य को इससे जोड़ने के लिए आज महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर जनपद के सभी तेरह विकास खंडों में स्थित उन्नीस प्रमुख मंदिरों में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन मंदिरों में देवी पाटन मंदिर अमेठी, हनुमान मंदिर सराय महेशा और फरीदपुर, रायपुर रामगंज का हनुमान मंदिर, घोरहा का हनुमान मंदिर, उल्टा गढ़ा माफी का हनुमान मंदिर, पालपुर, कठौरा और हुसैनगंज कला के हनुमान मंदिर, गौरा की हनुमानगढ़ी,

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर उन्नीस मंदिरों में आयोजित हुआ अखण्ड रामायण पाठ

मुसाफिरखाना के राम-जानकी मंदिर और पिंडारा करनाई के हनुमान मंदिर, संग्रामपुर का कालीकन धाम मंदिर, शाहगढ़ का जलामा हनुमान मंदिर, शुकुल बाजार के मवैया रहमतगढ़ स्थित हनुमान मंदिर व राम-जानकी मंदिर, तिलोई की हनुमानगढ़ी तथा सिंहपुर के रामपुर हनुमान मंदिर और अहोरवा भवानी मंदिर प्रमुख रहे। इन सभी स्थलों पर दीपदान, दीप प्रज्वलन, अखंड रामायण पाठ और संकीर्तन का आयोजन कर श्रद्धालुओं ने महर्षि वाल्मीकि जी के उपदेशों को आत्मसात किया। जनपद भर में सजीव भक्ति माहौल और सामूहिक सहभागिता ने सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव की अद्भुत झलक प्रस्तुत की। महर्षि वाल्मीकि जी के आदर्श आज भी समाज में सदाचार, कर्तव्य निष्ठा और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करते हैं हम सभी को उनके विचारों को जीवन में उतारकर समाज और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देना चाहिये।

सम्पादकीय

दहेज का दानव

बेटियों की साक्षरता में वृद्धि और कामकाजी क्षेत्र में लगातार उनकी बढ़ती भूमिका के बावजूद यदि दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि होती है, तो यह शर्मनाक स्थिति ही कही जाएगी। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की वह रिपोर्ट चौंकती है कि साल 2023 के दौरान देश में दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में 14 फीसदी मामले ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष के दौरान दहेज के कारण देशभर में 6,100 महिलाओं की मौत दर्ज की गई है। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है। लगातार खर्चीली होती उच्च शिक्षा व्यवस्था में बेटियों की शिक्षा पर बड़ा खर्च करने के बाद यदि मां-बाप को दहेज देना पड़ता है तो यह शर्मनाक स्थिति है। हालांकि, पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद व अन्य कारकों को दहेज का मामला बनाने के कुछ मामले अदालतों की चिंता का भी विषय रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद समाज में दहेज के लिये उत्पीड़न की घटनाएं कटु सत्य है। यह भी एनसीआरबी की रिपोर्ट का यथार्थ है कि देश में हर रोज दहेज के लिये हत्याएं दर्ज हो रही हैं। बेटियों को पढ़ाने तथा सरकारों द्वारा उनके सशक्तीकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद दहेज का दानव यदि अट्टहास कर रहा है तो यह हमारे समाज की असफलता ही कही जाएगी। निस्संदेह, हमारे समाज में सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। एक समय नारा लगाया जाता था कि दुल्हन ही दहेज है। इस नारे को हकीकत बनाने की जरूरत है। कहीं न कहीं इस संकट के मूल में पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है। जिसमें स्त्रियों को वाजिब हक न देकर उन्हें कमतर आंका जाता है। इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि दहेज प्रथा उन्मूलन के लिये सख्त कानून होने के बावजूद इस कुप्रथा पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है। आखिर क्यों दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाज में साक्षरता वृद्धि और जागरूकता अभियानों के बावजूद स्थिति जस की तस है। विडंबना यह है कि दहेज उत्पीड़न के ज्यादातर मामले बड़े हिंदी प्रदेशों में सामने आए हैं। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में और फिर बिहार दूसरे नंबर पर है। ये हजारों मामले समाज में स्त्रियों की विडंबनापूर्ण स्थिति को ही दर्शाते हैं। समाज में उपभोक्तावादी सोच के चलते भी दहेज की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। हमें विचार करना होगा कि समाज में दहेज के संकट की जड़ों पर कैसे प्रहार किया जाए। राष्ट्र का विकास तब तक एकांगी ही रहेगा, जब तक आधी दुनिया को समाज में सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता। दहेज के मामलों में न्याय भी शीघ्र देने की आवश्यकता है। आज जरूरत इस बात की है कि बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे समाज में सम्मानजक ढंग से बिना किसी पर निर्भर रहकर जीवनयापन कर सकें।

राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की वह रिपोर्ट चौंकती है कि साल 2023 के दौरान देश में दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में 14 फीसदी मामले ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष के दौरान दहेज के कारण देशभर में 6,100 महिलाओं की मौत दर्ज की गई है। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है।

ताकि दवा जहर बन फिर से मासूमों की मौत न बने

दवाओं के उत्पादन में भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर है। करीब 200 देशों में यहां से दवाएं निर्यात होती हैं और जेनेरिक दवाएं सबसे ज्यादा यहीं बनती हैं। इन उपलब्धियों के बीच इन दो प्रमुख राज्यों में कफ सिरप की वजह से बच्चों की मौत शर्मनाक एवं त्रासदीपूर्ण है। इससे स्पष्ट है कि दवा के क्षेत्र में जिस तरह की निगरानी, मानक और सुरक्षा उपायों की जरूरत है, उसमें कोताही बरती जा रही है। दवा के रूप में जहर धडल्ले से मासूमों की मौत का कारण बन रहा है। इस घटना सामने आने के बाद कार्रवाई का दौर भले ही जारी है। दवाएं वापस ली गई हैं, केस दर्ज हुआ है और नैशनल रेगुलेटर अथॉरिटी ने कई राज्यों में जांच की है। इन घटनाओं से साफ है कि दवा निर्माण की प्रक्रिया में कच्चे माल के स्रोत से लेकर तैयार उत्पाद की गुणवत्ता जांच तक हर स्तर पर लापरवाही व्याप्त है। कई कंपनियां लागत घटाने के लिए औद्योगिक ग्रेड के सॉल्वेंट या रसायनों का प्रयोग कर लेती हैं जो मानव उपभोग के लिए निषिद्ध होते हैं। वहीं निरीक्षण और परीक्षण की सरकारी व्यवस्था न केवल कमज़ोर है बल्कि अक्सर प्रभावशाली कंपनियों के दबाव में निष्क्रिय भी हो जाती है। राज्य और केंद्र स्तर के दवा-नियामक विभागों में पर्याप्त संसाधन और तकनीकी क्षमता का अभाव है, जिससे समय पर निगरानी और सैंपल परीक्षण संभव नहीं हो पाता।

दो राज्यों राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफ सिरप से जुड़ी बच्चों की मौत की घटनाएं देश की दवा नियामक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। यह केवल एक चिकित्सा त्रुटि या आकस्मिक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस तंत्र की विफलता का प्रतीक है जिस पर जनता अपने जीवन की रक्षा के लिए भरोसा करती है। दवा जैसी जीवनदायी वस्तु में भी जब लालच, लापरवाही या भ्रष्टाचार घुसपैठ कर जाते हैं तो वह अमृत भी विष बन जाता है। बच्चों की मासूम जानें जब घटिया या मिलावटी दवा के कारण चली जाती हैं, तो यह केवल परिवारों की नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिकता एवं विश्वास की मृत्यु होती है। कफ सिरप में पाए गए विषैले तत्व-जैसे डाइएथिलीन ग्लाइकॉल या एथिलीन ग्लाइकॉल, पहले भी कई देशों में सैकड़ों बच्चों की जान ले चुके हैं। फिर भी बार-बार ऐसे हादसे होना इस बात का प्रमाण है कि भारत की दवा नियामक व्यवस्था में संरचनात्मक खामियां बनी हुई हैं। सवाल है कि पिछली गलतियों से क्या सीखा गया? भारत में बने कफ सिरप पहले भी सवालों में आ चुके हैं। 2022 में गाम्बिया में कई बच्चों की मौत के बाद डब्ल्यूएचओ ने एक भारतीय कंपनी के कफ सिरप को लेकर चेतावनी जारी की थी। इसके बाद भी कई और जगहों से इसी तरह की शिकायत आई। दवाओं के उत्पादन में भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर है। करीब 200 देशों में यहां से दवाएं निर्यात होती हैं और जेनेरिक दवाएं सबसे ज्यादा यहीं बनती हैं। इन उपलब्धियों के बीच इन दो प्रमुख राज्यों में कफ सिरप की वजह से बच्चों की मौत शर्मनाक एवं त्रासदीपूर्ण है। इससे स्पष्ट है कि दवा के क्षेत्र में जिस तरह की निगरानी, मानक और सुरक्षा उपायों की जरूरत है, उसमें कोताही बरती जा रही है। दवा के रूप में जहर धडल्ले से मासूमों की मौत का कारण बन रहा है। इस घटना सामने आने के बाद कार्रवाई का दौर भले ही जारी है। दवाएं वापस ली गई हैं, केस दर्ज हुआ है और नैशनल रेगुलेटर अथॉरिटी ने कई राज्यों में जांच की है। इन घटनाओं से साफ है कि दवा निर्माण की प्रक्रिया में कच्चे माल के स्रोत से लेकर तैयार उत्पाद की गुणवत्ता जांच तक हर स्तर पर लापरवाही व्याप्त है। कई कंपनियां लागत घटाने के लिए औद्योगिक ग्रेड के सॉल्वेंट या रसायनों का प्रयोग कर लेती हैं जो मानव उपभोग के लिए निषिद्ध होते हैं। वहीं निरीक्षण और परीक्षण की सरकारी व्यवस्था न केवल कमज़ोर है बल्कि अक्सर प्रभावशाली कंपनियों के दबाव में निष्क्रिय भी हो जाती है। राज्य और केंद्र स्तर के दवा-नियामक विभागों में पर्याप्त संसाधन और तकनीकी क्षमता का अभाव है, जिससे समय पर निगरानी और सैंपल परीक्षण संभव नहीं हो पाता। जब निरीक्षण औपचारिकता बन जाए और रिपोर्टें खरीद-फरोख्त की वस्तु बन जाएं, तब ऐसी त्रासदियां स्वाभाविक हैं। तमिलनाडु की दवा कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के 'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप के नमूने में 48.6 प्रतिशत डाई एथिलीन ग्लाइकॉल मिला है, जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार इसकी मात्रा 0.10 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह एक खतरनाक इंडस्ट्रियल केमिकल है, जिसका इस्तेमाल गाड़ियों और मशीनों में होता है। इसकी वजह से पीड़ित बच्चों की किडनी फ़ेल हो गई। इन घटनाओं ने न केवल स्वास्थ्य प्रशासन की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाई है बल्कि भारत की वैश्विक छवि पर भी धब्बा लगाया है। पिछले वर्षों में अफ्रीकी देशों में भी भारतीय सिरप से हुई मौतों के बाद कई देशों ने हमारे फार्मा उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया था। अब घरेलू स्तर पर घटित ऐसी घटनाएं यह दर्शाती हैं कि हमने उन हादसों से कोई सबक नहीं लिया। दुनिया के सबसे बड़े जेनेरिक दवा उत्पादक देश के रूप में भारत को यह मानना होगा कि केवल उत्पादन की मात्रा नहीं, बल्कि गुणवत्ता ही हमारी असली ताकत होनी चाहिए। इस संकट का सबसे पीड़ादायक पहलू यह है कि इसका शिकार वे मासूम बच्चे बने जिनकी प्रतिरोधक क्षमता अभी विकसित नहीं हुई थी और जिनकी जीवन रक्षा का उत्तरदायित्व समाज और राज्य पर है। इन मौतों की नैतिक जिम्मेदारी केवल दोषी कंपनियों पर नहीं, बल्कि उस पूरे तंत्र पर है जिसने नियमन और नैतिकता की आंखें मूंद लीं। दवाओं में मिलावट या गलत प्रमाणपत्र देना कोई साधारण अपराध नहीं बल्कि मानवता के खिलाफ किया गया घोर अपराध है। इस पर कड़े से कड़ा दंड होना चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी निर्माता या अधिकारी ऐसी हरकत करने से पहले सौ बार सोचे। भारत के फार्मास्युटिकल मार्केट का आकार लगभग 60 अरब डॉलर है। इसका बड़ा हिस्सा छोटी कंपनियों के पास है। सीडीएससीओ ने इस साल अप्रैल की अपनी रिपोर्ट में बताया था कि ज्यादातर छोटी और मझोली कंपनियों की दवाएं जांच में तयशुदा मानक से कमतर पाई गईं। इस जांच में 68 प्रतिशत एमएसएमई फ़ेल हो गई थीं। इससे पहले, जब केंद्रीय एजेंसी ने 2023 में जांच की, तब भी 65 प्रतिशत कंपनियों की दवाएं सब-स्टैंडर्ड मिली थीं। प्रश्न है कि यह तथ्य सामने आने के बाद आखिर सरकार क्या सोच कर इन दवाओं को बाजार में विक्रय क्यों जारी रहने दिया? क्यों ऐसे हादसे होने दिये जाते रहे? यह आवश्यक है कि दवा उद्योग में कच्चे माल की ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित की जाए, हर बैच की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो और दवाओं के मानक अंतरराष्ट्रीय स्तर के हों। केंद्र और राज्य सरकारों को ड्रग इंस्पेक्टरों की संख्या और प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ानी चाहिए। हर कंपनी के लाइसेंस नवीनीकरण के समय उसकी पिछली गुणवत्ता रिपोर्ट और परीक्षण परिणामों की समीक्षा की जानी चाहिए। जिन कंपनियों ने सुरक्षा मानकों का उल्लंघन किया है, उनके लाइसेंस तत्काल रद्द कर दिए जाने चाहिए और शीर्ष प्रबंधन को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं, बल्कि इन मामलों में आपराधिक जिम्मेदारी तय करना भी जरूरी है। इसके साथ ही चिकित्सा जगत और समाज को भी आत्मचिंतन करना चाहिए। डॉक्टरों को यह समझना होगा कि शिशुओं को ओटीसी-ऑवर दी कॉउन्टर दवाएं देना कितना खतरनाक हो सकता है। सरकार द्वारा जारी परामर्श और चेतावनियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की जरूरत है। मीडिया को भी सनसनी से ऊपर उठकर जनता को जागरूक करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। इन त्रासदियों को केवल समाचार बनाकर भुला देना नहीं, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य-सुधार के आंदोलन में बदलना समय की मांग है। क्योंकि सरकारी अनुमान से इस साल देश का दवा निर्यात 30 अरब डॉलर को पार कर जाएगा। वहीं, 2030 तक फार्मा मार्केट के 130 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। लेकिन, इसके साथ चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। दवाओं की जांच और निगरानी अभी तक की कमजोर कड़ी साबित हुई है। केंद्रीय और राज्य की नियामक एजेंसियों को ज्यादा बेहतर तालमेल के साथ, पारदर्शिता, ईमानदारी और ज्यादा तेजी से काम करने की जरूरत है, क्योंकि यह मामला केवल इकॉनमी या देश की छवि ही नहीं, अनमोल जिंदगियों से जुड़ा है। अंततः यह घटना हमें याद दिलाती है कि जीवन रक्षा के साधनों में जब नैतिकता का अभाव हो जाता है तो प्रगति की समूची इमारत ध्वस्त हो जाती है। दवा उद्योग में पारदर्शिता, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनशीलता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। सरकार और समाज दोनों को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी बच्चे की जान किसी घटिया या मिलावटी दवा के कारण न जाए। जब तक दवा बनाने वाला और दवा बांटने वाला अपनी जिम्मेदारी को धर्म, करुणा, विश्वास और ईमानदारी की दृष्टि से नहीं देखेगा, तब तक ऐसी त्रासदियां दोहराई जाती रहेंगी। इसलिए अब वक्त आ गया है कि हम दवा नहीं, दायित्व बनाएं, नियमन नहीं, निष्ठा पैदा करें और इस मानवता विरोधी अपराध के लिए दोषियों को उदाहरण स्वरूप कठोरतम दंड दें ताकि भविष्य में जीवन रक्षक औषधि फिर से विश्वास की प्रतीक बन सके। – ललित गर्ग

देश की जनसंख्या प्रगति का पैमाना या अवरोध की अवधारणा

संजीव ठाकुर

भारत की जनसंख्या अब मात्र एक आँकड़ा नहीं, बल्कि एक चुनौती और अवसर दोनों का प्रतीक बन चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में भारत ने लगभग 142.86 करोड़ (1.4286 अरब) की आबादी के साथ चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बनने का गौरव प्राप्त किया। लेकिन यह उपलब्धि जितनी गौरवशाली है, उतनी ही चिंताजनक भी। जनसंख्या वृद्धि दर अभी लगभग 0.81% है और कुल उर्वरता दर 2.0 पर स्थिर हो गई है, जो प्रतिस्थापन दर (2.1) के करीब है। भारत की लगभग 68% आबादी कार्यशील आयु वर्ग (15-64 वर्ष) में है, जो विश्व की सबसे बड़ी युवा शक्ति का निर्माण करती है। यह स्थिति भारत के लिए जनसंख्या लाभांश का अवसर प्रस्तुत करती है, बशर्ते कि इसे शिक्षा, कौशल और रोजगार की दिशा दी जाए। यदि यह जनसंख्या शिक्षित, प्रशिक्षित और उत्पादक बनी तो यही भारत को आर्थिक महाशक्ति बना सकती है, परंतु यदि यही जनसंख्या बेरोजगारी, अशिक्षा और संसाधनों के अभाव में उलझी रही, तो यही राष्ट्र के लिए बोझ भी बन सकती है। नंतभारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि प्रत्येक वर्ष लाखों युवक श्रमबाजार में प्रवेश करते हैं, परंतु उनके लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर नहीं बन पाते। पीरियाडिक लेबर फोर्स सर्वेक्षण (PLFS) 2023-24 के अनुसार 15 वर्ष से ऊपर की आबादी में बेरोजगारी दर 3.2% रही, जबकि युवाओं (15-29 वर्ष) में यह बढ़कर 10.2% तक जा पहुँची। कार्यशील आयु वर्ग में लगभग 64.33 करोड़ लोग हैं, परंतु संगठित क्षेत्र में उनका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा। उदाहरण के तौर पर किसी ग्रामीण क्षेत्र के दस हजार युवा जब शहरों की ओर रोजगार की तलाश में जाते हैं, तो उनमें से मुश्किल से दो हजार को ही अस्थायी या कम वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। शेष बेरोजगार या असंगठित क्षेत्र में अल्प आय पर कार्यरत रह जाते हैं। परिणामस्वरूप गरीबी, कुपोषण और सामाजिक तनाव की स्थिति बढ़ती है, जो राष्ट्र की विकास गति को धीमा करती है। भारत की विशाल जनसंख्या के कारण जल, भूमि, ऊर्जा और खनिज जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर असंतुलित दबाव बढ़ता जा रहा है। बढ़ती आबादी के साथ इनका अति-दोहन जल संकट, भूमि क्षरण और ऊर्जा की कमी जैसी गंभीर समस्याएँ उत्पन्न कर रहा है। महानगरों में रोजगार की तलाश में पलायन से झुग्गी-झोपड़ियाँ फैल रही हैं, यातायात और प्रदूषण का संकट बढ़ रहा है तथा जीवन स्तर गिरता जा रहा है। बढ़ती जनसंख्या का सबसे बड़ा प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है कृ प्रदूषण, वनों की कटाई, कचरे का बढ़ता ढेर और ग्रीनहाउस गैसों का अत्यधिक उत्सर्जन अब चिंता का वैश्विक विषय बन चुका है। जब समाज का बड़ा हिस्सा भोजन, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रहता है, तो स्वाभाविक रूप से असंतोष, असुरक्षा और अपराध में वृद्धि होती है, जिससे सामाजिक समरसता कमजोर पड़ती है। चीन ने इस समस्या के समाधान के लिए वन चाइल्ड पॉलिसी जैसी कठोर नीति अपनाई थी, जबकि भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप परिवार नियोजन, जागरूकता और स्वैच्छिक नियंत्रण की नीति को अपनाया। किंतु ग्रामीण और अशिक्षित क्षेत्रों में अब भी पर्याप्त जागरूकता का अभाव है। जनसंख्या नियंत्रण में शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा, सबसे प्रभावी माध्यम सिद्ध हो सकती है। एक शिक्षित महिला न केवल स्वयं जागरूक होती है बल्कि पूरे परिवार को सही दिशा देती है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे कौशल विकास अभियान, स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसी योजनाएँ युवाओं को आत्मनिर्भर और उत्पादक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यदि इन योजनाओं का लाभ गाँव-गाँव तक पहुँचे तो रोजगार सृजन की प्रक्रिया तीव्र हो सकती है। भारत में विकास को संतुलित बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर और आधारभूत संरचना को मजबूत करना आवश्यक है, जिससे पलायन पर नियंत्रण हो सके और शहरी क्षेत्रों पर बढ़ता बोझ घटे। स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच और गुणवत्ता में सुधार कर मातृ-शिशु मृत्यु दर घटानी होगी। वर्ष 2024 में भारत की मातृ मृत्यु दर अब भी 97 प्रति एक लाख जीवित जन्म है और शिशु मृत्यु दर 27 प्रति हजार के आसपास है। इन आंकड़ों में सुधार किए बिना स्वस्थ भारत का सपना अधूरा रहेगा। जनसंख्या की समस्या केवल संख्याओं की नहीं बल्कि गुणवत्ता की समस्या है। एक शिक्षित, स्वस्थ और रोजगारयुक्त जनसंख्या ही राष्ट्र के विकास की गति को तीव्र कर सकती है। इसलिए आवश्यक है कि जनसंख्या को केवल बोझ न समझा जाए, बल्कि अवसर के रूप में देखा जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और जनसंख्या नियंत्रण की एकीकृत नीति ही इस अवसर को शक्ति में बदल सकती है।

सेहत मंत्र

अमरूद ही नहीं, उसकी पत्तियां भी होती हैं सेहत के लिए लाभदायक

अमरूद एक ऐसा फल है, जो हर किसी को काफी पसंद आता है। इसे खाने से आपको स्वाद के साथ सेहत भी मिलती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अमरूद ही नहीं, उसकी पत्तियां भी सेहत के लिए उतनी ही लाभकारी है। अमरूद की पत्तियों में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल गुण और एंटी-इंफ्लेमेट्री गुण पाए जाते हैं, जिसके कारण यह कई तरह की बीमारियों में लाभदायक है। आपको शायद जानकर हैरानी हो लेकिन अमरूद के पत्ते जुकाम जैसी सामान्य समस्या से लेकर जानलेवा डेंगू तक को ठीक कर सकता है। दूर करे मसूड़ों का दर्द- अमरूद के पत्ते ओरल हेल्थ के लिए काफी अच्छे माने जाते हैं। अगर आपको मसूड़ों में किसी तरह की परेशानी या दर्द है तो आप अमरूद की पत्तियों को पीसकर इसमें लौंग व सेंधा नमक मिलाएं। अब इसमें थोड़ा पानी मिक्स करके उबालें। अब आप इस पानी को हल्का सा ठंडा करें और फिर इससे गरारे करें। इससे न सिर्फ मसूड़ों की समस्या दूर होती है, बल्कि मुंह से आने वाली दुर्गंध से भी छुटकारा मिलता है। डायरिया में आराम- डायरिया एक ऐसी समस्या है, जो देखने में भले ही आम लगे, लेकिन इसके कारण व्यक्ति काफी कमजोर हो जाता है। इसके लिए आपको अमरूद के पत्तों का काढ़ा बनाना होगा। काढ़ा बनाने के लिए आप अमरूद के पत्तों को पानी में डालें। साथ ही इसमें चावल का आटा मिलाकर उबालें। अब आप इस पानी को छानक इसका सेवन करें। घटाए वजन- अगर आप अपने अतिरिक्त वजन से परेशान हैं और उसे कम करना चाहते हैं तो अमरूद के पत्तों के रस का सेवन किया जा सकता है। यह रस आपके वजन कम करने के साथ-साथ आपके दिल का भी ख्याल रखता है। पिंपल्स को करें दूर- अमरूद के पत्ते आपकी सेहत के साथ-साथ सौंदर्य का भी उतना ही ख्याल रखते हैं। मसलन, अगर आपको पिंपल्स हैं और आप महंगी क्रीम का इस्तेमाल कर रही हैं तो उसकी जगह आप अमरूद के पत्तों को पीसकर पेस्ट बनाएं और उसे प्रभावित जगह पर लगाएं। रातभर इस पेस्ट को ऐसे ही रहने दें। कुछ दिन लगातार यह उपाय करने से आपके पिंपल्स जल्द ही खत्म हो जाएंगे। ठीक इसी तरह, अगर आप ब्लैकहेड्स को दूर करना चाहती हैं तो अमरूद की पत्तियों से स्किन को स्क्रब करें।

धर्म मंत्र

दानवीरता से कभी पीछा नहीं हटे कर्ण

कर्ण को सूत पुत्र कहा गया है, जबकि वो एक राज पुत्र थे। कर्ण एक महान दानवीर थे। वे अपने वचन हेतू अपने प्राणों का बलिदान भी दे सकते थे। जब पांडवों की शिक्षा खत्म हुई तब रंग-भूमि में आकर कर्ण ने अर्जुन को ललकारा। उन्होंने कहा कि अगर अर्जुन संसार का सर्वश्रेष्ठ धनुरधर है तो उससे मुकाबला करें और इस बात को सिद्ध करे। कर्ण को सूत पुत्र कहा गया है क्योंकि उनका पालन-पोषण एक सूत के घर हुआ है। कर्ण को सूत पुत्र समझकर उन्हें अर्जुन से मुकाबला नहीं करने दिया जाता है। दुर्योधन को यहां एक अवसर दिखता है। वह कर्ण को अंग देश का राजा घोषित कर देता है। वह कर्ण को अपना मित्र बना लेता है। यह बात कर्ण को अच्छी लगती है। लेकिन समय सीमा खत्म होने के चलते रंगभूमि में कर्ण-अर्जुन का मुकाबला टल जाता है। पांडवों और कौरवों के बीच होने वाले अंतिम निर्णायक युद्ध के पहले भगवान कृष्ण कर्ण को एक भेद बतलाते हैं। वो कहते हैं कि वो एक पांडव और कुंती के ज्येष्ठ पुत्र हैं। यह जानकर कर्ण अपने भाइयों की तरफ नहीं जाता और दुर्योधन से घात कर देते हैं। कर्ण के पास दिव्य कवच-कुंडल थे जिसके चलते वो अजेय थे। महाभारत के पांडवों समेत कोई भी युद्ध उन्हें परास्त नहीं कर पाता। ऐसे में सुबह स्नान के समय इन्द्रदेव आते हैं और कर्ण से उनका दिव्य कवच-कुंडल मांगते हैं। हालांकि, कर्ण को पहले से ही इस बात का पता था क्योंकि उनके पिता सूर्य देव द्वारा दिखाए गए स्वप्न से कर्ण को यह बात पहले ही पता चल गई थी कि इंद्रदेव रूप बदलकर आएंगे।

पर्यटन

गोवा की बात ही अलग है, दिन भर करिये मस्ती और रात को पार्टी

गोवा का नाम सामने आते ही आंखों के सामने घूमने लगते हैं खूबसूरत और लंबे-चौड़े समुद्री किनारे, ऐतिहासिक चर्च, इमारतें, शाम की ठंडी हवा, क्रूज का शानदार सफर, फ़ेनी, पब्स, काजू, डांस पार्टीज, बाइक पर मस्ती करते युवा और ना जाने क्या क्या...। गोवा घूमने के लिए वैसे तो आप कभी भी जा सकते हैं लेकिन अक्तूबर से दिसबंर तक यहाँ घूमने का अपना अलग मजा है। खासकर दिसंबर में तो गोवा विदेशी पर्यटकों से भरा रहता है और यहां की न्यू ईयर पार्टीज पूरी दुनिया में मशहूर हैं। अब तो मुंबई से गोवा के लिए क्रूज भी चलने लगा है जिससे पर्यटकों की तादाद बढ़ गयी है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि गोवा में वो सबकुछ है जो एक पर्यटक चाहता है। गोवा लगभग 450 साल तक पुर्तगाली शासन के आधीन रहा इसलिए यहां पर यूरोपीय संस्कृति का प्रभाव अधिक महसूस होता है। दिसंबर 1961 में गोवा को भारतीय प्रशासन को सौंपा गया था। संस्कृति की दृष्टि से गोवा की संस्कृति काफी प्राचीन है। मान्यता है कि 1000 साल पहले गोवा ''कोंकण काशी'' के नाम से जाना जाता था। क्षेत्रफल के हिसाब से देखा जाये तो गोवा भारत का सबसे छोटा और जनसंख्या के हिसाब से चौथा सबसे छोटा राज्य है। पूरी दुनिया में गोवा अपने खूबसूरत समुंदर के किनारों और मशहूर स्थापत्य कला के लिये जाना जाता है। बहुत कम ही लोग जानते होंगे कि गोवा के बारे में एक मान्यता यह भी है कि इसकी रचना स्वयं भगवान परशुराम ने की थी। भगवान परशुराम ने एक यज्ञ के दौरान अपने बाणों की वर्षा से समुद्र को कई स्थानों पर पीछे धकेल दिया था। इसी वजह से आज भी गोवा में बहुत से स्थानों का नाम वाणावली, वाणस्थली इत्यादि हैं। उत्तरी गोवा में हरमल के पास भूरे रंग के एक पर्वत को परशुराम के यज्ञ करने का स्थान माना जाता है। गोवा के मनभावन समुद्री किनारों की बात करें तो इनमें पणजी से 16 किलोमीटर दूर कलंगुट बीच, उसके पास बागा बीच, पणजी बीच के निकट मीरामार बीच, जुआरी नदी के मुहाने पर दोनापाउला बीच प्रमुख हैं। इसके अलावा दूसरी दिशा की ओर देखेंगे तो कोलवा बीच पर मानसून के समय पर्यटक बड़ी तादाद में जुटते हैं।

वाल्मीकि जयंती पर आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम

कट्टर पंथी आक्रांताओं की यातनाएं झेलनी पर सनातन की राह पर बने रहे महर्षि वाल्मीकि

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। महर्षि वाल्मीकि के प्रकाट्य दिवस पर जिला कोऑपरेटिव बैंक के सभागार में विश्व हिंदू परिषद के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ कबीर मठ के पूज्य संत निष्ठा साहेब, विश्व हिंदू परिषद विधि प्रकोष्ठ पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र संयोजक बृजेंद्र सिंह, प्रांत पूर्णकालिक सामाजिक समरसता प्रमुख धर्मेंद्र सिंह, वाल्मीकि समाज के मुखिया तिलक चंद्र चौधरी व जिला अध्यक्ष रामनाथ मौर्य ने संयुक्त रूप से महर्षि वाल्मीकि के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

पूज्य संत निष्ठा साहब ने आशीर्वचन में कहा कि वाल्मीकि समाज समाज का सजग प्रहरी है जिन्होंने कट्टरपंथी आक्रांताओं की यातनाएं झेलना पसंद किया लेकिन धर्मांतरण स्वीकार नहीं किया। वाल्मीकि समाज हिंदू समाज का गौरव है। जाति मानना व बनाना छोड़ दें। शून्य पर स्वामी विवेकानंद ने शिकागो के सम्मेलन में भारत का सिर ऊंचा कर दिया।

मुख्य वक्ता विधि प्रकोष्ठ के क्षेत्र संयोजक बृजेंद्र सिंह ने कहा कि दलित शब्द पीड़ा देता है। अंग्रेजों ने महर्षि वाल्मीकि को प्रथम इतिहासकार बताया है।वाल्मीकि समाज का सबसे कम धर्मांतरण हुआ।

मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत ने कहा कि अच्छी परंपराओं का संरक्षण कर आगे बढ़ना ही विहिप का कार्य है। विपरीत परिस्थितियों में भी वाल्मीकि समाज ने भारत की प्राचीन संस्कृति सभ्यता को बचाए रखा। धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि भगवान राम ने शबरी के झूठे बेर खाकर सामाजिक समझौता का संदेश दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वाल्मीकि समाज के मुखिया तिलक चंद्र चौधरी एवं संचालन जिला मंत्री राहुल कुमार ने किया। इस अवसर पर विभाग संगठन मंत्री इंद्रेश जिलाध्यक्ष रामनाथ मौर्य जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह बजरंग दल संयोजक राहुल विक्रम जिला सामाजिक समस्या प्रमुख मनीष कनौजिया प्रांत सामाजिक समरसता टोली सदस्य बृजेश बस उसमें पारसनाथ नेहा मिश्रा कमलेश शुक्ला अमित गुप्ता देवराज त्रिपाठी संदीप गुप्ता अवधेश अग्रवाल विनय वर्मा नगर अध्यक्ष राजेंद्र जायसवाल नगर मंत्री अभिनव रस्तोगी सौरभ महंत मोनू दास उदय प्रताप विनय सिंह राहुल वाल्मीकि अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के जिला अध्यक्ष रमेश वाल्मीकि संतोष अवस्थी तुलसीराम चौहान सहित तमाम लोगों उपस्थित रहे।

रामलीला के भव्य आयोजन में उमड़ा आस्था का सैलाब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देवा बाराबंकी । कस्बा देवा स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर परिसर मंगलवार को रामलीला की भव्य प्रस्तुतियों से गूंज उठा। इस अवसर पर कलाकारों ने सीता हरण, लंका दहन और रावण वध जैसे प्रमुख प्रसंगों का जीवंत मंचन कर दर्शकों का मन मोह लिया।

रामलीला के समापन पर रावण का विशाल पुतला दहन किया गया, जिसे देखने के लिए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु और दर्शक जुटे। भीड़ के चलते सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस ने विशेष सतर्कता बरती और पर्याप्त संख्या में बल तैनात किया आयोजन समिति के रमाशंकर शुक्ला, संतराम यादव और गोलू गोस्वामी सहित अन्य पदाधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे और मंच संचालन का निरीक्षण किया। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने बड़े उत्साह के साथ विभिन्न प्रसंगों का आनंद लिया मंदिर परिसर जय श्रीराम के नारों और भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। दर्शकों ने रामलीला के दौरान कलाकारों के अभिनय की जमकर सराहना की। आयोजन समिति ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष की भांति इस साल भी लोगों को रामकथा का संदेश देने और सांस्कृतिक मनोरंजन प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

सनातन हिंदू वाहिनी की नियुक्तियां, ऋतुराज बसंत अध्यक्ष, संदीप सचिव, आकाश प्रभारी नियुक्त

बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिले में सनातन हिंदू वाहिनी ने अपने संगठन का विस्तार करते हुए नई नियुक्तियां की हैं। कोठी थाना क्षेत्र के नसीरपुर गांव निवासी ऋतुराज बसंत लाल को बाराबंकी का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही संदीप वर्मा को जिला सचिव और आकाश वर्मा को जिला प्रभारी का कार्यभार सौंपा गया है। संगठन ने इन कार्यकर्ताओं को सनातन धर्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जोड़ा है। इनका मुख्य कार्य हिंदुओं को एकत्रित कर संगठन से जोड़ना और उनकी परंपरागत रस्मों का निर्वहन करना होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष परम पूज्य सुरेंद्रनाथ महाराज और उत्तर प्रदेश अध्यक्ष महंत औघड़ संजय नाथ योगी महाराज के आदेशानुसार, इन नियुक्तियों का लक्ष्य हिंदुओं को एकजुट करना है। संगठन सभी ब्लॉक और तहसील स्तर पर इकाइयों का गठन कर सनातन हिंदू वाहिनी को शिखर पर पहुंचाने का काम करेगा। इसी मकसद से जिले में सदस्यता अभियान तेजी से चलाया जा रहा है और अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ा जा रहा है। इन नियुक्तियों की खबर मिलते ही ऋतुराज बसंत लाल वर्मा, संदीप वर्मा और आकाश वर्मा के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई, और उन्होंने मिठाइयां बांटकर एक-दूसरे को बधाइयां दीं।

ऑटो सवार महिला से मंगलसूत्र ले उड़े बदमाश

निंदूरा बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिले में ऑटो सवार महिला यात्रियों से चुनौती की घटनाएं थम? नही रही है। कुर्सी थाना अंतर्गत एक महिला से मंगलसूत्र छीने जाने का मामला सामने आया है जूही कश्यप पत्नी विपिन निवासी ग्राम सरसौली, थाना सिधौली सीतापुर से मंगलसूत्र गहने उसे समय छीन लिए गए जब ऑटो से देवा जा रही थी। इस बाबत पीड़िता ने थाना कुर्सी में तहरीर दी है।थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज किया गया है।

सिटी इंटर कॉलेज संस्थापक बाबू रामेश्वरी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। शहर के सिटी इंटर कॉलेज, बाराबंकी के संस्थापक बाबू रामेश्वरी प्रसाद श्रीवास्तव की जयंती आज कचहरी में मनाई गई। इस अवसर पर धर्मजागरण बाराबंकी धाम उ. प्र. संयोजक अमित अवस्थी अधिवक्ता ने लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि बाबू रामेश्वरी प्रसाद श्रीवास्तव का जन्म 6 अक्टूबर 1876 को हुआ था। वह दीवानी के अधिवक्ता थे। जनपद मुख्यालय के दरियाबाद से बाराबंकी स्थानांतरण पर उन्होंने नए-नए शहर बाराबंकी के लिए अपनी समस्त भूमि पर सिटी इंटर कॉलेज का निर्माण किया जिसमें उनकी मूर्ति बाद में लगाई गई, आगे चलकर लाखों बच्चों ने इस विद्यालय में शिक्षा ग्रहण की। इस अवसर पर सिटी इंटर कॉलेज में पढ़े अधिवक्ता राकेश श्रीवास्तव को अधिवक्तागण सुरेश चंद गौतम, आदित्य प्रसाद श्रीवास्तव, राजेश मिश्र, सौरभ द्विवेदी, रंजीत वर्मा आदि की उपस्थिति में अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित कर उपस्थित लोगों में मिष्ठान वितरण किया गया।

वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान में 49 लाख हस्ताक्षर करा कर दिल्ली भेजेगी यूपी कांग्रेस

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नवम्बर में उत्तर प्रदेश में होने जा रहे शिक्षक/स्नातक के विधानपरिषद चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस ल्वोट चोर, गद्दी छोड़ङ्क हस्ताक्षर अभियान को और तेज करेगी। पार्टी ने लक्ष्य रखा है कि प्रदेश से 49 लाख हस्ताक्षर जुटाकर दिल्ली भेजे जाएंगे प्रदेश कार्यालय में आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने की, जबकि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में संगठन की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करते हुए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। साथ ही, 2026 में होने वाले स्नातक/शिक्षक विधान परिषद चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए रणनीति तय की गई बैठक में निर्णय लिया गया कि एमएलसी चुनाव के पहले चरण में प्रदेशभर में 2 लाख 25 हजार नए मतदाता जोड़े जाएंगे। इसके लिए जिला और शहर अध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय अभियान चलाकर शिक्षकों, छात्रों और बुद्धिजीवी वर्ग से संपर्क करने और उन्हें कांग्रेस के पक्ष में जोड़ने के निर्देश दिए गए।

अजय राय ने कहा कि चुनावों में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। ल्हमें शिक्षकों, छात्रों और नौजवानों से सीधा संवाद स्थापित कर यह भरोसा दिलाना होगा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से उनके अधिकारों, शिक्षा की मजबूती और बेरोजगारी दूर करने के लिए संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी।

ओम साईं डिजिटल वातानुकूलित लाइब्रेरी का शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिद्धौर बाराबंकी। शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिकता की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए कोठी थाना क्षेत्र के अंतर्गत बाराबंकीऽहैदरगढ़ मार्ग पर गंगा देवी डिग्री कॉलेज के सामने पूरे रुद्रा कोठी गांव में ओम साईं डिजिटल वातानुकूलित लाइब्रेरी का उद्घाटन मंगलवार को समाजसेवी आनंद पटेल ने फीता काटकर किया।

पूरी तरह वातानुकूलित यह लाइब्रेरी वाई-फाई, डिजिटल अध्ययन सामग्री, और शांत अध्ययन वातावरण जैसी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके खुलने से ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को अब पढ़ाई के लिए शहर या जिले तक नहीं जाना पड़ेगा। कम खर्च में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा-सुविधा उपलब्ध होने से विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल है।

उद्घाटन अवसर पर थाना प्रभारी अमित सिंह भदौरिया, उपनिरीक्षक अशोक कुमार यादव, शिवसागर तिवारी, बाल विकास विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य विक्रम सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख परमेश वर्मा, डॉ. राजमणि वर्मा, रामकुमार, सरवन चौहान सहित क्षेत्र के कई सम्मानित नागरिक मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे पुस्तकालय ग्रामीण प्रतिभाओं के भविष्य को नई उड़ान देंगे।

देवा पुलिस की सतर्कता से तीन साल की मासूम अलीजा सकुशल मिली, परिजनों ने जताया आभार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देवा, बाराबंकी। कस्बा देवा के कर्बला शरीफ मोहल्ले में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया जब तीन वर्षीय अलीजा अचानक लापता हो गई। बताया जाता है कि अलीजा के पिता सफी उल्ला अपनी पत्नी की दवा लेने घर से निकले थे, तभी कुछ देर बाद बच्ची घर से गायब हो गई। परिजनों ने आसपास के इलाकों में खोजबीन की, लेकिन बच्ची का कोई सुराग नहीं मिला। घबराए परिजनों ने इसकी सूचना थाना देवा पुलिस को दी। सूचना मिलते ही एंटी रोमियो टीम और पीआरवी टीम मौके पर पहुंची और तेजी से तलाश अभियान शुरू किया। पुलिस ने क्षेत्र के गलियों, मेला परिसर और आस-पास के रास्तों पर खोजबीन की। करीब एक घंटे के अथक प्रयास के बाद टीम ने अलीजा को सुरक्षित बरामद कर लिया एंटी रोमियो टीम में महिला आरक्षी शीतल सिंह, अंकिता दुबे तथा पीआरवी के जवान बींरेंद्र कुमार शामिल रहे। पुलिस ने बच्ची को सकुशल उसके पिता सफी उल्ला के सुपुर्द कर दिया परिजनों ने देवा पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि यदि पुलिस ने समय पर तत्परता नहीं दिखाई होती, तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी। वहीं थाना प्रभारी देवा ने कहा कि किसी भी नागरिक की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जन्म जयंती पर श्रद्धा से याद किए गए संत कवि बैजनाथ जी

राभाप तत्वावधान में भावांजलि समर्पण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। राम कथा साहित्य के महान भाष्यकार सन्त कवि बैजनाथ को 193 वीं जयन्ती पर राष्ट्रभाषा-परिषद के तत्वावधान में भावांजलि समर्पण'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्थानीय इन्दिरा बाजार स्थित सन्तकवि बैजनाथ उद्यान में स्थापित सन्त कवि बैजनाथ जी की प्रतिमा पर फूल-मालायें चढ़ाकर उपस्थित साहित्यकार विद्वत्जनों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्र भाषा परिषद द्वारा सम्पन्न भावांजलि-समर्पण' कार्यक्रम का शुभारंभ तुलसी-साहित्य के अध्येता डॉ. वृज किशोर पाण्डेय की अध्यक्षता और राष्ट्रभाषा परिषद के अध्यक्ष अजय सिंह गुरुजी' के संचालन में डॉ अम्बरीष अम्बर' की वाणी वन्दना से हुआ। कार्यक्रम में प्रदीप सारंग, साहब नरायन शर्मा, प्रदीप महाजन, रणधीर सिंह, सुभाष चन्द्र वर्मा, रमेश चन्द्र भारती, डॉ ओपी वर्मा ओम, आदि ने काव्य पाठ कर अपनी भावांजलि प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ वृज किशोर पाण्डेय ने कहा कि सन्तकवि बैजनाथ राम कथा साहित्य के पारदर्शी विद्वान थे। इन्होने गोस्वामी तुलसी दास कृत 16 ग्रन्थों की टीका व भाष्य लिखा। वे तुलसी साहित्य सहित महर्षि वाल्मीकि रचित वाल्मीकि रामायण तथा महर्षि व्यास कृत 'अध्यात्म रामायण' को खोज कर उनका सुसम्पादन करते हुए टीका लिखी । इस अवसर पर प्रख्यात साहित्य?कार विनय दास, डॉ श्याम सुन्दर दीक्षित, समाज-सेवी डा. सुधीर वर्मा, धीरेन्द्र कुमार वर्मा, दिनेश कुमार सिंह, ओम प्रकाश सिंह, अधिवक्ता राम लखन शुक्ल ने सन्त कवि बैजनाथ जी के व्यक्तित्व के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। नगर पालिका अध्यक्ष के प्रतिनिधि सुरेन्द्र सिंह वर्मा ने सन्त कवि की पार्क के सुन्दरीकरण तथा प्रतिमा पर छतरी बनाये जाने की घोषणा की।

रूदौली वापसी, टोल माफी की मांग अधिवक्ताओं का जोरदार प्रदर्शन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी।जिला बार एसोसिएशन के तत्वावधान में अधिवक्ताओं ने रुदौली वापसी व टोल टैक्स माफ करने, जिले को लखनऊ मंडल में शामिल करने तथा अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने संबंधी चार सूत्रीय मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। और ज्ञापन जिला अधिकारी के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार व भारत सरकार को प्रेषित किय ।जिला बार अध्यक्ष नरेंद्र वर्मा , महामंत्री रामराज यादव द्वारा हस्ताक्षरित ज्ञापन में बताया कि मायावती सरकार ने रुदौली तहसील को जिले से अलग कर फैजाबाद में शामिल कर दिया था तब से लगातार जिले के अधिवक्ता मांगों का ज्ञापन दे रहे हैं। जिले को अयोध्या के स्थान पर लखनऊ मंडल में शामिल करने के संबंध में बताया कि जनपद से लखनऊ मंडल की दूरी 30 किलोमीटर है जबकि अयोध्या मंडल 100 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। ऐसी दशा में अधिवक्ताओं व वादकारियों को न्याय पाने हेतु काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ।इसके साथ ही वकीलों ने अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने के संबंध में बताया कि वकीलों के साथ लगातार अपराधिक घटनाएं हो रही हैं तथा उनका उत्पीड़न भी हो रहा है ।जबकि अधिवक्ता समाज जनमानस को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका तय करते है तथा उन्हें न्यायिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण अंग माना जाता है ।इसके बाद भी वह सुरक्षित नहीं है ।इसके अलावा वकीलों ने भूतल परिवहन सड़क मंत्री भारत सरकार को दिए गए ज्ञापन में हाईवे टोल टैक्स माफ करने के संबंध में बताया कि जनपद में दो टोल टैक्स संचालित है जनपद में आने वाले अधिवक्ताओं को टोल टैक्स देना पड़ता है जो कि कोर्ट ऑफिसर की श्रेणी में आते हैं । उनसे टोल टैक्स लिया जाना न्याय संगत नहीं है ।ज्ञापन देने के दौरान उपाध्यक्ष पवन कुमार मिश्रा ,अनुराग शुक्ला, देवराम यादव ,नवीन कुमार रस्तोगी, रमेश चंद भारती ,ओम प्रकाश श्रीवास्तव ,गौरव कुमार गुप्ता ,अंशुमान सिंह, सी बी सिंह , रमनलाल द्विवेदी ,सहदेव मौर्य ज्ञान शुक्ला, दौलता कुमारी समेत सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

टिकैतगंज में रामलीला का भव्य मंचन

समुद्र पर सेतु निर्माण और राम-रावण युद्ध रहा आकर्षण का केंद्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी।विकास खंड क्षेत्र के कस्बा टिकैतगंज में आयोजित प्रसिद्ध दशहरा मेला में इस वर्ष भी परंपरा और आस्था का अद्भुत संगम दृष्टिगोचर था।कुर्सी विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा ने प्रभु श्रीराम व भैया लक्ष्मण की आरती उतारा। वंदन अभिनंदन किया। विधायक श्री वर्मा ने कहा कि हम सभी को भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उपस्थित जनसमूह के प्रति कृतज्ञता प्रकट कर कहा कि हर वर्ष इस रामलीला मैदान को सजाकर आप सब भव्य आयोजन करते हैं। मेरा प्रयास होगा कि मैं इस रामलीला मैदान के सौंदर्य और विकास के लिए कुछ योगदान दे सकूं।मोहसंड ग्राम पंचायत अंतर्गत आयोजित इस दशहरा मेला में सुयोग्य कलाकारों ने पंचवटी को सजाया संवारा और राम रावण युद्ध लीला का आकर्षक मंचन किया। मनोहारी दृश्य जनमानस मंत्र मुग्ध हुए बिना नहीं रहा।सीता हरण, सुग्रीव मित्रता, हनुमान मिलन, लंका दहन, लक्ष्मण-मेघनाथ युद्ध जैसे प्रसंगों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। आसपास के गांवों सहित दूर-दराज़ से आए दुकानदारों के प्रतिष्ठानों से मेला परिसर सजा था।बच्चे और महिलाएं झूलों, मिठाइयों और झांकियों का आनंद लेते नजर आए। टिकैतगंज की रामलीला का इतिहास करीब 140 वर्ष पुराना बताया जाता है। इसका मुख्य आकर्षण समुद्र पर सेतु निर्माण व दौड़ता रावण होता है। स्थानीय नागरिक पीठ से पीठ जोड़कर सेतु निर्मित करते हैं, जिस पर से होकर भगवान राम व लक्ष्मण लंका को प्रस्थान करते हैं।

रावण का विशाल पुतला लकड़ी की ट्रॉली पर पहियों के सहारे चलायमान उसे सैकड़ों लोग रस्सियों से आगे बढ़ाते हैं। अद्भुत परिदृश्य को देखने सीमा पार से भी भीड़ उमड़ती है । इस अवसर पर शिव दयाल जयसवाल, प्रदीप रावत,श्रीश रावत, विशाल सिंह, सुनील विश्वकर्मा, शिवम गुप्ता, मुकेश सिंह, पवन गुप्ता, अनु मौर्य, राम गुप्ता ,राजेश सिंह आज गढ़मन उपस्थित रहे।

धूमधाम से परंपरा गत मनाई गई महर्षि वाल्मीकि की जयंती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। महर्षि वाल्मीकि की जयंती जनपद भर में पूर्ण श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मनाई गई।

''रामनगर '': ऋषि वाल्मीकि मंदिर रामनगर में विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान में महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती उत्साहपूर्वक परिषद कार्यकर्ताओं द्वारा मनाई गई।कार्यक्रम में राहुल वर्मा व राजू वाल्मीकि ने सभी के साथ आदि कवि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजन अर्चन किया।अगले क्रम में वाल्मीकि समाज के लोगों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।इस दौरान रमाकांत वर्मा कृष्ण कुमार निगम सुमित्रा प्रसाद शुक्ला दिलीप सोनी श्रीकांत त्रिपाठी अभिषेक हरिप्रसाद आशुतोष गुड्डू अनमोल संगम व अमित वाल्मीकि उपस्थित रहे। ''सिरौली गौसपुर'' कुंतीश्वर धाम मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उपस्थित लोगों को वाल्मीकि जी के जीवन और उनके योगदान के बारे में जानकारी दी।कार्यक्रम का आयोजन प्रभारी खंड विकास अधिकारी जयराम वाल्मीकि के संयोजन में किया गया। इस अवसर पर रामसागर कनौजिया, अमित भैया राम जी दयाशंकर शुक्ल, रविंद्र अवस्थी मेड़ीलाल मौर्य, जयचंद यादव प्रहलाद कुमार विमल, मुकेश यादव, प्रवेश यादव संदीप मौर्य, अनिल कनोजिया, रामसागर कनौजिया श्रवण सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति और सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मसौली '' चौराहा पर उत्तर प्रदेश सफाई कर्मचारी संघ के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष सचिन वाल्मीकि की अगुवाई में वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। जयंती अवसर पर आरक्षी आकाश मौर्या अनीस , सचिन वाल्मिकि अनिल वाल्मिकि सावित्री देवी, सुमन ,मनीष वाल्मिकि सतीष,मुस्कान, वेदिका,राकेश,दीपक ने पुष्प अर्पित किया। ''रामसनेहीघाट'':तहसील परिसर में महर्षि वाल्मीकि जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर नायब तहसीलदार उमेश द्विवेदी व नायब तहसीलदार सुधाकर पांडेय तथा नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर माल्यार्पण कर वाल्मीकि जी के जीवन और उनके योगदान के बारे में जानकारी दी।इस अवसर पर साहुल मनोज भारती,विकास, अभिषेक , करण,ओम,ललितसहित वाल्मिक समुदाय के लोग एवं नगर पंचायत के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

महिला विश्व कप मैच में पाकिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी

कोलंबो। अपने अभियान की शानदार शुरुआत करने वाला ऑस्ट्रेलिया बुधवार को यहां आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप मैच में पाकिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा। पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट में लय हासिल करने के लिए जूझ रही है।

इस वैश्विक प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया का शानदार प्रदर्शन अन्य टीम के प्रदर्शन से बिल्कुल अलग रहा है। एलिसा हीली की अगुवाई वाली टीम अब तक टूर्नामेंट में 300 से अधिक का स्कोर बनाने वाली एकमात्र टीम रही है और पिछले दो मैच में बांग्लादेश और भारत के खिलाफ कमजोर दिखे पाकिस्तान के खिलाफ एक और बड़ा स्कोर खड़ा कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया ने 300 से अधिक का स्कोर खड़ा करने के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन की आसान जीत दर्ज की थी। टीम की नजरें रिकॉर्ड में सुधार करने वाले आठवें विश्व कप खिताब पर टिकी हैं। हालांकि सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली, बेथ मूनी और एनाबेल सदरलैंड जैसी बल्लेबाज लड़खड़ा रही हैं लेकिन एश्ले गार्डनर ने इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में शानदार शतक जड़कर अंत में मुकाबला एकतरफा बना दिया। एनाबेल सदरलैंड की तेज गेंदबाजी और सोफी मोलिन्यु की स्पिन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने गेंदबाजी विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है और इंग्लैंड, भारत तथा दक्षिण अफ्रीका जैसी कड़ी टीमों से मुकाबला करने से पहले टीम पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अपनी रणनीति को और मजबूत करने की कोशिश करेगी। भारत के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला ने ऑस्ट्रेलिया को उपमहाद्वीप के मैदानों पर कड़ी मेहनत के लिए अच्छी तरह तैयार किया है और पाकिस्तान के उसे परेशान करने की संभावना नहीं है। बांग्लादेश और भारत के खिलाफ हार के बाद पाकिस्तान आठ टीम के टूर्नामेंट में अभी अंतिम स्थान पर है। हालांकि शनिवार को आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ रद्द हुआ मैच ऑस्ट्रेलिया के लिए निराशाजनक रहा क्योंकि इसने टीम से दो अंक अर्जित करने और तालिका में शीर्ष पर पहुंचने का मौका छीन लिया। फातिमा सना की अगुआई वाली पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश (सात विकेट से हार) और भारत (88 रन से हार) के खिलाफ मैच में खेल के सभी विभागों में कमजोर साबित हुई। टीम की बल्लेबाजी में गहराई की कमी और मध्यक्रम में अच्छे बल्लेबाजों की अनुपस्थिति के कारण पाकिस्तान टूर्नामेंट में अब तक दो मैच में 200 रन के आंकड़े को भी नहीं छू पाया है। इन दो मैच में सिदरा अमीन, फातिमा सना और मुनीबा अली जैसी स्टार बल्लेबाज संघर्ष करती दिखीं। कप्तान सना और डायना बेग की अगुवाई में टीम की गेंदबाज बांग्लादेश के खिलाफ लाइन और लेंथ के लिए जूझती दिखीं और 18 अतिरिक्त रन दे बैठीं। हालांकि चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ गेंदबाजों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

महिला विश्व कप: विशाखापत्तनम की संतुलित पिच से भारतीय बल्लेबाजों को मिलेगी राहत

एजेंसी

विशाखापत्तनम। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां दो महत्वपूर्ण मैच खेलने वाली भारतीय टीम के बल्लेबाजों को संतुलित पिच से मिलने वाली मदद से राहत मिलेगी क्योंकि मेजबान टीम की बल्लेबाज मौजूदा महिला क्रिकेट विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम बृहस्पतिवार को दक्षिण अफ्रीका और 12 अक्टूबर को गत विजेता ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां एसीए-वीडीसीए स्टेडियम में भिड़ेगी। यह मैदान 23 जनवरी 2014 को श्रीलंका के खिलाफ भारत के मैच के बाद 11 साल के अंतराल पर किसी महिला एकदिवसीय मैच की मेजबानी कर रहा है। आंध्र क्रिकेट संघ (एसीए) के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया, ''अगर आप आईपीएल सहित पिछले कुछ मैचों पर नजर डालें तो पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार होगी। अगर ओस नहीं होगी तो गेंदबाजों, विशेषकर स्पिनरों को मैच आगे बढ़ने पर कुछ मदद मिलेगी। यहां टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में आम तौर पर बड़े स्कोर देखने को मिलते हैं क्योंकि भारतीय पुरुष टीम और दिल्ली कैपिटल्स (आईपीएल में) दोनों ही 200 से अधिक रन का लक्ष्य हासिल करने में सफल रहे हैं। पुरुषों के वनडे में 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत का पांच विकेट पर 387 रन का स्कोर इस स्टेडियम पर सर्वोच्च स्कोर है। इस स्टेडियम में चार बार 320 से अधिक और छह बार 280 से 299 के बीच स्कोर बना है। भारतीय महिला टीम इन आंकड़ों का तहे दिल से स्वागत करेगी क्योंकि उसे आईसीसी के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में गुवाहाटी और कोलंबो में क्रमशः आठ विकेट पर 269 रन (श्रीलंका के खिलाफ) और 247 रन (पाकिस्तान के खिलाफ) बनाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 12 अक्टूबर को होने वाले मैच से पहले एसीए-वीडीसीए स्टेडियम के स्टैंड को पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज और विकेटकीपर रवि कल्पना का नाम दिया जाएगा। यह फैसला भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना द्वारा अगस्त में 'ब्रेकिंग द बाउंड्रीज' कार्यक्रम के दौरान आंध्र प्रदेश के आईटी मंत्री नारा लोकेश को दिए गए सुझाव के बाद लिया गया। एसीए ने एक बयान में कहा, ''मिताली राज और रवि कल्पना को एसीए की सराहना उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिन्होंने भारत में महिला क्रिकेट को नया रूप दिया है और साथ ही अगली पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया है। मिताली ने 232 एकदिवसीय मैच में 50.68 की औसत से सात शतक के साथ 7805 रन बनाए जबकि उन्होंने 89 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 17 अर्द्धशतक के साथ 2364 रन जोड़े। उन्होंने 2022 में संन्यास लेने से पहले 12 टेस्ट मैच भी खेले जिनमें 43.68 के औसत से 699 रन बनाए। कल्पना ने 2015 और 2016 के बीच सात एकदिवसीय मैच खेले लेकिन भारतीय टीम में उनके आने से इस क्षेत्र की कई क्रिकेटरों को प्रेरणा मिली जिनमें अरुंधति रेड्डी, एस मेघना और एन श्री चरणी शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रमंडल चैंपियन अजय बाबू विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप के पुरुष 79 किग्रा वर्ग में 16वें स्थान पर

फोर्डे (नॉर्वे)। राष्ट्रमंडल चैंपियन भारोत्तोलक अजय बाबू वल्लूरी यहां विश्व चैंपियनशिप में पुरुष 79 किग्रा वर्ग में 16वें स्थान पर रहे जिससे मीराबाई चानू के 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक के बाद भारतीय खिलाड़ी प्रभावित करने में नाकाम रहे। बीस साल के अजय ने कुल 323 किग्रा (146 किग्रा स्नैच और 177 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाया और सोमवार को 39 प्रतिभागियों के बीच 16वां स्थान हासिल किया। उन्होंने अगस्त में अहमदाबाद में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में उठाए कुल 335 किग्रा (152 किग्रा और 183 किग्रा) वजन से 12 किग्रा वजन कम उठाया। उन्होंने अहमदाबाद में जीत की बदौलत अगले साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई किया था। इंडोनेशिया के रिज्की जुनैनसियाह ने क्लीन एवं जर्क में रिकॉर्ड 204 किग्रा और स्नैच में 162 किग्रा के साथ कुल 361 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में 73 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। उत्तर कोरिया के री चोंग सोंग ने कुल 360 किग्रा (163 किग्रा और 197 किग्रा) वजन उठाकर रजत पदक जीता जबकि मिस्र के मोहम्मद यूनिस (162 किग्रा और 198 किग्रा) ने भी इतना ही वजन उठाकर काउंटबैक में कांस्य पदक हासिल किया। रविवार को भारत के अजीत नारायण और सेरम निरुपमा देवी क्रमशः पुरुष 71 किग्रा और महिला 63 किग्रा वर्ग में समान नौवें स्थान पर रहे थे। अजीत ने कुल 320 किग्रा (145 किग्रा और 175 किग्रा) जबकि निरुपमा देवी ने कुल 216 किग्रा (93 किग्रा और 123 किग्रा) वजन उठाया। पूर्व चैंपियन मीराबाई ने प्रतियोगिता के पहले दिन महिला 48 किग्रा वर्ग में कुल 199 किग्रा (84 किग्रा स्नैच और 115 किग्रा क्लीव एवं जर्क) वजन उठाकर रजत पदक जीता था।

सीतारमण ने 'गिफ्ट सिटी' में विदेशी मुद्रा निपटान प्रणाली की शुरुआत की

मुंबई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'गिफ्ट आईएफएससी' में विदेशी मुद्रा निपटान प्रणाली की मंगलवार को शुरुआत की जो वास्तविक समय में निर्बाध लेनदेन की सुविधा प्रदान करेगी। साथ ही यह नगदी प्रबंधन को बेहतर बनाएगी और अनुपालन सुनिश्चित करेगी। विदेशी मुद्रा लेनदेन वर्तमान में आमतौर पर 36 से 48 घंटों के अंतराल में पूरा हो पाता है। 'ग्लोबल फिनटेक फ़ेस्ट 2025' में वित्त मंत्री ने कहा कि विदेशी मुद्रा निपटान प्रणाली के संचालन के साथ 'गिफ्ट सिटी' हांगकांग, तोक्यो, मनीला सहित कुछ अन्य चुनिंदा वित्तीय केंद्रों की सूची में शामिल हो गई है जिनके पास स्थानीय स्तर पर विदेशी मुद्रा लेनदेन को पूरा करने का बुनियादी ढांचा है। सीतारमण ने कहा कि वित्तीय प्रौद्योगिकी ने देश में वित्त का लोकतंत्रीकरण किया है। मंत्री ने कहा कि भारत वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों में तीसरे स्थान पर है और दुनिया के आधे वास्तविक समय के डिजिटल लेनदेन करता है। सरकार की नीति संतुलित दृष्टिकोण के माध्यम से वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) क्षेत्र को बढ़ाने में भूमिका निभाने की रही है। सीतारमण ने कहा, '' हम एक कोने में रहकर देखना पसंद करेंगे। हम कोने में रहकर मदद करना पसंद करेंगे३ हमें व्यवसायों को सक्षम बनाना है, उनकी प्रगति में बाधा नहीं डालनी। उन्होंने कहा कि देश में वित्तीय प्रौद्योगिकी ने न केवल भुगतान को डिजिटल बनाया है बल्कि वित्त का लोकतंत्रीकरण भी किया है। इससे लाखों लोगों को पारदर्शिता के साथ बचत करने, निवेश करने, उधार लेने एवं बीमा करने का अधिकार मिला है। सीतारमण ने कहा कि देश ने 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर के 'इंडिया एआई मिशन' के साथ कृत्रिम मेधा (एआई) के वैश्विक क्षेत्र में दृढ़ता के साथ कदम रखा है जो नवाचार एवं प्रौद्योगिकी के प्रति देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वित्त मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रौद्योगिकी को हथियार बनाने से बचना चाहिए और इसका इस्तेमाल जनहित में करना चाहिए। सीतारमण ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) ने वित्त और कामकाज करने के तरीके को बदल दिया है लेकिन इस प्रौद्योगिकी के कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। उन्होंने कहा, '' यद्यपि एआई असाधारण संभावनाओं के द्वार खोलता है, हमें इसके अंधकारमय पक्ष का सामना करना होगा। नवाचार को शक्ति प्रदान करने वाले उन्हीं उपकरणों का उपयोग धोखे एवं धोखाधड़ी के लिए भी किया जा सकता है। मैं इसे व्यक्तिगत नहीं बना रही हूं, लेकिन मैं कह सकती हूं कि मैंने अपने कई 'डीपफ़ेक' वीडियो देखे हैं जिन्हें ऑनलाइन प्रसारित किया जा रहा है..नागरिकों को गुमराह करने और तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने के लिए उनका इस्तेमाल किया जा रहा है। 'डीपफ़ेक' में अकसर कृत्रिम मेधा के जरिये किसी व्यक्ति की तस्वीर, वीडियो या आवाज को इस तरह बदला जाता है कि वह असली लगे लेकिन असल में वह नकली होती है। वित्त मंत्री ने साथ ही बताया कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) से सरकार ने 4.31 लाख करोड़ रुपये की बचत की है। सार्वजनिक धन अब उन लोगों तक पहुंचता है जो इसके हकदार हैं, न कि किसी छद्म संस्था तक।

नवरात्रि में वाहनों की खुदरा बिक्री 35 प्रतिशत बढ़ी सितंबर में बिक्री में छह प्रतिशत की वृद्धि

नयी दिल्ली। यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री इस साल नौ दिन की नवरात्र अवधि में सालाना आधार पर 35 प्रतिशत बढ़ी जिससे पिछले महीने कुल पंजीकरण में छह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वाहन डीलर के संगठन फाडा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। फ़ेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार, सितंबर महीने के पहले 21 दिन में बिक्री धीमी रही और 22 सितंबर को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरें लागू होने के बाद इसमें तेजी आई। नवरात्रि के दौरान यात्री वाहन की कुल खुदरा बिक्री 2,17,744 इकाई रही जबकि पिछले वर्ष नवरात्रि अवधि में यह 1,61,443 इकाई रही थी। वाहन डीलर के संगठन के अनुसार, इस उच्च बिक्री के कारण सितंबर में यात्री वाहन खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 2,82,945 इकाई से छह प्रतिशत बढ़कर 2,99,369 इकाई हो गई। 22 सितंबर के बाद नई जीएसटी दर लागू होने के बाद कीमतों में कटौती की उम्मीद कर रहे ग्राहकों ने महीने के पहले हिस्से में खरीदारी नहीं की। फाडा के उपाध्यक्ष साई गिरिधर ने बयान में कहा, '' देश के मोटर वाहन खुदरा उद्योग के लिए सितंबर 2025 एक असाधारण रूप से अनूठा महीना था। पहले तीन सप्ताह काफी हद तक शांत रहे क्योंकि ग्राहक जीएसटी 2.0 सुधारों की प्रत्याशा में पीछे हट गए। हालांकि, अंतिम सप्ताह में स्थिति नाटकीय रूप से बदल गई क्योंकि नवरात्रि उत्सव कम जीएसटी दरों के कार्यान्वयन के साथ मेल खाता था जिससे ग्राहक भावना में सुधार हुआ और अधिकतर वाहन श्रेणियों की बिक्री में तेजी आई। उन्होंने कहा कि परिणामस्वरूप माह का अंत कुल मिलाकर पांच प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ हुआ जिसमें तिपहिया और निर्माण उपकरण को छोड़कर सभी खंडों में सकारात्मक गति देखी गई।

भारत के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला के लिए स्टार्क की ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी

एजेंसी

मेलबर्न। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की 19 अक्टूबर से भारत के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैच की घरेलू श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है जबकि पैट कमिंस की अनुपस्थिति में मिचेल मार्श टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। पिछले महीने टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से संन्यास लेने वाले स्टार्क वेस्टइंडीज के टेस्ट दौरे से लौटने के बाद अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर रहे थे। एशेज से पहले उनके काम के बोझ को सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया जा रहा है। उन्होंने पिछला एकदिवसीय मैच नवंबर 2024 में एडीलेड में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 1-2 से मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई एकदिवसीय टीम में शामिल किए गए चार खिलाड़ियों में से स्टार्क एक हैं। इसके अलावा पदार्पण का इंतजार कर रहे बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ, मैट शॉर्ट और मिच ओवेन को भी टीम में जगह मिली है। शॉर्ट पिछली श्रृंखला में मांसपेशियों में खिंचाव के कारण नहीं खेल पाए थे और ओवेन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय चरण के दौरान कन्कशन (सिर में चोट लगने के कारण बेहोशी जैसी स्थिति) का शिकार हो गए थे। कमिंस की अनुपस्थिति में मार्श एकदिवसीय टीम की कप्तानी जारी रखेंगे जो एशेज की तैयारी के लिए कमर की हड्डी में खिंचाव से उबर रहे हैं। चयनकर्ताओं ने अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी के इरादे से शुरुआती दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए मार्श की अगुवाई में 14 सदस्यीय टीम का भी चयन किया है। एलेक्स कैरी पर्थ में होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला के पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि वह एडीलेड ओवल में क्वींसलैंड के खिलाफ शेफील्ड शील्ड के दूसरे दौर के मैच में खेलेंगे। वह न्यूजीलैंड दौरे के कारण शुरुआती मैच में नहीं खेल पाए थे। जोश इंग्लिस पिंडली में मामूली चोट के बाद टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं जबकि नाथन एलिस अपने पहले बच्चे के जन्म के बाद दोबारा टीम का हिस्सा बने हैं। ग्लेन मैक्सवेल न्यूजीलैंड दौरे पर कलाई में फ्रेक्चर के कारण अब भी उपलब्ध नहीं हैं। कैमरन ग्रीन भारतीय श्रृंखला के एकदिवसीय चरण के बाद पश्चिम ऑस्ट्रेलिया के साथ टेस्ट मुकाबलों की तैयारी करेंगे। चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, ''हमने एकदिवसीय श्रृंखला और टी20 श्रृंखला के शुरुआती दो मैच के लिए टीम की घोषणा कर दी है क्योंकि श्रृंखला के अंत में कुछ प्रबंधन की जरूरत होगी।

ओसाका ने वुहान ओपन में लेला फर्नांडिज को हराया

वुहान (चीन)। नाओमी ओसाका ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मंगलवार को यहां लेला फर्नांडिज को हराकर डब्ल्यूटीए 1000 लेवल वुहान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। वर्ष 2017 के बाद यहां पहली बार खेल रही ओसाका ने सेंटर कोर्ट पर दिन के पहले मैच में फर्नांडिज के खिलाफ 4-6, 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की। ऐमा राडुकानु जब आन ली के खिलाफ 1-6, 1-4 से पिछड़ रहीं थीं तो उन्हें चक्कर आने के कारण मुकाबले के बीच से हटना पड़ा। सोफिया केनिन ने अनास्तासिया जखारोवा को 3-6, 7-6, 6-3 से हराया। वह दूसरे दौर में 16वें नंबर की खिलाड़ी लुइडमिला सैमसोनोवा से भिड़ेंगी जिन्होंने एमिलियाना एरेंगो को 6-1, 7-5 से शिकस्त दी। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक मेरी बुजकोवा के खिलाफ दूसरे दौर के मुकाबले के साथ वुहान टूर्नामेंट में पदार्पण करेंगी।

एयरलाइन इंडिगो 26 अक्टूबर से मुंबई और लंदन हीथ्रो के बीच सीधी उड़ानें शुरू करेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। एयरलाइन इंडिगो 26 अक्टूबर से मुंबई और लंदन हीथ्रो के बीच सीधी दैनिक नॉन-स्टॉप उड़ानें शुरू करेगी, जिसका किराया 22,999 रुपये से शुरू होगा। यह मैनचेस्टर के बाद यूनाइटेड किंगडम में उसका दूसरा गंतव्य होगा। एयरलाइन ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि नई सेवा नॉर्स अटलांटिक एयरवेज से लीज पर लिए गए बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान के जरिए संचालित की जाएगी। विमान में दो-श्रेणी की व्यवस्था होगी, जिसमें इकोनॉमी और इंडिगोस्ट्रेच केबिन शामिल हैं। यात्रियों को मुफ्त गर्म भोजन और पेय पदार्थ मिलेंगे। इकोनॉमी श्रेणी में मादक पेय खरीदने के लिए उपलब्ध होंगे और इंडिगोस्ट्रेच ग्राहकों के लिए मुफ्त होंगे। साथ ही प्रत्येक सीट पर एक सीटबैक मनोरंजन स्क्रीन होगी, जो लगभग 300 घंटे की सामग्री प्रदान करेगी। इंडिगो की वेबसाइट, मोबाइल ऐप और अधिकृत यात्रा भागीदारों के माध्यम से बुकिंग उपलब्ध है। इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने कहा कि अपने आकार और कनेक्टिविटी के लिए प्रसिद्ध प्रमुख वैश्विक केंद्र हीथ्रो में प्रवेश करना एक गौरवपूर्ण उपलब्धि और इंडिगो की वैश्विक उपस्थिति को मज़बूत करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। उन?होंने कहा कि? भारत-यूनाइटेड किंगडम कॉरिडोर लंबे समय से महत्वपूर्ण रहा है, न केवल मज़बूत द्विपक्षीय संबंधों के कारण, बल्कि छात्रों, दोस्तों और रिश्तेदारों, व्यापारिक और अवकाश यात्रियों द्वारा संचालित दोनों देशों के बीच बढ़ते यातायात के कारण भी। मैनचेस्टर के लिए हमारी पहली लंबी दूरी की उड़ान को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद हम लंदन में कदम रखने को लेकर उत्साहित हैं, जहां हम अपने ग्राहकों के लिए और अधिक त्रा विकल्प प्रदान करते हुए भारत और दुनिया के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेंगे।

प्रौद्योगिकी का उपयोग जनहित में हो न कि 'हथियार' के रूप में: सीतारमण

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को प्रौद्योगिकी का उपयोग जनहित में करने की वकालत की। साथ ही उन्होंने वैश्विक स्तर पर हुई प्रगति को 'हथियार बनाने' पर निराशा जतायी। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर वित्तीय प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी है जिसने नवोन्मेष, पैमाने और समावेश के मानक स्थापित किए हैं। सीतारमण ने यहां वार्षिक 'ग्लोबल फिनटेक फ़ेस्ट' में कहा, ''३सीधा मकसद यह है कि यह (प्रौद्योगिकी) जनता की भलाई के लिए होनी चाहिए। किसी भी समय इसका हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, '' हमें स्वयं को यह बताते रहने की जरूत है कि प्रौद्योगिकी पर पूरी तरह से महारत हासिल नहीं की जा सकती और इसके कुछ हिस्से पर कुछ स्वामित्व एवं अधिकार प्राप्त करने के बाद ३हमें इसे हथियार बनाने से बचना चाहिए। सीतारमण ने कहा कि हमने लगातार देखा है प्रौद्योगिकी प्रगति के साथ-साथ लोग आत्मकेंद्रित सोच अपना रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा, '' वैश्विक प्रगति के विचार पर ही सवाल उठ रहे हैं क्योंकि इसे हथियार बनाया जा रहा है। उन्होंने हालांकि इस बारे में विस्तार से नहीं बताया और न ही अपनी टिप्पणी के संबंध में कोई विशिष्ट उदाहरण दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कई देशों ने ऐसे कदम उठाए हैं जिनके परिणामस्वरूप व्यापार एवं नवाचारों पर प्रतिबंध लगे हैं। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और प्रौद्योगिकी महाशक्ति अमेरिका ने अपनी व्यापार नीतियों में बड़े बदलाव किए हैं। गौरतलब है कि भारत इस समय अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है। अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर उच्च शुल्क लगाने के साथ ही एच1बी वीजा शुल्क में भारी वृद्धि की है। एच1बी वीजा का उपयोग बड़े पैमाने पर भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कर्मचारी करते हैं।

कमजोर लिस्टिंग से ओम मेटलॉजिक ने किया निराश, नुकसान में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। मेटल सेक्टर में काम करने वाली कंपनी ओम मेटलॉजिक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 86 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 1 रुपये के डिस्काउंट के साथ 85 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद ये शेयर सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। दोपहर 12:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 85 रुपये के स्तर पर ही कारोबार कर रहे थे। ओम मेटालॉजिक का 22.35 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.47 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.41 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.53 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फ़ेस वैल्यू वाले 25,98,400 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.10 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.22 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 4.12 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 55 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 60.41 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का सिलसिला बरकरार, नए शिखर पर सोना और चांदी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत आज एक बार फिर मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गई है। आज के कारोबार में सोना 1,270 रुपये से लेकर 1,390 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी के दाम भी 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गए हैं। कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,20,780 रुपये से लेकर 1,20,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,10,710 रुपये से लेकर 1,10,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,56,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,20,930 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,10,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,20,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,20,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,10,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,20,780 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,10,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,20,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,20,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,10,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,20,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,10,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,20,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बलूचिस्तान में खतरनाक गठजोड़: लश्कर ए तैयबा और इस्लामिक स्टेट खुरासान ने मिलाया हाथ

एजेंसी

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में कुख्यात जासूसी एजेंसी आईएसआई की मदद से दो घातक आतंकी संगठनों लश्कर ए तैयबा (एलईटी) और इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) के बीच एक नये गठबंधन को क्रियान्वित किया गया है।

यह गठजोड़ अफगानिस्तान और बलूचिस्तान के लोगों के लिए बढ़ रहे खतरे की ओर इशारा कर रहा है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि पाकिस्तानी सेना जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद को फिर से भड़काने का इरादा रखती है जिससे क्षेत्रीय शांति को भंग किया जा सके।

आईएसकेपी की प्रचार पत्रिका ''यलगार'' के हालिया अंक में इस बदलाव का संकेत दिया गया है। इससे पता चलता है कि उनकी भारत के राज्य जम्मू-कश्मीर में अपनी गतिविधियों का विस्तार करने की मंशा है। इस गठजोड़ की आईएसआई पूरी तरह से मदद कर रही है। पत्रिका से जानकारी मिली है कि पाकिस्तान कथित तौर पर लश्कर ए तैयबा और आईएसकेपी के बीच सहयोग को सुगम बना रहा है और लश्कर के लॉजिस्टिक नेटवर्क का उपयोग आईएसकेपी की आतंकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। दरअसल पाकिस्तान सेना अपने क्षेत्रीय उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आतंकी समूहों का छद्म रूप से उपयोग करती रही है। सेना की लंबे समय से चली आ रही यह नीति अब भी बेरोकटोक जारी है, इस कड़ी में अब आईएसकेपी उसका नवीनतम हथियार बनकर उभरा है। पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान बलूच राष्ट्रवादियों और तालिबान शासन के उन तत्वों को निशाना बनाते हैं जो इस्लामाबाद को चुनौती देते हैं। इसके लिए दाइश (आईएसआईएस) और आईएसकेपी का इस्तेमाल किया जाता है। हाल ही में सामने आयी एक तस्वीर में आईएसकेपी के बलूचिस्तान समन्वयक मीर शफीक मेंगल को लश्कर ए तैयबा के सीनियर कमांडर राना मोहम्मद अशफाक को एक पिस्तौल उपहार में देते हुए दिखाया गया है। यह तस्वीर खतरे की घंटी बजा रही है और आईएसआई के सीधे संरक्षण में पाकिस्तान के विस्तारित आतंकी गठजोड़ को उजागर कर रही है। लश्कर-ए-तय्यबा का वर्तमान नाजिम-ए-आला (वरिष्ठ संचालक) राना मोहम्मद अशफाक पाकिस्तान में समूह के विस्तार की देखरेख करता हैं। वह नए मर्कज़ (प्रशिक्षण और विचारधारा केंद्र) स्थापित कर रहा हैं और विभिन्न संप्रदायों के अन्य आतंकी समूहों के साथ परिचालन (ऑपरेशनल लिंक) संबंध बना रहा हैं। मीर शफीक मेंगल बलूचिस्तान के पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री नसीर मेंगल का बेटा हैं और लंबे समय से आईएसआई के एक प्रमुख व्यक्ति रहा हैं। एक दशक से अधिक समय से वह बलूच राष्ट्रवादियों को निशाना बनाने वाली एक निजी डेथ स्क्वॉड का नेतृत्व कर रहा हैं। 2015 से मेंगल बलूचिस्तान में आईएसकेपी के प्रमुख सहयोगी के रूप में कार्य कर रहा हैं। वह आतंकियों को सुरक्षित ठिकाने, धन, और हथियारों की आपूर्ति की व्यवस्था करता रहा हैं। उसकी भूमिका का 2015 के एक संयुक्त जांच दल (जेआईटी) की रिपोर्ट में भी उल्लेख किया गया था, जो पाकिस्तान की अपनी जांच एजेंसियों द्वारा जारी की गई थी। अब यह माना जा रहा है कि लश्कर-ए-तय्यबा बलूच विद्रोहियों के खिलाफ अभियानों में आईएसकेपी के साथ अपने लड़ाकों को तैनात करना शुरू कर सकता है, जैसा उसने अफगान जिहाद के दौरान अल-कायदा के साथ पहले सहयोग किया था। आईएसआई की देखरेख में एलईटी-आईएसकेपी का यह एकीकरण पाकिस्तान के आतंकी तंत्र में एक खतरनाक परिवर्तन का संकेत देता है, जहां वैचारिक रूप से भिन्न आतंकी समूह इस्लामाबाद के भू-राजनीतिक और सांप्रदायिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एक जगह मिल रहे हैं।

सिरप से बच्चों की मृत्यु की न्यायिक जांच करे मध्य प्रदेश सरकार : विपक्ष

एजेंसी

नयी दिल्ली। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने कफ सिरप से बच्चों की मृत्यु पर गहरा क्षोभ व्यक्त करते हुए इस संकट को भारी भ्रष्टाचार का परिणाम बताया और कहा कि सिरप माफियागीरी के इस प्रकरण की न्यायिक जांच हो और मृतक परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देकर बच्चे के इलाज में हुए खर्च की राशि परिवार को मिलनी चाहिए।

मध्य प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रदेश बच्चों के खिलाफ अपराध के मामले में नंबर वन है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में बच्चों के खिलाफ अपराध के 2023 में 22,393 मामले सामने आए हैं। चार साल में 59 हजार से ज्यादा बच्चे लापता हो गए।

उन्होंने कहा कि छिंदवाड़ा में सिरप पीने से 16 बच्चों की मौत हुई है। कफ सिरप के कारण बच्चों को हो रही दिक्कत को लेकर छिंदवाड़ा के विधायक सोहन वाल्मीकि ने कई बार सरकार को चेताया लेकिन कोई कदम नहीं उठाया गया। कई बार मुख्यमंत्री तथा जिला अधिकारी को पत्र लिखे मगर कोई नहीं जागा। सवाल है कि आखिर पत्र लिखने के बाद भी सरकार क्यों नहीं जागी। जब बच्चे मरने लगे और मामला ज्यादा बढ़ा तो एक बच्ची का शव कब्र से निकालकर पोस्टमॉर्टम कराया गया। कांग्रेस नेता ने कहा कि आश्चर्य की बात यह है कि एक छोटी सी बीमारी में भी टेस्ट कराया जाता है तो प्रदेश में बच्चों की किडनी फ़ेल होने की रिपोर्ट आती है। दवा कंपनी ने परासिया जैसे आदिवासी क्षेत्र को जानबूझकर अपने कारोबार के लिए चुना है और वहां के बच्चों के लिए काल बनकर आई है। कमाल की बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार मृत बच्चों के परिजनों को मुआवजे के तौर पर सिर्फ चार लाख रुपए दे रही है। सवाल है कि क्या एक मां की गोद उजाड़ने की कीमत सिर्फ चार लाख रुपए है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में बच्चे मर रहे हैं लेकिन मुख्यमंत्री मोहन यादव कांजीरंगा पार्क घूमने गये हैं और वहां हाथी देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री में निर्णय लेने की क्षमता नहीं है। कोई भी समस्या होती है तो वह तुरंत हेलिकॉप्टर से दिल्ली भागते हैं, क्योंकि सारी बड़ी डील वहीं होती है। तमिलनाडु सरकार ने जब इस सिरप को ब्लैकलिस्ट तो तब जाकर मध्यप्रदेश और राजस्थान की सरकारें नींद से जागीं। उन्हें आखिर बच्चों की परवाह क्यों नहीं है।

भाजपा सरकार पर कमीशन लेने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी कंपनी अगर प्रदेश में अपना माल बेचना चाहती है, तो उसमें सरकार की सहभागिता अवश्य होती है और इसमें बाकायदा कमीशन तय किया जाता है। सरकार ने तो चार प्रतिशत तक कमीशन लिया है। मध्य प्रदेश अब कफ सिरप माफियागीरी का अड्डा बन गया है और शराब के साथ कफ सिरप का व्यापार भी तेज़ी से बढ़ रहा है और बच्चों की जान ली जा रही है। कांग्रेस नेता ने सरकार से इस संवेदनशील मुद्दे पर जल्द से जल्द कड़े नियम बनाने की मांग की और आरोप राज्य के मुख्यमंत्री में निर्णय लेने की क्षमता नहीं है, उनके हर फैसले दिल्ली से तय होते हैं।

सेना ने ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गरब्यांग में टेंट-आधारित होमस्टे का किया उद्घाटन

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय सेना ने ग्रामीण पर्यटन, सतत विकास एवं सामुदायिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए ऑपरेशन सद्भावना के अंतर्गत कुमाऊं क्षेत्र के सीमावर्ती गांव गरब्यांग में एक टेंट-आधारित होमस्टे का उद्घाटन किया।

भारतीय सेना ने यहां एक बयान में मंगलवार को कहा कि इस सुविधा का उद्घाटन छह अक्टूबर को उत्तर भारत क्षेत्र के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल डीजी मिश्रा ने किया। केन्द्र सरकार के वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के अनुरूप इस पहल का उद्देश्य पर्यटकों को क्षेत्र की जीवंत संस्कृति एवं प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव प्रदान करना है। इसके साथ ही समुदाय-आधारित पर्यटन के माध्यम से स्थानीय आजीविका को सशक्त बनाना है। गरब्यांग से दो पवित्र तीर्थयात्रा मार्ग निकलते हैं जिसमें पहला आदि कैलाश की ओर और दूसरा ओम पर्वत तथा कालापानी की ओर जाता है। इसका सामरिक एवं आध्यात्मिक महत्व इसे कुमाऊं के ऊंचे इलाकों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाता है।

ग्रामीणों ने इस उद्घाटन समारोह में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। ऑपरेशन सद्भावना के अंतर्गत विकसित एवं ग्रामीणों द्वारा स्वतंत्र संचालित इस होमस्टे से आगंतुकों को स्थानीय जीवन शैली का अनुभव प्राप्त करने का एक अनूठा अवसर मिलता है। होमस्टे की बुकिंग का प्रबंधन गरब्यांग ग्राम समिति द्वारा किया जाता है जिनसे 9410734276, 7579811930, 9596752645 नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है। भोजन सहित प्रति व्यक्ति प्रति रात्रि किराया 1,000 रुपये है। पर्यटन को बढ़ावा देने के अलावा भारतीय सेना कुमाऊं के सीमावर्ती क्षेत्रों में विभिन्न विकास परियोजनाएं चलाती है।

राधाकृष्णन के साथ पहली सर्वदलीय बैठक: सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने पर सहमति

एजेंसी

नयी दिल्ली। राज्य सभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने सदन के सभी दलों के नेताओं से मंगलवार को आग्रह किया कि सदन की कार्यवाही के एक-एक पल का इस्तेमाल लोकतंत्र को मजबूत करने के लिये किया जाना चाहिए और सभी नेताओं ने उन्हें सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने में सहयोग देने का आश्वासन दिया है। श्री राधाकृष्णन ने राज्य सभा का सभापति बनने के बाद पहली बार सदन के सभी दलों के नेताओं की आज शाम यहां बैठक बुलायी। इसका उद्देश्य सदन की कार्यवाही को बिना किसी व्यवधान के सुचारू रूप से चलाने और सदन का पूरा समय निर्धारित विषयों पर अधिकतम चर्चा सुनिश्चित करने के लिए नेताओं के सुझाव प्राप्त करना था।

श्री राधाकृष्णन पिछले महीने ही उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं और उपराष्ट्रपति राज्य सभा के पदेन सभापति होते हैं। श्री राधाकृष्णन के कार्यालय की ओर से बताया गया कि सभापति ने इस बात पर जोर दिया कि बातचीत और चर्चा संसदीय लोकतंत्र के मूल तत्व हैं। उन्होंने सभी नेताओं से सदन में शून्य काल, प्रश्न काल तथा विशेष उल्लेख के दौरान सार्वजनिक महत्व के मुद्दों को उठाने का और समय का अधिक से अधिक उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश का संविधान तथा राज्य सभा की नियमावली संसदीय विचार-विमर्श की लक्ष्मण रेखा होनी चाहिए। सभापति ने बैठक में हुए विचार-विमर्श को अत्यंत उपयोगी बताते हुए सभी नेताओं के उनके सुझावों के लिए धन्यवाद दिया। बैठक के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद प्रमोद तिवारी ने संवाददाताओं से कहा कि सभी दलों के नेताओं ने राज्य सभा की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने में सभापति को सहयोग देने पर सहमति जतायी। उन्होंने कहा कि वह कुछ दिन पूर्व ही उप राष्ट्रपति निर्वाचित हुये हैं और उन्होंने बैठक आयोजित कर अच्छी परम्परा शुरू की है। श्री तिवारी ने बताया कि सभापति ने सभी नेताओं की बातों को ध्यानपूर्वक सुना। सभी की मंशा थी कि सदन की कार्यवाही शांतिपूर्वक चले। उन्होंने बैठक में कहा कि विपक्षी दलों के सदस्यों की ओर से उठाये गये जनहित के विषयों को उचित महत्व दिया जाना चाहिए और उन चर्चा अवश्य करायी जानी चाहिए। उनके अनुसार सभापति ने आश्वासन दिया है कि जनहित के मुद्दों को गंभीरता से लिया जायेगा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी पी संतोष कुमार ने कहा कि श्री राधाकृष्णन के साथ हुई पहली बैठक बहुत रचनात्मक रही। उन्होंने कहा कि बैठक में सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने पर जोर दिया गया।

आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया से हटाने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की असम शाखा द्वारा कथित तौर पर पोस्ट किए गए एक 'आपत्तिजनक' वीडियो को सोशल मीडिया से हटाने की याचिका पर मंगलवार को नोटिस जारी किया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने पत्रकार कुर्बान अली और पूर्व न्यायाधीश अंजना प्रकाश की एक लंबित रिट याचिका में दायर एक आवेदन पर विचार करने का फैसला किया, जो घृणास्पद भाषण से संबंधित है। उक्त वीडियो में कथित तौर पर मुसलमानों को खुलेआम बदनाम करने का आरोप लगाया गया था। आवेदकों की ओर से पेश अधिवक्ता निजाम पाशा ने पीठ के समक्ष तर्क दिया कि चुनाव के दौरान पोस्ट किए गए वीडियो में दिखाया गया है कि अगर एक खास राजनीतिक दल सत्ता में नहीं आता है, तो एक खास समुदाय सत्ता संभाल लेगा। इस पर पीठ ने कहा, ''इसमें (वीडियो) टोपी और दाढ़ी वाले लोग दिखाई दे रहे हैं, ऐसे मामलों में स्वतः संज्ञान लेते हुए प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है, तो अवमानना की कार्रवाई की जानी चाहिए।'' आवेदन में एक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और भाजपा असम प्रदेश को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किए गए वीडियो को हटाने के निर्देश देने की मांग की गयी थी। याचिका में कहा गया है कि उक्त वीडियो को बड़ी संख्या में लोगों ने देखा है इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य, अशांति और दुश्मनी को और फैलने से रोकने के लिए इसे तुरंत हटाना आवश्यक है। याचिका में दावा किया गया है कि भाजपा की असम इकाई ने इसी साल 15 सितंबर को अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल ''भाजपा असम प्रदेश'' पर एक वीडियो प्रसारित किया, जिसमें ''एक बेहद झूठा आख्यान दिखाया गया है, जिसमें दर्शाया गया है कि अगर भाजपा असम में सत्ता में नहीं रहती है।

रायबरेली में इंसानियत की हत्या हुई है: राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की पीट-पीटकर मार डालने की घटना को इंसानियत की हत्या करार दिया है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मंगलवार को इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम हत्या सिर्फ़ एक इंसान की नहीं- इंसानियत, संविधान और न्याय की हत्या है। आज भारत में दलित, आदिवासी, मुसलमान, पिछड़े और ग़रीब-हर उस व्यक्ति को निशाना बनाया जा रहा है, जिसकी आवाज़ कमजोर है, जिसकी हिस्सेदारी छीनी जा रही है, और जिसकी ज़िंदगी सस्ती समझी जाती है। उन्होंने कहा, देश में नफ़रत, हिंसा और भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है, जहां संविधान की जगह बुलडोज़र ने ले ली है, और इंसाफ़ की जगह डर ने। मैं हरिओम के परिवार के साथ खड़ा हूं, उन्हें न्याय ज़रूर मिलेगा। भारत का भविष्य समानता और मानवता पर टिका है और यह देश चलेगा संविधान से, भीड़ की सनक से नहीं। श्री गांधी इस घटना की पहले भी कड़ी निंदा कर चुके हैं और आज वाल्मीकि जयंती पर उन्होंने दोबारा इसे इंसानियत की हत्या बता कर जता दिया है कि कांग्रेस पहले से ही दलितों पर अत्याचार के खिलाफ चल रहे अपने अभियान को और तेज करेगी। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा श्री गांधी ने वाल्मीकि जयंती पर आज इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए देश भर में इसके खिलाफ मिलकर लड़ाई लड़ने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में दलित, अल्पसंख्यक और ग़रीब के खिलाफ अपराधों की घटनायें बहुत ज़्यादा बढ़ चुकी हैं। यह हिंसा सबसे अधिक उन्हीं पर होती है, जो वंचित हैं, बहुजन हैं, जिनकी न पर्याप्त हिस्सेदारी है, न प्रतिनिधित्व है।

मोदी ने स्थापित किए सुशासन और गरीब कल्याण के नए आयाम : रविशंकर

नयी दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने यहां मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 24 साल पूरे होने पर कहा कि वह बिना थके, बिना रुके सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के नए आयाम स्थापित करते हुए भारत के निर्माण के प्रति समर्पित भाव से काम कर रहे हैं। श्री प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी आज संवैधानिक प्रमुख के रूप में 25वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। 24 साल पहले उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जनसेवा की शपथ ली थी और आज तक प्रधानमंत्री के तौर पर ये क्रम जारी है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी बिना थके, बिना रुके सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के नए आयाम स्थापित करने के साथ-साथ नए भारत के निर्माण के प्रति समर्पित भाव से काम कर रहे हैं। आज देश के गरीब, किसान, युवा और महिला सभी वर्गों का समग्र विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अब तक 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ चुके हैं। यह देश की नारी शक्ति का विकास ही है कि वो ड्रोन दीदी भी हैं, एयरफोर्स पायलट भी हैं और जीविका दीदी भी हैं। उनका विस्तार हर जगह हो रहा है। देश की युवा शक्ति नए-नए अवसर जैसे स्टार्ट अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी की अगुवाई में जो डिजिटल भारत बना है, आज उसकी सराहना पूरी दुनिया करती है।

आयोग बिहार की अंतिम मतदाता सूची से हटाए गए 3.66 लाख मतदाताओं का विवरण दे: न्यायालय

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग से कहा कि वह बिहार की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद तैयार की गई अंतिम मतदाता सूची से हटाए गए 3.66 लाख मतदाताओं की जानकारी कोर्ट को दे। चुनाव आयोग ने शीर्ष कोर्ट को बताया कि अधिकतर नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं और जिनके नाम हटाए गए हैं, उनमें से अब तक किसी ने कोई शिकायत या अपील दर्ज नहीं करवाई है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग को गुरुवार यानी नौ अक्तूबर तक उपलब्ध जानकारी कोर्ट को सौंपनी होगी, क्योंकि उसी दिन इस मामले में अगली सुनवाई होगी। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि मसौदा सूची और 30 सितंबर को प्रकाशित की गई अंतिम सूची सबके पास है, इसलिए दोनों सूचियों की तुलना करके जरूरी जानकारी दी जा सकती है। न्यायमूर्ति बागची ने चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी से कहा कि कोर्ट के आदेशों से चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जनसामान्य की पहुंच बढ़ी है। कोर्ट ने यह भी कहा कि अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या में वृद्धि देखने को मिल रही है, इसलिए किसके नाम जोड़े गए हैं (पुराने हटाए गए नाम हैं या नए मतदाता हैं) यह स्पष्ट किया जाना चाहिए ताकि भ्रम न हो। न्यायमूर्ति बागची ने कहा, आप भी मानेंगे कि पारदर्शिता और पहुंच में सुधार हुआ है। ऐसा लग रहा है कि आपने मसौदा सूची में 65 लाख नाम हटाए। हमने कहा था कि जो मृतक हैं या कहीं और चले गए हैं, उन्हें हटाना ठीक है। लेकिन अगर किसी का नाम हटा रहे हैं तो नियम 21 और एसओपी का पालन करें।

उन्होंने कहा, हमने यह भी कहा था कि हटाए गए नामों की जानकारी अपने दफ्तरों में लगाएं। अब अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या बढ़ गई है, जिससे भ्रम की स्थिति बनी है कि जोड़े गए नाम पुराने हटाए गए लोगों के हैं या नए मतदाताओं के। इस पर वकील द्विवेदी ने जवाब दिया कि अधिकतर जोड़े गए नाम नए मतदाताओं के हैं। हालांकि, कुछ पुराने मतादाता भी हैं जिनके नाम मसौदा सूची के बाद जोड़े गए। उन्होंने कहा, अब तक किसी भी हटाए गए मतदाता ने कोई शिकायत या अपील दर्ज नहीं करवाई है। 30 सितंबर को चुनाव आयोग ने बिहार की अंतिम मतदाता सूची जारी की थी। आयोग ने बताया कि कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 47 लाख घटकर 7.42 करोड़ रह गई, जो पहले 7.89 करोड़ थी। यह विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद हुआ। हालांकि, मसौदा सूची (एक अगस्त को जारी) की तुलना में अंतिम आंकड़ा 17.87 लाख बढ़ा है।

पेज एक का शेष

मोदी का जनता...

प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया गया। देश की जनता ने उनके गठबंधन को प्रचंड बहुमत और उनकी पार्टी को पूर्ण बहुमत दिया जिससे नए विश्वास और उद्देश्य के युग का सूत्रपात हुआ। पिछले 11 वर्षों में देश कई महत्वपूर्ण परिवर्तनों का साक्षी बना है और 25 करोड़ से ज़्यादा लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है और भारत प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के बीच एक उज्ज्वल स्थान के रूप में उभरा है। देश की जनता के निरंतर विश्वास और स्नेह के लिए आभार दोहराते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र की सेवा करना सर्वोच्च सम्मान है। संविधान के मूल्यों से प्रेरित होकर, उन्होंने विकसित भारत के सामूहिक स्वप्न को साकार करने के लिए और भी अधिक परिश्रम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। सोशल मीडिया एक्स पर उन्होंने एक श्रृंखला में कहा ''जब मैंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, मुझे याद है कि मेरी मां ने मुझसे कहा था - मुझे तुम्हारे काम की ज़्यादा समझ नहीं है, लेकिन मैं सिर्फ़ दो चीज़ें चाहती हूं। पहला, तुम सदैव गरीबों के लिए काम करोगे और दूसरा, तुम कभी रिश्वत नहीं लोगे। मैंने लोगों से यह भी कहा था कि मैं जो भी करूंगा, नेक इरादे से करूंगा और कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति की सेवा करने के दृष्टिकोण से प्रेरित रहूंगा।''प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा को लेकर उन्होंने कहा ''पिछले 11 वर्षों में हम भारत के लोगों ने मिलकर काम किया है और कई महत्वपूर्ण बदलाव हासिल किए हैं। हमारे अभूतपूर्व प्रयासों ने पूरे भारत के लोगों, विशेषकर हमारी नारी शक्ति, युवा शक्ति और मेहनती अन्नदाताओं को सशक्त बनाया है। देश के 25 करोड़ से ज़्यादा लोगों को गरीबी के चंगुल से निकाला गया है। भारत को प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में एक उज्ज्वल स्थान के रूप में देखा जा रहा है। हमारे यहां दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में से एक है। हमारे किसान नवाचार कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारा राष्ट्र आत्मनिर्भर हो। हमने व्यापक सुधार किए हैं और आम भावना सभी क्षेत्रों में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की है और यह 'गर्व से कहो, यह स्वदेशी है' के आह्वान में परिलक्षित होती है।

सफाई कर्मचारियों ...

रामायण पाठ चल रहा है। सीएम ने अपील की कि महर्षि वाल्मीकि का चित्र हर भारतीय के घर में होना चाहिए। भारत का हर कथावाचक सबसे पहली वंदना भगवान वाल्मीकि की करते हैं। वह जिस पीठ पर बैठते हैं, वह सबसे पवित्र व्यास पीठ कही जाती है। भारत के देवतुल्य ऋषियों की परंपरा ने सभी कालखंड में समाज का मार्गदर्शन किया। रामायण कालखंड में महर्षि वाल्मीकि, महाभारत कालखंड में महर्षि वेदव्यास, मध्यकाल में सद्गुरु रविदास और देश जब आजादी की लड़ाई लड़ रहा था तो बाबा साहेब समाज का मार्गदर्शन करते दिखाई देते थे। सभी की दृष्टि एक है। पीएम मोदी इसे एक भारत-श्रेष्ठ भारत, सबका साथ और सबका विकास कहते हैं। सीएम ने कहा कि रामराज्य वही है, जहां जाति, मजहब, संप्रदाय के नाम पर भेदभाव न हो। आज यही कार्य भाजपा की डबल इंजन सरकार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग श्रीराम को गाली देते हैं, वे भगवान वाल्मीकि का अपमान करते हैं। भगवान वाल्मीकि का अपमान करने वाले भगवान राम का भी अपमान करते हैं। उन्होंने वोटबैंक के नाम पर जाति का सहारा लेने वालों पर हमला किया। सीएम ने कहा कि 2012 में जब सपा सरकार आई थी तो सामाजिक न्याय के पुरोधाओं के स्मारक को तोड़ने की धमकी दी थी, तब भाजपा ने कहा था कि इन स्मारकों को तोड़ने वालों को यूपी की जनता तोड़कर रख देगी। आज यह लोग प्रत्येक प्रेसवार्ता में बाबा साहेब का स्मरण करते हैं, लेकिन तब सपा के मुख्यमंत्री ने कन्नौज मेडिकल कॉलेज से बाबा साहेब का नाम बदल दिया था। हमने फिर उसे बाबा साहेब के नाम पर रख दिया। लखनऊ का भाषा विश्वविद्यालय मान्यवर कांशीराम के नाम पर था, सपा ने उसे भी बदल दिया। सहारनपुर मेडिकल कॉलेज का नाम भी बदल दिया। इनके दोहरे चेहरे हैं। यह हर कार्य को वोटबैंक की दृष्टि से देखते हैं।

उन्होने कहा कि यह राम व कृष्ण का विरोध करते हैं। विपक्षी कहते थे कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं यानी इन्होंने महर्षि वाल्मीकि के प्रकट उत्सव पर प्रश्नचिह्न खड़ा किया। भगवान श्रीकृष्ण के अवतार को प्रश्नचिह्न के घेरे में रखने के साथ महर्षि व्यास को भी घेरे में रख दिया। यह लोग हर किसी के बारे में ऐसी टिप्पणी करते थे, जबकि पीएम मोदी ने बाबा साहेब के पंचतीर्थों का निर्माण किया। सीएम ने कहा कि अयोध्या में समाजवादी पार्टी ने एयरपोर्ट का निर्माण नहीं किया। जब हम इसे बना रहे थे और जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या एयरपोर्ट का नामकरण महर्षि वाल्मीकि के नाम पर किया, तब भी सपा ने विरोध किया। समाजवादी पार्टी के गुंडे लालापुर के आश्रम पर कब्जा कर रहे थे। हमने कहा नाम नोट करो, इनके बाप-दादाओं ने जो प्रॉपर्टी जमा की है, उसे आश्रम के नाम पर करवा डालो। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा के समय में सफाई कर्मियों का शोषण होता था। इन्हें चार हजार रुपये भी नहीं मिल पाता था, लेकिन पीएम ने सबसे पहले कहा कि मैला सिर पर ढोने की कुप्रथा बंद होनी चाहिए। आज हर घर में शौचालय बना। सफाई कर्मचारियों में वाल्मीकि समाज के लोगों को प्राथमिकता देते हुए अच्छे मानदेय की व्यवस्था हुई। हर गांव में सामुदायिक शौचालय का निर्माण हो, उसमें स्वच्छता मित्रों को मानदेय देने का कार्य नियमित रूप से देने का आदेश जारी किया गया। उन्होने वाल्मीकि समाज से कहा कि बच्चों को पढ़ाइए, स्कूल भेजिए। वे योग्य होंगे तो समाज में नेतृत्व प्रदान करेंगे। कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता है। परिवार के अभिभावक के रूप में मां बच्चे की गंदगी साफ करती है। आप समाज में उसी भूमिका में रहते हैं। आपकी महानता है कि उस कार्य से जुड़कर भी समाज में विद्वेष का भाव पैदा नहीं होने दिया। सबके साथ खड़े होकर समाज के लिए कार्य किया। विपरीत परिस्थितियों में अपमान झेलते हुए भी त्योहारों को बेहतर तरीके से संपन्न करने के लिए कार्य किया है। भगवान वाल्मीकि ने समाज के लिए समर्पित होने का भाव पैदा किया है। समर्पण का यही भाव एक भारत, श्रेष्ठ भारत और राष्ट्र प्रथम से जोड़ता है। आज लखनऊ समेत हर जनपद में भव्यता से कार्यक्रम हो रहे हैं। हम हर वर्ष इस कार्यक्रम को बढ़ाएंगे। महर्षि वाल्मीकि ने सांसारिक उत्कर्ष के साथ-साथ राम का नाम देकर मुक्ति का मार्ग भी प्रशस्त किया है। उन्होंने हर भारतीय को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

योगी ने विश्वास जताया कि भगवान वाल्मीकि के आदर्शों से प्रेरणा लेकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के निर्माण के लिए कार्य करेंगे। वाल्मीकि समाज बहुत प्रभावी है। वाल्मीकि के नाम पर देश का पहला इंटरनेशनल एयरपोर्ट अयोध्या में बना है। राम मंदिर परिसर में जिन सप्तऋषियों का मंदिर बन चुका है, उसमें एक मंदिर भगवान वाल्मीकि का भी है। यह सभी कार्य डबल इंजन सरकार के समय में हो रहे हैं। हमें समाज को इससे अवगत कराना चाहिए। जो राम पर विश्वास नहीं करते, रामभक्तों पर गोली चलवाते हैं। उनसे यह उम्मीद नहीं की जा सकती। वे वही कार्य करेंगे, जिससे समाज में विघटन हो। सीएम ने अपील की कि महर्षि वाल्मीकि व भगवान राम के महत्व के बारे में समाज को अवगत कराइए। भक्ति भाव जितनी मजबूती से बढ़ेगा, समाज उतना ही सशक्त होगा, क्योंकि सशक्त समाज ही आत्मनिर्भर बनता है और वही विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में योगदान दे पाएगा। विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, बृजलाल, अनूप प्रधान 'वाल्मीकि', पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक ओपी श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

रक्षा क्षेत्र में मजबूती...

दुनिया के सबसे बड़े आयातकों में से एक से रक्षा प्रणालियों के एक विश्वसनीय निर्यातक बनने तक की यह उल्लेखनीय यात्रा हमारे राष्ट्रीय संकल्प का प्रमाण है।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत का लक्ष्य 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपये का रक्षा विनिर्माण और 50 हजार करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात हासिल करना है। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल मेक इन इंडिया या निर्यात के आंकड़ों तक सीमित नहीं है बल्कि यह इस विश्वास पर आधारित है कि संकट के समय में हम अपनी रक्षा के लिए किसी और पर निर्भर नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा, '' यह इस आत्मविश्वास पर आधारित है कि हमारे सशस्त्र बल जिन हथियारों का इस्तेमाल करते हैं, वे हमारी अपनी धरती पर बने हैं, हमारे अपने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की प्रतिभा से निर्मित हैं। श्री सिंह ने इस अवसर पर रक्षा और एयरोस्पेस विनिर्माण पर राज्यों से संबंधित नीतियों का एक संग्रह जारी किया जिसमें विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा अपनाई गई नीतियों तथा सर्वोत्तम प्रथाओं को संकलित किया गया है। उन्होंने इस दस्तावेज़ को केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर नीतिगत सामंजस्य और समन्वय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, यह संकलन उद्योग जगत और नवप्रवर्तकों के लिए एक मार्गदर्शक दस्तावेज़ के रूप में काम करेगा। मैं सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आग्रह करता हूं कि वे इसका गहराई से अध्ययन करें, इसकी खूबियों को समझें और रक्षा औद्योगिक आधार को मज़बूत करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू करें।'' उन्होंने कहा कि यह दस्तावेज़ रक्षा निवेश आकर्षित करने के लिए राज्यों के बीच प्रतिस्पर्धा और सहयोग को बढ़ावा देगा।

राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित हुए देसंविवि के आलोक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। देवभूमि उत्तराखण्ड स्थित देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के आलोक कुमार पाण्डेय को राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सम्मानित किया।

यह पुरस्कार राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सक्रिय स्वयंसेवक आलोक कुमार पांडेय माय भारत- राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्रपति पुरस्कार 2022-23 से सम्मानित किया गया है। इस समारोह में राष्ट्रपति भवन देसंविवि को परिवार के साथ अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। देसंविवि के अभिभावकद्वय डॉ प्रणव पण्ड्या व शैलदीदी, कुलपति शरद पारधी, कुलसचिव बलदाऊ सहित विवि परिवार ने आलोक कुमार को बधाई दी। आलोक पाण्डेय ने डिजिटल साक्षरता, उज्ज्वला

योजना, प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना, डिजिटल इंडिया जैसे जन-कल्याणकारी अभियानों के प्रति जन-जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाई। जल संरक्षण (आकल प्रयोग), प्लास्टिक मुक्त भारत और स्वच्छता अभियान जैसे अभियानों को भी सक्रिय नेतृत्व प्रदान किया। उन्होंने अपने एनएसएस कार्यकाल में समाजहित एवं राष्ट्रहित में अनुकरणीय योगदान दिया और विश्वविद्यालय के आदर्शों को जीवंत करते हुए मानव सेवा के विविध क्षेत्रों में प्रेरणादायक कार्य किए। श्री आलोक ने 710 पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने में योगदान दिया। साथ ही अनेक रक्तदान शिविरों का आयोजन कर समाज को रक्तदान के महत्व से अवगत कराया और स्वयं पांच बार रक्तदान कर सेवा का आदर्श प्रस्तुत किया। इस उपलब्धि पर देसंविवि के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि आलोक पांडेय ने एनएसएस में निस्वार्थ सेवा, अनुशासन एवं समर्पण के माध्यम से देव संस्कृति विश्वविद्यालय के मूल्यों को उजागर किया है। यह पुरस्कार युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत की तरह काम करेगा। विवि के एनएसएस समन्वयक डॉ. उमाकांत इंदोलिया ने कहा कि एनएसएस विश्वविद्यालय के लिए यह पुरस्कार गर्व की बात है, जो सभी स्वयंसेवकों को और अधिक निष्ठा व समर्पण से समाज सेवा में योगदान हेतु प्रेरित करेगा।

पंजाब में खांसी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला 'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप बैन

मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत के बाद पंजाब सरकार का बड़ा फैसला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने राज्य में 'कोलड्रिफ' कफ सिरप की बिक्री और इसके उपयोग पर रोक लगा दी है। सरकार ने यह फैसला मध्य प्रदेश में इस सिरप के इस्तेमाल से 17 बच्चों की मौत होने के बाद लिया है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग निदेशालय की तरफ से सोमवार की शाम आदेश जारी किए गए, जिसे मंगलवार को राज्य के सभी जिला अधिकारियों को भेज दिया गया। सरकार के आदेशों में कहा गया है कि पंजाब के सभी खुदरा विक्रेता, वितरक, पंजीकृत चिकित्सक, अस्पताल, स्वास्थ्य सेवा संस्थान आदि इस प्रोडक्ट की खरीद, बिक्री या इसका उपयोग नहीं करेंगे। तमिलनाडु में बने इस सिरप को डायथिलीन ग्लाइकॉल की मिलावट के चलते बैन किया गया है।आदेशों में कहा गया है कि मध्य प्रदेश की खाद्य एवं औषधि प्रशासन की औषधि परीक्षण प्रयोगशाला ने 4 अक्टूबर को एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार कोलड्रिफ सिरप नाम की दवा अच्छी गुणवत्ता वाली नहीं पाई गई है। कोल्ड्रिफ सिरप कांचीपुरम (तमिलनाडु) में तैयार हुआ है। यह मई, 2025 में बना और अप्रैल, 2027 में खत्म होगा। इस सिरप में डायथिलीन ग्लाइकॉल (46.28 प्रतिशत 2/1) की मिलावट पाई गई है, जो जहर के समान हानिकारक रसायन है और इससे सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है। पंजाब के सभी मेडिकल स्टोर, डिस्ट्रीब्यूटर, डॉक्टर और अस्पताल इस दवा को न बेचें, न खरीदें और न ही इस्तेमाल करें। अगर राज्य में कहीं यह सिरप मौजूद है, तो उसकी जानकारी तुरंत पंजाब के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (दवा शाखा) को ई-मेल के माध्यम से दें।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में छापा मार कर पुलिस ने दो ड्रग्स तस्कर पकड़े

नई दिल्ली। दक्षिण जिले के अंबेडकर नगर थाना पुलिस ने राजस्थान में छापेमारी कर दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान नरेंद्र कुमार और राकेश बंजारा के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 15.422 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। दोनों ड्रग्स तस्कर मेरठ से ऐप के जरिए ड्रग्स और गांजा लेकर आगे तस्करी करते थे। आरोपित अनीत के गिरोह के तीन लोगों को पुलिस ने गत दिनों अनीत के साथ गिरफ्तार किया था। जिनसे पूछताछ के बाद राजस्थान से नरेंद्र कुमार और राकेश बंजारा की गिरफ्तारी की गई है। पुलिस टीम ने अभी तक पकड़े गए पांच आरोपितों ने 18.62 लाख रुपए का 53.212 किलोग्राम ल्लमैंगोङ्क किस्म का गांजा, दो कार और एक बाइक बरामद की है। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि अंबेडकर नगर थाने की टीम ने प्रमोद कुमार, संजय चतुर्वेदी और अनित सोम नाम के ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 37.79 किलोग्राम गांजा बरामद किया था। पुलिस टीम ने आरोपितों से पूछताछ की तो पता चला कि मेरट के रहने वाले अनीत सोम को राजस्थान से ड्रग्स और गांजा भेजा जाता था। अनीत ने राजस्थान में रहने वाले अपने डीलर के बारे में जानकारी दी। जिसके बाद इंस्पेक्टर हरिंदर सिंह, एएसआई पंकज राजोरा की टीम ने आजाद नगर, सोडाला, जयपुर में छापा मार कर नरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 2.092 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। नरेन्द्र ने पूछताछ में राकेश बंजारा के बारे में जानकारी दी। पुलिस टीम ने राजस्थान के उदयपुर में छापा मार कर राकेश बंजारा को गिरफ्तार कर उसके पास से एक कार और 13.330 किलोग्राम गांजा बरामद किया। आरोपित ने पूछताछ में बताया कि वह यह प्रतिबंधित पदार्थ मांडवा हिल्स के आसपास के इलाकों से खरीदता था। जहाँ गांजा के पौधे प्राकृतिक रूप से उगते हैं, और निजी वाहनों के माध्यम से दिल्ली-एनसीआर में वितरण के लिए ले जाया जाता था।

नशे में धुत युवकों ने दुकान पर बोला हमला पिता समेत दो मासूम बच्चियां घायल

नवादा। जिले में सिरदला थाना क्षेत्र के खरौंध मोड़ पर मंगलवार को नशे में धुत युवकों द्वारा एक जनरल स्टोर पर हमला कर दिया । ईंट-पत्थर से किए गए इस हमले में दुकान मालिक श्रवण कुमार साव और उनकी दो मासूम बेटियां घायल हो गईं। घायलों में 6 वर्षीय संध्या और 5 वर्षीय रिया शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज सिरदला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर अजय चौधरी की देखरेख में किया गया। घटना के संबंध में घायल श्रवण कुमार साव ने बताया कि उनके पिता की दुकान के पास उनकी दोनों बच्चियां बैठी थीं। इसी दौरान ठेकाही गांव के रहने वाले गोपाल राजवंशी और राजू राजवंशी नशे की हालत में वहां पहुंचे। दोनों ने पहले दुकान में लूटपाट करने की कोशिश की और विरोध करने पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। इस दौरान दुकान में रखे हुए कुछ सामान को भी अपने साथ ले गया। घटना की सूचना मिलते ही सिरदला की 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा और आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में नशेड़ियों का आतंक बढ़ता जा रहा है। शाम होते ही नशे में धुत युवक दुकानों और राहगीरों को परेशान करते हैं। लोगों ने प्रशासन से शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने और आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

कटिहार में 165.750 लीटर विदेशी अवैध शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कटिहार। जिला के तेलता थाना पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक कार से 165.750 लीटर विदेशी शराब और नगद 16,490 रुपये बरामद किए हैं। इस दौरान दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। तेलता थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि बंगाल से दो व्यक्ति चार पहिया वाहन में शराब की बड़ी खेप लेकर आ रहे हैं। इसके बाद थानाध्यक्ष ने अपने पुलिस बल के साथ वाहन जांच अभियान चलाया। सरदिया मोड़ के पास एक कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें विदेशी शराब, दो मोबाइल और नकदी बरामद हुई। गिरफ्तार तस्करों की पहचान मिथुन कुमार मिस्त्री और कार्तिक कुमार के रूप में हुई है, जो दोनों पूर्णिया जिले के कस्बा थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। यह कार्रवाई जिले में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की मुहिम का हिस्सा है।

रेस्टोरेंट में लगी आग, अग्निशमन की दो गाड़ियों ने पाया काबू

भागलपुर। जिले के जोगसर थाना क्षेत्र के खरमनचक के पास स्थित एक रेस्टोरेंट में मंगलवार को अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि रेस्टोरेंट के किचन में खाना बनाने के दौरान गैस पाइप से रिसाव होने पर आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने रेस्टोरेंट के एक हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की जानकारी अग्निशमन विभाग को दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। इस दौरान पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंचकर हालात पर नजर रख रही थी। गनीमत रही कि आग लगने के समय रेस्टोरेंट में ज्यादा भीड़ नहीं थी। जिसके चलते किसी प्रकार की जनहानी नहीं हुई। हालांकि आग की वजह से किचन और रेस्टोरेंट के कुछ हिस्से को नुकसान पहुंचा है। फिलहाल पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी आग लगने के सही कारणों की जांच में जुटे हैं।

बिहार के रोहतास में स्कॉर्पियो-ऑटो की टक्कर में तीन की मौत

डेहरी आन सोन। बिहार में रोहजतास जिले के नोखा थाना क्षेत्र के सासाराम -आरा पथ के गंगहर टोला के पास सोमवार देर रात टेंपो और स्कॉर्पियो के बीच हुई टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई । दो गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं। सभी सासाराम से बिक्रमगंज की ओर लौट रहे थेद्यघायलों को सासाराम सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार गंगहर टोला के पास अनियंत्रित स्कॉर्पियो सीजी 04 एम के 0101 ने सासाराम से बिक्रमगंज जा रहे टेंपू बी आर 24 पीए 8788 में जबरदस्त टक्कर मार दीद्य टकर में टेम्पू बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सड़क दुर्घटना में टेमो सवार आशीष केशरी(25 वर्ष) पिता स्व ललन प्रसाद केशरी ग्राम केशरवानी मोहल्ला थाना नोखा,श्रीकांत प्रसाद (45 वर्ष) पिता दीनानाथ राम ग्राम करमैनी खुर्द थाना विक्रमगंज व साहिल गुप्ता पिता विश्वनाथ गुप्ता ग्राम सिमरी मलियाबाग थाना दावथ कि घटनास्थल पर मौत हो गई।

साइबर सेल ने 'डिजिटल अरेस्ट' ठगी गिरोह का किया भंडाफोड़, तीन आरोपित गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल यूनिट ने साइबर ठगी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह देशभर में फैले ऐसे अपराधियों के साथ मिलकर 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपये ठग रहे थे। इस मामले में एक 80 वर्षीय सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी से 42.49 लाख की ठगी की गई थी। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने मंगलवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की साइबर सेल की टीम गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए राजस्थान के पाली जिले से महेंद्र कुमार वैष्णव (37), विशाल कुमार (25) और श्याम दास (25) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि इन आरोपितों ने अपने बैंक खाते साइबर ठगों को 10,000 प्रति खाता के बदले उपलब्ध कराए थे। ताकि ठगे गए पैसे इन खातों के जरिए ट्रांसफर किए जा सकें। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह अपने शिकार को पहले व्हाट्सऐप कॉल करता था। कॉल पर व्यक्ति को बताया जाता कि वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) या सीबीआई की जांच के घेरे में है, क्योंकि उसके बैंक खाते से संदिग्ध लेनदेन हुए हैं। यही झांसा देकर उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' की कहानी सुनाई जाती और कहा जाता कि जब तक जांच पूरी नहीं होती, उन्हें पुलिस के निर्देशों के अनुसार काम करना होगा। इसी तरह 80 वर्षीय पीड़ित को भी झूठे आरोप लगाकर घंटों फोन पर रखा गया। डर और दबाव के माहौल में बुजुर्ग से बैंक विवरण, आधार नंबर और अन्य निजी जानकारी ली गई। इसके बाद उन्हें धीरे-धीरे अपने जीवनभर की बचत, कुल 42.49 लाख विभिन्न खातों में ट्रांसफर करने को मजबूर किया गया। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने ठगी की रकम के प्रवाह का विश्लेषण किया और आठ ऐसे बैंक खातों की पहचान की जिनके माध्यम से पैसे आगे बढ़ाए गए थे। इनमें प्रमुख खाता आरोपित महेंद्र कुमार के नाम से था। जिसमें पहले चरण में पैसे जमा कराए जाते थे। बाद में रकम को कई परतों में विभाजित कर विभिन्न राज्यों में भेजा जाता था, जिससे पुलिस को ट्रैक करने में कठिनाई हो। वहीं पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि वे पेशेवर ल्लअकाउंट प्रोवाइडरङ्क के रूप में काम करते थे। वे अपने बैंक खाते, चेकबुक, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड और इंटरनेट बैंकिंग की जानकारी गिरोह को सौंप देते थे। इसके बदले उन्हें हर खाते के लिए 10,000 का भुगतान मिलता था। पुलिस के मुताबिक ये खाते ठगी के पैसों को छिपाने और आगे ट्रांसफर करने में अहम भूमिका निभाते थे। अब तक की जांच में पुलिस ने 8.49 लाख की राशि विभिन्न खातों में ट्रेस की है। इन पैसों को फ्रीज कर लिया गया है। क्राइम ब्रांच के अधिकारी अब इस नेटवर्क के बाकी सदस्यों और मास्टरमाइंड तक पहुंचने के प्रयास में जुटे हैं। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति अगर खुद को ईडी, सीबीआई या किसी सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर फोन करे और पैसे ट्रांसफर करने या दस्तावेज साझा करने को कहे, तो तुरंत पुलिस या साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें।

आचार संहिता लागू होने के साथ ही राजनीतिक दलों के बैनर पोस्टर हटाने का काम शुरू

अररिया। बिहार विधानसभा चुनाव की तिथि की घोषणा के साथ ही आचार संहिता लागू हो गया है। आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किए जाने को लेकर जिला प्रशासन ने भी कवायद शुरू कर दी है। सरकारी कार्यालय और पब्लिक प्लेस से राजनीतिक दलों के बैनर और पोस्टर के साथ टंगे होर्डिंग्स को हटाया जा रहा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनिल कुमार के आदेश पर बीती रात से ही पूरे जिले में राजनीतिक दलों के बैनर पोस्टर हटाने का काम किया जा रहा है। शहर के बिजली के खंभों और अन्य स्थानों पर से राजनीतिक दलों और सरकार की योजनाओं से जुड़े बैनर और होर्डिंग्स को उतारा गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनिल कुमार ने सोमवार के शाम लिए प्रेस ब्रीफिंग में ही स्पष्ट कर दिया था कि आचार संहिता का अक्षरशः पालन किया जाएगा।

हत्या के प्रयास के मामले में वांछित आरोपित गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ल। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के मामले में वांछित अपराधी अभिषेक उर्फ बीड़ी को गिरफ्तार किया है। आरोपित पिछले कई महीनों से फरार चल रहा था और अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित था। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित को कश्मीरी गेट के पास यमुना ब्रिज इलाके से गिरफ्तार किया। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने मंगलवार को बताया कि 18 फरवरी 2025 को गांधी विहार, मुखर्जी नगर, दिल्ली में हुई गोलीकांड की इस घटना में आरोपित अभिषेक उर्फ बीड़ी और उसके साथी तनिष, पियूष, युवी, जुनैद और कुछ अज्ञात लोगों ने मिलकर एक छात्र उज्जवल पर हमला कर गोली चला दी थी। उज्जवल एसएससी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। गोली उसके दाहिने सीने में लगी थी। वारदात के बाद सभी आरोपित मौके से फरार हो गए थे। इस मामले में तिमारपुर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली थी कि वांछित आरोपित अभिषेक उर्फ बीड़ी कश्मीरी गेट के पास अपने साथी से मिलने आने वाला है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने जाल बिछाकर आरोपित को दबोचा। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसने 11वीं तक पढ़ाई की थी। लेकिन पढ़ाई में रुचि न होने के कारण स्कूल छोड़ दिया। इसके बाद वह कुछ असामाजिक तत्वों के संपर्क में आया और धीरे-धीरे अपराध की दुनिया में उतर गया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को जनसेवा के 25वें वर्ष में प्रवेश पर दी बधाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जनसेवा के 25वें वर्ष में प्रवेश करने पर बधाई दी। उन्होंने प्रधानमंत्री की सेवा-यात्रा को देश के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक मंच पर सम्मान की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी को जनसेवा के ऐतिहासिक 25वें वर्ष में प्रवेश करने पर हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन। यह तिथि भारतीय लोकतंत्र और संविधान के उच्च मूल्यों को स्थापित करते हुए ढाई दशक के अखंड सेवा-यज्ञ की स्वर्णिम यात्रा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई नरेन्द्र मोदी की जनसेवा ने पारदर्शिता, सुशासन और विकास की मजबूत नींव रखी, जिस पर आज सशक्त भारत का भव्य भवन खड़ा है। गुप्ता ने प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी नीतियों ने 'अंत्योदय' के संकल्प को साकार कर समाज के सबसे वंचित वर्ग तक विकास की रोशनी पहुंचाई। मुख्यमंत्री ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को भारत की समावेशी प्रगति का आधार बताया। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है और वैश्विक मंच पर एक मजबूत, विश्वसनीय व सम्मानित राष्ट्र के रूप में उभरा है। गुप्ता ने दिल्ली की जनता की ओर से प्रधानमंत्री मोदी के 'राष्ट्र प्रथम' की भावना और 'विकसित भारत' के स्वप्न को साकार करने के दृढ़ संकल्प की प्रशंसा की। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि प्रधानमंत्री को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और अनंत यश प्राप्त हो, ताकि उनकी सेवा-यात्रा देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाए।

दिल्ली में लाल चंदन तस्करी का भंडाफोड़, 6 करोड़ के 10 टन चंदन की लकड़ी बरामद, दो गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 टन लाल चंदन की तस्करी का पर्दाफोड़ किया है। बरामद चंदन कीकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 6 करोड़ रुपये बताई जा रही है। आंध्र प्रदेश के तिरुपति से यह खेप दिल्ली लाई जा रही थी। पुलिस ने मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। दक्षिण पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि यह कार्रवाई दिल्ली पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और आंध्र प्रदेश इंटेलिजेंस टीम की संयुक्त मुहिम के तहत की गई। टीम ने सोमवार को तुगलकाबाद गांव स्थित गोदाम में छापा मारा, जहां से करीब 10 टन लाल चंदन बरामद किया गया। यह लकड़ी ट्रक में छिपाकर तिरुपति से दिल्ली लायी गई थी। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि अगस्त में आंध्र प्रदेश के तिरुपति थाने में लाल चंदन की चोरी का मामला दर्ज हुआ था। जांच के दौरान पकड़े गए कुछ आरोपितों ने खुलासा किया कि लकड़ी की बड़ी खेप दिल्ली भेजी जा चुकी है। इस सूचना पर आंध्र प्रदेश पुलिस और दिल्ली पुलिस की एसटीएफ ने मिलकर संयुक्त टीम बनाई और मुखबिरों की मदद से दिल्ली में छापेमारी की योजना बनाई। 6 अक्टूबर को की गई कार्रवाई में पुलिस ने दो तस्करों इरफान और अमित को गिरफ्तार किया। दोनों की निशानदेही पर तुगलकाबाद के गोदाम से लाखों रुपये की कीमत का लाल चंदन बरामद किया गया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्होंने अगस्त के पहले सप्ताह में आंध्र प्रदेश से यह लकड़ी अवैध रूप से खरीदी थी और ट्रक में छिपाकर दिल्ली पहुंचाई। उनका इरादा इसे चीन और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में भेजने का था। जहां लाल चंदन अपनी औषधीय और दुर्लभ लकड़ी की मांग के कारण बेहद महंगा बिकता है। जांच में पता चला है कि आरोपितों में से इरफान पहले भी साल 2023 में तिरुपति पुलिस द्वारा इसी अपराध में पकड़ा जा चुका है। जबकि अमित संपत पवार पहली बार इस तस्करी में शामिल पाया गया है।

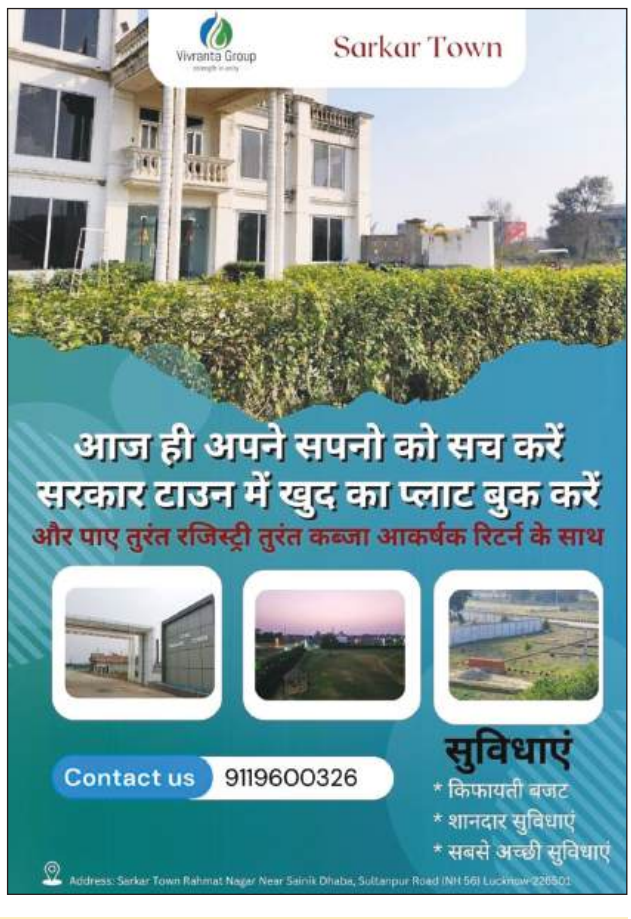

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063